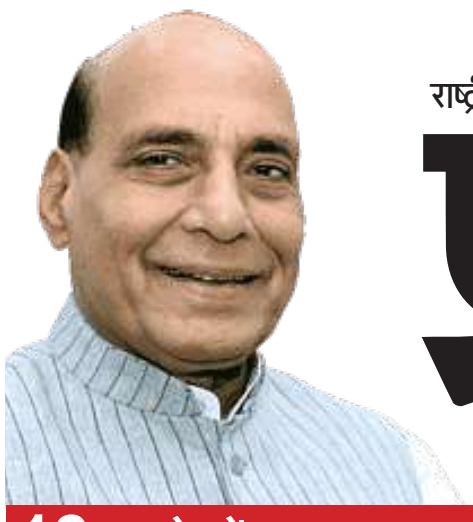

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 समारोह में अचानक मलयालम बोलने लगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ...

नाटो को बढ़ावा देने के लिए बाइडन करेंगे यूरोप के देशों की यात्रा, व्हाइट ... 12

वर्ष : 11 | अंक : 54 | पटना, मंगलवार, 04 जुलाई, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 33°C

न्यूनतम तापमान 28.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	59,340
चांदी	55,350
सेंसेक्स	63,327
निफ्टी	18,816

नौकरी के बदले जमीन घोटाले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, तेजस्वी, लालू व राबड़ी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। सीबीआई ने नौकरी के बदले जमीन लेने संबंधी घोटाले से जुड़े मामले में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव तथा पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद एवं पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामले में यह दूसरा आरोपपत्र है और इसमें 14 अन्य लोगों के भी नाम शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह मामले में पहला आरोपपत्र दाखिल होने के बाद सामने आए दस्तावेजों और सबूतों के आधार पर दाखिल किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि यादव परिवार के सदस्यों के अलावा, सीबीआई ने मामले में एके इन्फोसिस्टम्स और कई बिचौलियों को भी नामजद किया है। आरोपपत्र विशेष सीबीआई अदालत में दाखिल किया गया। अधिकारियों ने कहा कि दूसरा आरोपपत्र इसलिए दाखिल किया गया क्योंकि प्रारंभिक रिपोर्ट दाखिल होने तक आरोपियों की कथित भूमिका के संबंध में जांच पूरी नहीं हो सकी थी। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि 2004-2009 में संप्रग सरकार में लालू प्रसाद के रेल मंत्री रहने के दौरान बिना किसी विज्ञापन

या सार्वजनिक सूचना के नियमों और प्रक्रियाओं का उल्लंघन कर पसंदीदा लोगों को रेलवे में नियुक्त किया गया। एजेंसी के मुताबिक, रेलवे में नौकरी के बदले में अभ्यर्थियों ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों को बाजार भाव से काफी कम दरों पर जमीन बेची थी। दरअसल, नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में सीबीआई राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी से पूछताछ कर चुकी है। इसके अलावा ईडी ने राजद प्रमुख के परिवार के परिसरों में छापे मारे थे। इस मामले में तेजस्वी यादव और उनकी बड़ी बहन और सांसद मीसा भारती भी पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष भी पेश हुई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उनका बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया था। उधर, नौकरी के बदले जमीन मामले में सीबीआई की ओर दायर चार्जशीट में लालू परिवार का नाम आने के बाद राष्ट्रीय जनता दल के के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, तेजस्वी यादव ने तो खुद कहा था कि चार्जशीट में उनका नाम आएगा। अभी जिस तरह का माहौल है और भाजपा जैसी राजनीति कर रही है उसमें यही होना था लेकिन हमारी राजनीति में कोई बदलाव नहीं आएगा। देश को हिंदू राष्ट्र बनाने से रोकने के लिए जो भी कुर्बनी देनी होगी उसके लिए हम तैयार हैं।

जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम नीतीश, 95 लोगों की सुनी समस्याएं

जमीन कब्जा की शिकायत पर मुख्यमंत्री सख्त, शीघ्र कार्रवाई का दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जमीन पर कब्जा की शिकायत पर सख्त दिखें। दरअसल, जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में सोमवार को जमीन पर कब्जा की शिकायतों का भरमार रहा। मुख्यमंत्री ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को शीघ्र उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एक अण्णे मार्ग पर आयोजित जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे 95 लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान के लिए समुचित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में बेगूसराय जिला से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे जमीन को दबंगों द्वारा कब्जा कर मुझे तंग किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। बांका जिला से आये एक युवक ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि मेरे निजी जमीन पर दबंगों द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है। इसकी शिकायत किए जाने के बाद भी कोई कारगर कदम नहीं उठाया जा रहा है। वहीं, बांका जिला से ही आए एक वृद्ध ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे जमीन पर कब्जा कर लिया गया है और इसकी शिकायत करने जब थाने में जाता हूं तो मामला दर्ज नहीं किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कैमूर जिले से आए एक वृद्ध ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि मेरे घर को नाजायज तरीके से कब्जा कर लिया गया है। इस मामले में केस दर्ज कराने के लिए टालमटोल कर परेषान किया जा रहा है। सारण जिला से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि उनके निजी जमीन को हथियार के बल पर कब्जा कर लिया गया है।

इसको छुड़ाने के लिए दौड़ रहा हूं लेकिन कोई नहीं सुन रहा है। वहीं, सीतामढ़ी जिला से आये एक अन्य फरियादी ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि मेरे जमीन को दूसरे के नाम से कर दिया गया है, इसको लेकर शिकायत किया जा रहा है फिर भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। दरभंगा जिला से आयी एक महिला ने गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे जमीन को कुछ लोगों द्वारा कब्जा कर लिया गया है। इसकी शिकायत थाने में किए जाने के बाद भी किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अररिया जिले से आए एक फरियादी ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे जमीन की खरीद-बिक्री में धोखाधड़ी किया गया है। इसकी शिकायत हमने थाने में भी की है, लेकिन अब तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई है। वहीं, पूर्णिया जिला से आयी एक महिला ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि जाली कागजात बनाकर जमीन की बिक्री कर दी गई है। इस संबंध में गुहार लगाने के बाद भी कोई कारगर कदम नहीं उठाया जा रहा है, जिससे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग से जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मुजफ्फरपुर जिला से आयी एक महिला ने गुहार लगाते हुए कहा कि मैं अनुसूचित जाति से आती हूं मेरे जमीन को लिखवा लिया गया और पैसा मांगने पर मारपीट किया जा रहा है। इसकी सूचना थाने में दिए जाने के बाद भी किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग से उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

इन विभागों से संबंधित मामले पर सुनवाई : जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में सामान्य प्रशासन विभाग, गृह विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, निगरानी विभाग, खान एवं भू-तत्व विभाग, निर्वाचन विभाग, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग एवं संसदीय कार्य विभाग से संबंधित मामलों पर सुनवाई हुयी।

ये रहें मौजूद : जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री आलोक कुमार मेहता, खान एवं भूतत्व मंत्री डॉ रामानंद यादव, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री सुनील कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, पुलिस महानिदेशक आरएस भट्टी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह तथा वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा उपस्थित थे।

जमीन अधिग्रहण का मुआवजा देने में विलंब न हो

पटना। भागलपुर जिला से आए एक फरियादी ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि वर्ष 2019 में मेरे जमीन का अधिग्रहण किया गया और उसके लिए जो मुआवजा राशि दी जाती है, वो अब तक नहीं दी गई है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सीतामढ़ी जिला से आयी एक महिला ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे पति की षड्यंत्र के तहत हत्या कर दी गई। मामले में लगातार गुहार लगाते-लगाते थक गई हूं, कोई सुनवाई नहीं हो रही है और ना ही आरोपी गिरफ्तार हो रहा है। सीतामढ़ी जिला से आयी एक महिला ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे पति की षड्यंत्र के तहत हत्या कर दी गई। मामले में लगातार गुहार लगाते-लगाते थक गई हूं, कोई सुनवाई नहीं हो रही है और ना ही आरोपी गिरफ्तार हो रहा है। वहीं गोपालगंज जिला से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से फरियाद करते हुए कहा कि मेरी बहन की दहेज के कारण हत्या कर दी गई है। थाने में षिकायत करने पर भी अब तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सीवान जिला से आयी एक महिला ने मुख्यमंत्री से निवेदन करते हुए कहा कि थाना में मामला दर्ज है, वर्ष 2021 से विपक्ष द्वारा केस को हटाने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा और कहा जा रहा है कि अगर केस को नहीं हटाया गया तो जान से मार दिया जाएगा।

बिहार के अभ्यर्थियों के साथ नहीं हो रहा भेदभाव: मुख्य सचिव

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। शिक्षक भर्ती परीक्षा में डोमिसाइल नीति पर सरकार ने अपना रूख स्पष्ट कर दिया है। सरकार ने कहा कि किसी भी हालत में डोमिसाइल नीति लागू नहीं होगी। बिहार सरकार ने संविधान के आर्टिकल 16 का हवाला देते हुए इसे कानूनी बाध्यता बताया। सोमवार को मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्य सचिव आमिर सुबहानी ने बताया कि 1994, 1999 और 2000 में जो परीक्षा हुई इसमें भी डोमिसाइल का प्रावधान नहीं था। यह नियमावली तो 1991 में ही बनी थी। उसमें भी यह प्रावधान नहीं था। इसलिए इस परीक्षा में भी डोमिसाइल नीति हटाई गई। साल 2012 में 1 लाख 68 हजार की नियुक्ति हुई है। इसमें 3 हजार से अधिक अभ्यर्थी बिहार के बाहर से आए हैं। आमिर सुबहानी ने कहा कि डोमिसाइल नीति लागू करना विधि संगत भी नहीं है। उन्होंने कहा कि संविधान के आर्टिकल 16 में कहा गया है कि राज्य के अधीन किसी नियोजन या पद के संबंध में केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्म स्थान और निवासी या इनमें से किसी के आधार पर न तो कोई नागरिक अप्रात्र होगा और उससे कोई विभेद किया जाएगा। मुख्य सचिव ने बताया कि उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में देश के हर राज्य के निवासी नौकरी करेंगे। इसी तरह बिहार में यहां के अलावा दूसरे राज्यों के निवासी भी शिक्षक बनने के पात्र हैं। अन्य राज्यों की परीक्षा में भी स्थानीय निवासी होने का शर्त नहीं है। इसके अलावा आरक्षण के आधार पर चयनित होने का लाभ तो बिहार के स्थानयी निवासी को ही मिलेगा। यह आरक्षण का नियम है। 50 प्रतिशत रिक्तियों पर तो आरक्षण के कारण बिहार निवासी को ही लाभ मिलेगा। वहीं, अपर मुख्य सचिव के के पाठक ने कहा है कि जिन-जिन राज्यों ने डोमिसाइल के प्रावधान किए हैं। हाई कोर्ट में गए। सुप्रीम कोर्ट गए, लेकिन, मुकदमा हार गए हैं। झारखंड सरकार सुप्रीम कोर्ट से हार गई है।

प्रफुल्ल पटेल ने सुनील तटकरे राकांपा महाराष्ट्र इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया

- अजित पवार विधायक दल का नेता नियुक्त

प्रात : किरण

मुंबई। शरद पवार द्वारा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष पद से हटाए जाने के तुरंत बाद प्रफुल्ल पटेल ने सोमवार शाम को जयंत पाटिल की जगह लोकसभा सदस्य सुनील तटकरे को पार्टी की महाराष्ट्र इकाई का प्रमुख नियुक्त करने की घोषणा की। पटेल ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार को पार्टी विधायक दल का नेता भी नियुक्त किया। इससे पहले दिन में पवार ने पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और सांसद सुनील तटकरे को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते निष्कासित कर दिया। दोनों ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बगावत में साथ दिया था। राज्यसभा सदस्य पटेल को पिछले महीने राकांपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। पटेल ने यहां प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने पाटिल को तटकरे को प्रभार सौंपने के बारे में सूचित किया था। उन्होंने कहा कि अजित पवार राकांपा विधायक दल के नेता होंगे। पटेल ने कहा, आज गुरु पूर्णिमा है, हम सभी चाहते हैं कि शरद पवार हमें आशीर्वाद देते रहें। इस दौरान अजित पवार ने कहा कि उन्हें राकांपा के अधिकतर विधायकों का समर्थन प्राप्त है और उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर पार्टी विधायक जयंत पाटिल और जितेंद्र आव्हाड को सदन से अयोग्य घोषित करने का अनुरोध किया है।

संक्षिप्त खबरें

शरद पवार एक्शन मोड में, बोलें- विध्वंसक प्रवृत्ति वालों को सिखाएंगे सबक

मुंबई राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में फूट के बाद पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार एक्शन मोड में आ गए हैं। सोमवार को सातारा जिले के कराड में पूर्व मुख्यमंत्री यशवंत राव चव्हाण के समाधि स्थल पर पहुंचकर शरद पवार ने कहा कि उनकी पार्टी को तोड़ने वालों को सबक सिखा देंगे। इसके साथ ही शरद पवार ने मुंबई स्थित यशवंत राव चव्हाण प्रतिष्ठान में 5 जुलाई को राकांपा नेताओं और पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है। इस बैठक में शरद पवार ने सभी को एफिडेविट के साथ आने के लिए कहा है। कराड में शरद पवार के साथ कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण, राकांपा सांसद श्रीनिवास पाटिल विधायक मकरंद पाटिल, अतुल बेनके, बालासाहेब पाटिल, शशिकांत शिंदे, रोहित पवार उपस्थित थे। इनमें से मकरंद पाटिल, अतुल बेनके और बालासाहेब पाटिल रविवार को राजभवन में अजीत पवार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में भी उपस्थित थे। शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में कुछ सामाजिक विनाशकारी प्रवृत्तियां उथल-पुथल की भूमिका निभा रही हैं। शरद पवार ने इन प्रवृत्तियों को उनकी जगह दिखाए बिना नहीं छोड़ा जाएगा। देश और राज्य में लोकतंत्र की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है, इसलिए अधिकारों को सुरक्षित रखने की जरूरत है। इसी प्रवृत्ति के चलते प्रदेश में सांप्रदायिक झगड़े और दंगे कराने की कोशिश की जा रही है। अब इस विनाशकारी सामाजिक प्रवृत्ति के खिलाफ लड़ने का समय आ गया है।

108 किमी लंबा विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला शुरू

देवघर। झारखंड के देवघर में विश्व प्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेले की शुरूआत हो गई है। झारखंड के कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने बिहार-झारखंड की सीमा स्थित दुम्मा में आयोजित एक कार्यक्रम में इसका उद्घाटन किया। बिहार के सुल्तानगंज स्थित उत्तरवाहिनी गंगा से लेकर झारखंड के देवघर स्थित बाबाधाम तक 108 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में यह एशिया का सबसे लंबा मेला माना जाता है। इस बार यह मेला दो महीने तक चलेगा। हिंदुओं के धार्मिक पंचांग के अनुसार इस बार श्रावण के बीच में ही एक महीने का अधिकमास पड़ रहा है। ऐसे में श्रावणी मेले का पहला चरण 4 जुलाई से 16 जुलाई तक और दूसरा चरण 16 अगस्त से 31 अगस्त तक रहेगा। इस बीच 17 जुलाई से 15 अगस्त तक अधिकमास या मलमास का महीना रहेगा। मेले के उद्घाटन के बाद ही बिहार के सुल्तानगंज से लेकर देवघर और दुमका स्थित बासुकीनाथ मंदिर तक का इलाका बोल-बम के नारों से गुंजायमान है। सोमवार को गुरु पूर्णिमा के दिन हजारों कांवड़ियों ने सुल्तानगंज में पवित्र गंगा नदी से जल उठाया और देवघर तक की 108 किमी लंबी यात्रा के लिए निकल पड़े। पूरे रास्ते में महीन रेत गिराई गई है, ताकि पैदल कांवड़ियों को सहूलियत हो। इसके अलावा उन पर जगह-जगह कृत्रिम जल वर्षा की भी व्यवस्था की गई है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बाबाधाम भगवान शंकर के 12 ज्योतिलिंगों में से एक है। सावन महीने में लाखों भक्त बिहार के सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर 108 किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए देवघर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। देवघर में जलाभिषेक के बाद ज्यादातर श्रद्धालु दुमका स्थित बासुकीनाथधाम भी जाते हैं। अनुमान है कि दो महीने तक चलने वाले श्रावणी मेले में इस बार एक करोड़ से भी ज्यादा लोग पहुंच सकते हैं।

मणिपुर हिंसा: न्यायालय ने राज्य सरकार से अद्यतन स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को मणिपुर सरकार को जातीय हिंसा प्रभावित राज्य में पुनर्वास सुनिश्चित करने और कानून एवं व्यवस्था की स्थिति में सुधार के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी वाली एक अद्यतन स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने इस मुद्दे पर याचिकाओं को 10 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता से पीठ ने अद्यतन स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा, इसमें पुनर्वास शिविरों, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाए गए कदम और हथियारों की बरामदगी जैसे विवरण होने चाहिए।

एक संक्षिप्त सुनवाई में, शीर्ष विधि अधिकारी ने सुरक्षा बलों की तैनाती और कानून व्यवस्था की हालिया स्थिति का विवरण दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में कर्फ्यू की अवधि अब 24 घंटे से घटाकर पांच घंटे कर दी गयी है। मेहता के मुताबिक, राज्य में पुलिस, इंडियन रिजर्व बटालियन और सीएपीएफ की 114 कंपनियां भी तैनात हैं। उन्होंने कहा कि कुकी समूहों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कॉलिन गोंजाल्वेज को चाहिए कि वह मामले को सांप्रदायिक रंग नहीं दें। गोंजाल्वेज ने तर्क दिया कि उग्रवादी एक समाचार कार्यक्रम में आए और कहा कि वे कुकी समूहों का सफाया कर देंगे लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कुकी समूहों के खिलाफ हिंसा राज्य द्वारा प्रायोजित थी। शीर्ष अदालत के पास मणिपुर की स्थिति को लेकर कई याचिकाएं हैं। इनमें सत्तारूढ़ भाजपा के एक विधायक द्वारा दायर याचिका शामिल है जिसमें मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई है। एक अन्य याचिका में पूर्वोत्तर राज्य में हुई हिंसा की जांच एसआईटी (विशेष जांच दल) से कराने की मांग की गई है।

विपक्षी दलों की दूसरी बैठक संसद के मानसून सत्र से दो दिन पहले 17-18 को

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि विपक्षी दलों की दूसरी बैठक 20 जुलाई को शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र से दो दिन पहले 17-18 जुलाई को बेंगलुरु में होगी। एक ट्वीट में, कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, पटना में बेहद सफल सर्व-विपक्ष बैठक के बाद, हम अगली बैठक 17 और 18 जुलाई को बेंगलुरु में करेंगे। वेणुगोपाल ने कहा, हम फासीवादी और अलोकतांत्रिक ताकतों को हराने और देश को आगे ले जाने के लिए एक साहसिक दृष्टिकोण पेश करने के अपने अटूट संकल्प पर कायम हैं। इस बीच, कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि उसने उन सभी दलों को निमंत्रण भेजा है, जो 23 जून को बिहार के पटना में समान विचारधारा वाले दलों की पहली बैठक में शामिल हुए थे। आम आदमी पार्टी के साथ भी एक निमंत्रण साझा किया गया है और यह उन पर निर्भर है कि वे बैठक में शामिल होना चाहते हैं या नहीं। सूत्र ने कहा कि संसद के मानसून सत्र से पहले बैठक आयोजित करने का निर्णय इसलिए लिया गया, क्योंकि कई दलों ने 13 और 14 जुलाई को अपने कार्यक्रमों के बारे में सूचित किया था। विपक्ष की बैठक पहले शिमला में होनी थी। हालांकि, 29 जून को एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने कहा कि कार्यक्रम स्थल को बेंगलुरु स्थानांतरित कर दिया गया है। विपक्षी दलों की दूसरी बैठक की नई तारीखें शरद पवार के भतीजे अजीत पवार के विद्रोह और महाराष्ट्र में भाजपा-एकनाथ शिंदे सरकार के साथ गठबंधन के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में विभाजन के एक दिन बाद आई। उन्होंने राज्य सरकार में पार्टी के आठ विधायकों के साथ उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली और असली एनसीपी के तौर पर हिस्सेदारी का दावा किया। उधर, अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप ने केंद्र के अध्यादेश विवाद पर अपने अस्पष्ट रुख को लेकर कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

विमोचन

राजद सुप्रीमो ने नीतीश कुमार की जीवनी 'अंतरंग दोस्तों की नजर से' पुस्तक का किया विमोचन

बिहार टूटने-झुकने वाला नहीं, महाराष्ट्र को दोहराने का सपना धरा का धरा रह जाएगा : लालू

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जीवनी पर आधारित पुस्तक अंतरंग दोस्तों की नजर से का विमोचन सोमवार को ज्ञान भवन में हुआ। इस मौके पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने कहा कि इस किताब का विमोचन ऐसे समय में हो रहा है। जब हमारा देश टूट रहा है। नरेंद्र मोदी जो इस देश के प्रधानमंत्री हैं, वह चारों तरफ से इस देश में डाका डाल रहे हैं। राम और रहिम के बंदों के बीच मतभेद पैदा किया। गरीबी और भूखमरी मिटाने की कोई चर्चा नहीं हो रही है। हमारे देश के लोकतंत्र को मिटाने की साजिश हो रही है। ऐसे समय में हमलोग इकट्ठा हो रहे हैं। यह किताब ऐसे समय में लोगों को रोशनी दिखाएगा। हमारे सांसदों-विधायकों को तोड़ने की चर्चा हो रही है, उन लोगों को पता ही नहीं कि बिहार उड़ती चिड़िया को भी हल्दी लगाता है। बिहार टूटने-झुकने वाला नहीं है। यहीं से भाजपा के सफाये की शुरूआत होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हम उनकी मंशा में सफल नहीं होने देंगे। आरोप लगाया कि अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का धड़ा ऐसे समय महाराष्ट्र की भारतीय जनता पार्टी-शिवसेना गठबंधन सरकार में शामिल हुआ जब विपक्षी नेता लोकतंत्र पर हो रहे हमले के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हुए हैं। राजद सुप्रीमो ने कहा कि बिहार हार मानने वाला नहीं है। यहां महाराष्ट्र को दोहराने का सपना धरा का धरा रह जाएगा। बिहार से ही भाजपा का सफाया होगा। नरेंद्र मोदी का सफाया होना तय है। राजद सुप्रीमो ने कहा कि नीतीश बिल्कुल साधारण घर-परिवार से निकले नेता हैं। इनके पिताजी वैद्य थे। लोकसभा से लेकर विधानसभा तक और जननायक कपूर्री ठाकुर के निधन के बाद नेता प्रतिपक्ष

की जगह खाली हो गई। कई वरीय नेता भी थे जो चाहते थे कि कपूर्री के जगह पर वह नेता प्रतिपक्ष बने। लेकिन, उस वक्त नीतीश कुमार ने हमारा साथ दिया और मुझे नेता प्रतिपक्ष बना दिया। हमारी मित्रता वर्षों पुरानी है और यह आगे भी बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि मंडल आयोग को लागू करने के लिए हम लोगों ने काफी काम किया। अब उस आरक्षण पर कब्जा करने का दुष्चक्र रचा जा रहा है। धार्मिक-जातीय वैमनस्यता फैलाने का प्रयास हो रहा है। हम ऐसी ताकतों को सफल नहीं होने देंगे। हमें एकजुट रहकर संविधान को बचाना है और देश को मजबूत करना है। बिहार के गौरवमयी राजनीतिक इतिहास का स्मरण कराते हुए लालू ने कहा कि हमारी लड़ाई आज की नहीं। हमने दिल्ली से लेकर पटना तक कई संघर्ष किया है और कई दौर देखे हैं। आज विधायकों की खरीद-फरोख्त हो रही है। फिर भी जनता को भ्रमित करने का प्रयास हो रहा है। ऐसी हरकतों से हम डरने-झुकने वाले नहीं है। हमारी सरकार अडिग-अटूट है और आगे भी हम एकजुट रहेंगे।

पुस्तक से जो भी आय होगी, उसे दिव्यांगजनों को दिया जाएगा : ज्ञान में आयोजित इस कार्यक्रम में इस पुस्तक के लेखक उदय कांत मिश्र, विधान परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर, बिहार सरकार के वित्त मंत्री विजय चौधरी, शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्र शेखर, जल संसाधन मंत्री संजय झा समेत कई वरीय नेता मौजूद रहे। राजकमल प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इस किताब को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी दोस्तों में से एक उदय कांत मिश्र ने लिखी है। हालांकि, किताब की ऑनलाइन बिक्री शुरू है और सभी प्रमुख किताब दुकानों पर भी उपलब्ध है। इस पुस्तक से जो भी आय होगी, उसे दिव्यांगजनों को दिया जाएगा। उदय कांत मिश्र का कहना है नीतीश कुमार अंतरंग दोस्तों की नजर से किताब एक शख्स के मुन्ना बाबू, नेताजी, नीतीश जी से माननीय नीतीश कुमार बनने की कहानी है। साथ ही इस किताब में आजादी के बाद के बिहार की राजनीति का लेखा-जोखा भी है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि नीतीश कुमार को इस मुकाम तक पहुंचने में काफी संघर्ष करना पड़ा। इस संघर्ष को सामने रखने की कोशिश मैंने इस किताब के जरिये की। उदय कांत मिश्र ने कहा कि मैंने पूरी किताब मोबाइल पर लिखी है। पहले तो यह 1200-1300 पेज की किताब हो गई थी। उसके बाद कई चीजों को हटाने पर इसे 600-700 पेज में समेटा गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से कई अनेक अनछुए पहलू 760 पेज में दर्ज हैं।

संक्षिप्त खबरें

भक्तों ने उतारी मां गंगा की आरती

पटना सिटी (प्राकि)। आषाढ़ पूर्णिमा पर गंगा नदी के विभिन्न घाटों पर मां गंगा की आरती शाम में की गई। कंगन घाट पर गंगा सेवा दल समन्वय समिति की ओर से गंगा आरती का आयोजन किया गया। अध्यक्ष डॉ राजीव गंगौल की अध्यक्षता व महासचिव राजेश शुक्ला टिल्लू के संचालन में पंडित हिमांशु गिरि ने मां गंगा की आरती उतारी। आयोजन में विकाश राज जायसवाल, अर्चना गुप्ता, आशा जायसवाल, राखी, गुड़िया, सीता देवी, राधा देवी, मीरा देवी, रमेश कपूर, राजनाथ राय मुखिया, वकील राय, नगीना राय, रंजीत यादव, अजीत यादव, नागदेव राय, राजेंद्र यादव, हार्दिक पोद्दार, दिनेश कुमार यादव आदि शामिल थे। इसके अलावा भद्र घाट पर मिथलेश कुमार के नेतृत्व में और खाजेकलां घाट पर भी गंगा माता की आरती की गई। आरती के बाद मौजूद श्रद्धालुओं ने गंगा नदी में दीपदान भी किया।

भगवान जगन्नाथ की भव्य शोभा यात्रा

फतुहा। सबलपुर विष्णु मंदिर से सोमवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा में हाथी-घोड़े, गाजे-बाजे के साथ निकली आकर्षक झांकी के साथ श्रद्धालुओं ने कच्ची दरगाह से दीदारगंज तक पूरे नगर का भ्रमण किया। इसके बाद पूरे अनुष्ठान के साथ पूजा-अर्चना की गई और भंडारे के साथ प्रसाद वितरण किया गया। मौके पर पूर्व मुखिया शंकर यादव, जयपाल यादव, शशिकांत सिंह, मुकेश सिंह, अर्जुन पांडेय, सचिव नरेशचन्द्र, पंसस नीलम देवी, दिलीप सिंह समेत कई मौजूद थे।

फतुहा में यूको बैंक की नई शाखा का हुआ शुभारंभ

फतुहा। शहर में महारानी चौक के पास सोमवार को यूको बैंक की नई शाखा का उद्घाटन बीडीओ धर्मवीर कुमार ने किया। उद्घाटन समारोह में यूको बैंक के पटना अंचल के अंचल प्रमुख देवाशीष नायक ने बताया कि यूको बैंक 1943 से निरंतर बैंकिंग सुविधा उपलब्ध करवा रहा है। नायक ने और कहा कि बैंक भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी हैं। अर्थव्यवस्था और उद्योग की वास्तविकताओं के मद्देनजर बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बैंकिंग की पहुँच को बढ़ाने की जरूरत है। नई शाखा के खुलने से वित्तीय समावेशन को बल मिलेगा। इससे बैंकिंग सेवा की पहुँच को बढ़ावा मिलेगा। इस मौके पर पटना अंचल कार्यालय से वरिष्ठ प्रबंधक राम कृष्णा, रामविलाश बैठा प्रबंधक (सुरक्षा), पुनित शाखा प्रबंधक फतुहा, अंजलि राज अधिकारी के साथ-साथ अन्य स्टाफ सदस्य के अतिरिक्त स्थानीय कारोबारी व स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे।

संघ विरोधी कार्य के आरोप में अधिवक्ता पंकज दो साल के लिए निलंबित

पटना सिटी। पटना सिटी अधिवक्ता संघ की कार्यकारिणी की बैठक में अधिवक्ता पंकज कुमार को संघ विरोधी कार्य करने के आरोप में सारी सुविधाओं से वंचित करते हुए उन्हें दो वर्षों के लिए निलंबित कर दिया गया है। साथ ही उन्हें निर्देश दिया गया है कि एक सप्ताह के अंदर संघ का चेंबर खाली कर दें। ऐसा नहीं किए जाने पर उक्त चेंबर को सील कर दिया जाएगा। यह जानकारी पटना सिटी अधिवक्ता संघ के महासचिव अशोक कुमार ने सोमवार को दी। पटना सिटी अधिवक्ता संघ की ओर से बताया औऔगया कि चार मई को कार्यकारिणी की पहली बैठक हुई थी, जिसमें इस मुद्दे पर चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने अधिवक्ता पंकज कुमार पर संघ के विरुद्ध कार्य करने का आरोप लगाया। इस संबंध में संबंधित अधिवक्ता से दो बार स्पष्टीकरण की मांग की गई। मगर उन्होंने संघ एवं पदाधिकारियों के विरुद्ध ही जवाब दिया। ऐसी स्थिति में फिर 22 जून को कार्यकारिणी की बैठक हुई। इसमें उपस्थित सदस्यों ने अधिवक्ता पंकज को संघ विरोधी कार्य करने का आरोप लगाया। साथ ही उनके द्वारा भेजा गया स्पष्टीकरण, जो धमकी से भरा था, से संघ के कोई पदाधिकारी संतुष्ट नहीं हुए।

छात्रों को ले जा रहा ई-रिक्शा पलटा, छात्रा घायल

अगमकुआं-कसेरा आयरन के बीच नमामि गंगा का अनेक गड्ढें

पटना सिटी, प्रात : किरण संवाददाता

नमामि गंगे सीवरेज परियोजना लोगों की परेशानी का कारण बना है। हर आयु वर्ग के लोगों को यह अपने में चपेट में लेकर घायल कर रहा है। आश्चर्यजनक बात यह है कि छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर आंदोलन करने वाले यहां के राजनीतिक दल इस ज्वलंत मुद्दे पर खासा चुप हैं। चाहे वह सत्ताधारी दल के नेता हों या विपक्ष के।

विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के द्वारा भी आवाज बुलंद करने और आंदोलन करने वाले समाजसेवी भी चुप्पी साधे हैं। ऐसा नहीं है कि केवल यहां की जनता नमामि गंगे सीवरेज परियोजना से परेशान है, बल्कि सभी राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठन के लोग भी बेहाल हैं। ताजा मामला अगमकुआं थाना क्षेत्र के अगमकुआं रेल गुमटी और कसेरा आयरन के बीच के रोड की है। रेलवे लाइन से सटे इस दूरी में सड़क गड्ढे में तब्दील है। नमामि गंगे सीवरेज परियोजना का काम कर रही एजेंसी ने काम करने के बाद जैसे-तैसे गड्ढे को भर दिया। अब उस पर पीच नहीं की गई है। स्थिति यह है कि बारिश के बाद मिट्टी के बैठने से जगह-जगह गड्ढा हो गया है। इसी दौरान सोमवार को दोपहर करीब सवा एक बजे बिस्कोमान गोलंबर की ओर से ई-रिक्शा पर छात्र-छात्राओं को लेकर चालक अगमकुआं रेल गुमटी की ओर आ रहा था। इसी दौरान पिछला पहिया के गड्ढा में पड़ने के साथ ही चालक ने संतुलन खो दिया और वाहन पलट गया। इससे उस पर सवार छात्र-छात्राएं घायल हो गईं। सबसे अधिक चोट तुलसी मंडी की रहने वाली छात्रा संध्या विश्वकर्मा को हुआ। उसके शरीर के विभिन्न हिस्सों में और खासकर पैर में चोट आने के बाद संभवतः फ्रैक्चर हो गया है। इस कारण वह अपने पैर पर खड़ा नहीं हो पा रही थी। लोगों की भीड़ थी, जो वीडियो बना रहा था। हालांकि उसके गले में स्कूल का लटका आई कार्ड में रहे मोबाइल नंबर पर कॉल कर छात्रा संध्या के परिजन को सूचित करने का प्रयास किया गया, मगर किसी ने कॉल अटेंड नहीं किया। संध्या लालदेव विश्वकर्मा और रुबी विश्वकर्मा की पुत्री है। वह बिस्कोमान कॉलोनी कुम्हरार के मौर्या कॉलोनी स्थित एसडी पब्लिक स्कूल में पांचवीं की छात्रा है। बाद में किसी तरीके से लोगों ने वाहन को सीधा किया और फिर उस पर सभी छात्र को बैठा कर उनके घर की ओर रवाना किया गया।

गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम में कबीर मठ पहुंचे मंत्री रत्नेश सदा

प्रात : किरण संवाददाता

फतुहा। शहर में दरियापुर स्थित कबीर मठ फतुहा में सोमवार को मठ के संरक्षक महंत ब्रजेश मुनि के सानिध्य में श्रद्धा भक्ति के साथ सद्गुरु कबीर साहेब का गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर मुनि जी के साथ संत अमर दास, संत प्यारे दास, संत खोबीदास एवं अन्य साधु संतों ने बीजक पाठ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में राज्य के अनुसूचित जाति जनजाति कल्याण मंत्री रहे रत्नेश सदा पहुंचे। रत्नेश सदा ने सद्गुरू कबीर की वाणी का प्रकाश करते हुए कहा- गुरु बिन ज्ञान न उपजै गुरु बिन मिले न मोक्ष। गुरु बिन लखै न सत्य को गुरु बिन मिटे न दोष '' बिना गुरु के ज्ञान नहीं होता, मोक्ष नहीं मिलता, गुरु के बिना सत्य असत्य की परख नहीं होतीं और बिना गुरु के जीवन का दोष दूर नहीं होता। इसलिए जीवन को सार्थक बनाने के लिए गुरु के शरण में जाना आवश्यक है। वहीं महंत ब्रजेश मुनि ने कहा- गुरु आज्ञा माने नही चले अटपटी चाल।

लोक वेद दोनों गये आए सिर पर काल '' जो गुरु की आज्ञा नहीं मानता गलत रास्ते पर चलता है वह न संसार का सुख पाता है न धर्म से शान्ति क्योंकि वह पतित होकर विवेक खो देता है। मठ प्रांगण में संचालित डी पाउल स्कूल के बच्चों को गुरु पूर्णिमा का महत्व बताते हुए योग विशेषज्ञ हृदय नारायण झा ने कहा जो गुरु के प्रति श्रद्धा रखकर गुरु के बताये मार्गों पर चलता है वह जीवन मे अपना उन्नत और उत्तम चरित्र निर्माण करने में सफलता प्राप्त करता है। ऐसी श्रद्धा भक्ति अपने प्रथम गुरु माता, पिता और सभी शिक्षक के प्रति रखना चाहिए। जो गुरु का अनुशासन मानकर अपनी पढ़ाई करता है वह अपने मन के अनुकूल सफलता प्राप्त करता है। जो गुरु के अनुशासन का पालन नहीं करते वे सफल नहीं होते है। उदासीन संगत के स्वामी बालकृष्ण देव, पीताम्बरी देव, विहंगम योग के संत अमर दास ने भी सत्संग किया। इस अवसर पर न्यास समिति की सदस्य शारदा देवी, सदस्य संत विवेक मुनि, रामा पासवान, डॉ उमेश यादव, मो. राजू, पप्पू झा, कबीरपंथी साधु संत श्रद्धालु सहित स्थानीय नागरिको ने भाग लिया। सत्संग पश्चात भंडारा प्रसाद का आयोजन हुआ और स्कूली बच्चों के बीच खीर प्रसाद का वितरण किया गया।

अफीम व डोडा बेचते महिला सहित तीन गिरफ्तार

तख्तश्री के पास रुमाल व कड़ा दुकान की आड़ में बेचता था नशीला पदार्थ

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के बाहर सिर ढंकने के लिए रुमाल और हाथ में पहनने वाले कड़ा टेबल पर रख कर बेचने का काम किया जाता था। इसी के आड़ में नशीले पदार्थ का काम भी किया जा रहा था। मौके पर मौजूद पुलिस ने जब प्लास्टिक के थैली से एक डिब्बा निकाल कर ग्राहक को देते देखा, तो शक हुआ। जांच उपरांत अफीम और उसका पाउडर यानी डोडा बरामद किया गया। इस मामले में पहले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस ने महिला को भी गिरफ्तार किया है। इस संबंध में चौक थाना में तीनों के खिलाफ मामला 374/23 दर्ज करते हुए पुलिस ने तीनों को जेल भेज दिया है। पुलिस ने 45.5 ग्राम अफीम व 975 ग्राम डोडा आरोपियों के पास से बरामद किया है। चौक थाना के थानाध्यक्ष गौरीशंकर गुप्ता ने बताया कि गिरफ्तार में हाजीगंज का रहने वाला विशाल कुमार तथा दूसरा छोटी पटनदेवी नया टोला का रहने वाला प्रदीप कुमार है। अभियुक्त तख्तश्री हरिमंदिर जी के मोड़ पर नशीले पदार्थ का धंधा कर रहा था। थानाध्यक्ष ने बताया कि गश्ती के दौरान तख्तश्री हरिमंदिर जीपटना साहिब के मुख्य द्वार के पास अपर थानाध्यक्ष रमेश कुमार, एसआई श्रवण कुमार व एएसआई विपुल कुमार सिंह तथा पुलिस बल को देखकर टेबल पर कड़ा, रुमाल आदि बेचने वाला दुकानदार काला रंग के पोलिथिन से एक छोटा डिब्बा निकाल कर दे रहा है। पुलिस ने जब उससे इस संबंध में पूछा, तब वह भागने का प्रयास करने लगा। इसके बाद जांच के दौरान मामला प्रकाश में आया। तलाशी के दौरान विशाल कुमार के पास से छह डिब्बा में 45.25 ग्राम अफीम और 375 ग्राम डोडा मिला। वहीं प्रदीप कुमार के पास से 600 ग्राम डोडा पाया गया। अभियुक्त विशाल ने बताया कि मां किरण देवी पंकज से अफीम व डोडा खरीद कर लाती है। रुमाल और लोहे व स्टील का कड़ा बेचने की आड़ में नशीले पदार्थ का धंधा करता है। पर्यटकों को 10 ग्राम अफीम का डिब्बा 1400 रुपया में और डोडा की पुड़िया 50 से सौ रुपया में बेचता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि गुरुद्वारा के आसपास अनेक दुकानदार नशीले पदार्थ का कारोबार करते हैं। करण कि पंजाब, दिल्ली, हरियाणा आदि राज्यों के शहरों से श्रद्धालुओं को लेकर आने वाला चालक और खलासी यहां अफीम और डोडा पाउडर उस ओर से कम दाम में मिलने के कारण यहां से खरीद कर ले जाते हैं। दूसरी ओर बिहार में शराबबंदी होने के कारण भी नशे के रूप में ऐसे ही नशीले पदार्थ का इस्तेमाल करते हैं। इस कारण से इसकी मांग भी नशापान करने वालों के बीच अधिक है।

हथियारबंद लूटेरों ने कूरियर कंपनी से 4.43 लाख लूटे

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आलमगंज थाना क्षेत्र के बिस्कोमान कॉलोनी में स्थित डेल्हीवेरी लिमिटेड के डिस्पैच सेंटर में रविवार की रात अपराधियों ने कर्मचारियों को बंधक बना चार लाख 43 हजार 662 रुपया लूट कर भाग निकले। आश्चर्य की बात यह है कि अपराधियों ने शाम 6.45 से लेकर रात 9.05 के बीच कूरियर कंपनी के तीन कार्यालय यानी दीघा थाना क्षेत्र के पोल्सन रोड, राजीव नगर से लेकर पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र के बिस्कोमान कॉलोनी तक में बेखौफ होकर कुल आठ लाख पांच हजार 662 लूट लेता है। अपराधी एक घटना को अंजाम देने के बाद दूसरा और तीसरे घटना को भी अंजाम देता हुआ आराम से फरार हो जाता है। सभी अपराधी बाइक पर सवार होकर हेलमेट पहन कर उतरा और दो-दो के जत्था में आगे वाले के इशारे पर दूसरा और तीसरे के इशारे पर चौथा प्रवेश किया। इस संबंध में राकेश कुमार, जो राजीव नगर थाना क्षेत्र के रोड नंबर 21 का रहने वाला है और यहां टीम लीडर के रूप में जनवरी, 23 से काम कर रहा है, उसने बताया कि रविवार की रात करीब नौ बजे वह और ग्राउंड कोऑर्डिनेटर प्रवीण कुमार डिस्पैच सेंटर में थे। उस दौरान डिलीवरी ब्वाय मनु कुमार भी कैश जमा कराने कुछ ही देर पहले यहां आया था। वह कैश का मिलान कर ही रहा था कि इसी दौरान चार की संख्या में हाथों में हथियार लिए हुए अपराधी कार्यालय में घुस आए। जब तक वह सब कुछ समझ पाते, चार की संख्या में रहे अपराधियों ने तीनों को हथियार के बल पर केबिन के अंदर घुसा दिया। उनमें से एक हथियार के बल पर तीनों को बंधक बना लिया। उसमें से एक ने उसका मोबाइल पटक कर तोड़ दिया। फिर सभी लोग ड्रावर से एवं गिनती के लिए टेबल पर रखे रुपए को ले लिया। एक व्यक्ति सीसीटीवी का डीवीआर निकाल कर प्लास्टिक के बोरे में रख लिया। इसके बाद सभी अपराधी रुपया और डीवीआर लेकर डिस्पैच सेंटर से भाग निकले। अपराधियों ने पूरी घटना को चार से पांच मिनट के अंदर अंजाम दिया है। इसके बाद वह ग्राउंड कोऑर्डिनेटर के मोबाइल से कंपनी के वरीय अधिकारियों को सूचित किया। उन सबों ने डायल 112 और आलमगंज थाना की पुलिस को सूचना दी।

चारों अपराधकर्मियों ने हेलमेट पहन रखा था। सभी सामान्य कद-काठी के थे और फूलपैंट और फूल शर्ट पहने हुए थे। उसमें एक लाल, दूसरा नीला, तीसरा उजला और चौथा थोड़ा भूरा रंग का फूल शर्ट पहना था। सभी स्थानीय भाषा में बातचीत कर रहा था। जब डिलीवरी ब्वाय मनु रुपया जमा करने आया था, तब उसका 41 हजार रुपया भी अपराधी ले गया। कर्मियों ने बताया कि भले अपराधी डीवीआर उठा कर ले गया हो, मगर कंपनी के नेटवर्क में कुछ फुटेज आया है। हालांकि कार्यालय के बाहर में लगे सीसीटीवी में चारों अपराधियों को बारी-बारी से कार्यालय में प्रवेश करने की तस्वीर दिख रही है। इस संबंध में कंपनी के सिक्योरिटी मैनेजर रवि कृष्ण ने बताया कि सबसे पहले अपराधियों ने दीघा घाट के पोल्शन रोड स्थित कार्यालय में शाम करीब 6.45 में घुसा और यहां से एक लाख 22 हजार रुपया लूट कर भाग निकला। इसके बाद एक्सप्रेस बिज, जो राजीव नगर में है, वहां भी शाम 7.,18 में प्रवेश कर करीब ढाई लाख रुपया लूट लिया। यहां से वह सीधे आलमगंज थाना क्षेत्र के बिस्कोमान कॉलोनी स्थित डेल्हीवेरी लिमिटेड रात नौ बजे पहुंचा और यहां चार लाख 43 हजार 662 रुपए लूट कर लिया। आलमगंज के थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि इस संबंध में कांड संख्या 588/23 दर्ज कर खुद मामले का अनुसंधान कर रहे हैं। हालांकि अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी के द्वारा एक टीम का गठन किया गया है, जो लगातार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। टीम के सदस्य रास्ते में रहे सीसीटीवी भी खंगाल कर फुटेज निकाली है, ताकि अपराधियों की शिनाख्त की जा सके।

आषाढ़ पूर्णिमा पर हुआ पूजा अर्चना, प्रवास से लौटे भगवान

सावन आज से, शिवालयों में जारी है तैयारी

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आषाढ़ मास के गुरु पूर्णिमा के मौके पर सोमवार को धार्मिक आयोजन किया गया। भगवान जगन्नाथ 13 दिनों से प्रवास के बाद अपने मूल स्थान पर वापस लौट आए हैं। पूर्णिमा को लेकर भक्तों ने गंगा नदी के विभिन्न घाटों पर डुबकी लगाई और भगवान सूर्य को जल अर्पण किया। इसके बाद गंगा किनारे अवस्थित मंदिरों में भी पूजा अर्चना करने के बाद घर लौटे अधिकांश श्रद्धालु विभिन्न मंदिर मठ व अन्य उपासना स्थल पर गए वहां देवी देवताओं का पूजा अर्चना किया। इसके अलावा लोगों ने अपने-अपने गुरु की भी पूजा कर उनका आशीष प्राप्त किया। घर से लेकर मंदिरों में श्री सत्यनारायण स्वामी की पूजा कर कथा श्रवण किया गया। बेगमपुर स्थित दादाबाड़ी जैन मंदिर में भी पूजा-अर्चना हुआ। दूसरी ओर भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा जगन्नाथ मंदिर में मूल स्थान पर वापस लौट आया। पूजा अर्चना के बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा को रथयात्रा से वापस लाया गया। मच्छरहट्टा स्थित गोपीनाथ गली स्थित जगन्नाथ मंदिर में पुजारी आचार्य पंडित रामानंद पांडेय की देखरेख में पूजा-अर्चना व धार्मिक अनुष्ठान हुआ। दीवान मुहल्ला, नौजर घाट स्थित श्री जगन्नाथ मन्दिर प्रांगण में भगवान श्री जगन्नाथ की वापसी रथयात्रा पर पूजन एवं भंडारा का आयोजन किया गया।

हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर विधायक नंदकिशोर यादव, अरुण कुमार सिन्हा, नितिन नवीन, महापौर सीता साहू, उपमहापौर रेशमी चंद्रवंशी, अनुमंडल पदाधिकारी, नवीन कुमार सिन्हा, गणेश कुमार सिन्हा, अमरनाथ, अनूप सिन्हा, अरुण कुमार, सन्नी सिन्हा, शंकर पांडेय, शशि रंजन प्रसाद वर्मा, मनोज कुमार माथुर, राम सुभाष रजक, पूर्व विधान पार्षद रणवीरर नंदन, तुषार कांति, श्रीबड़ी पटनदेवी के महंत विजय शंकर गिरी आदि उपस्थित थे। इसके पूर्व मंदिर में पुजारी आचार्य विष्णुकांत झा की देखरेख में धार्मिक अनुष्ठान हुआ। महाराज कुंवर रूप नारायण सिंह ट्रस्ट की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उपाध्यक्ष कमल नयन श्रीवास्तव और सचिव संजय कुमार सिन्हा ने आगतों का स्वागत किया। लोदीकटरा के नित्यानंद कुआं स्थित साईं मंदिर में भक्तों की ओर से साईं बाबा की पालकी शोभायात्रा निकाली गई।

पुजारी पंडित अजय कुमार की ओर से बाबा का अभिषेक किया गया। आयोजन में साईं परिवार के अध्यक्ष मदन कुमार, ओंकार आनंद, विकास जायसवाल, राहुल कुमार सिन्हा, सुमन कुमार सिन्हा, जितेंद्र जायसवाल, अमित, अजीत, संतोष गुप्ता, गोपाल यादव, दिनेश सिन्हा, रिंकी सोनी, पुतुल सिंह, रेणु सोनी, विभा कुमारी, गुड़िया कुमारी, सरिता देवी, सुनीता शर्मा, प्रेमलता, अंजू देवी, मनीषा देवी, विभा देवी, शोभा देवी, प्रतिमा देवी, रीना देवी, कामिनी देवी, अनिता देवी, कामता शर्मा, सुजाता रानी, छाया जायसवाल, प्रियंका सिंह, अंजली देवी, पूनम सिंह, गुड़िया जायसवाल , रजनी सिंह, सरोज देवी, नेहा रानी, चंदा देवी, गीता देवी आदि शामिल थे।

इधर मंगलवार से शुरू हो रहे शिव उपासना का माह सावन को लेकर शिव मंदिरों में तैयारी की जा रही है। भक्तों को शिवालयों में जलाभिषेक व श्रावणी मेला को लेकर तैयारी हो रही है। गायघाट स्थित प्राचीन श्री गौरी शंकर मंदिर न्यास समिति के सचिव विश्वनाथ चौधरी ने बताया कि इस बार श्रावण माह में मंदिर में पूजा अर्चना और लगने वाले मेले की तैयारी और व्यवस्था को लेकर ट्रस्ट के अध्यक्ष सह एसडीओ गुंजन सिंह के द्वारा मंगलवार को उनके कार्यालय कक्ष में बैठक आहूत की गई है। इसमें श्रावण के दो माह के सोमवारी और लगने वाले मेला से लेकर अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा।

वीर नारी गौरव यात्रा के उपरांत सप्त मूर्ति स्मारक के पास सभापति ने की पुष्पांजलि अर्पित

पटना। भारत-पाक युद्ध के 52 साल बाद हम तुम्हें ना भूलें हैं के भाव से सम्पूर्ण बिहार पदयात्रा के माध्यम से याद कर रहा है इस युद्ध में शहीद हुए वीर सेनानियों को और सम्मान दे रहा है उन शहीदों के परिवारों की नारियों को । गुलमोहर मैत्री- एक स्वयंसेवी संगठन हैं जो विगत एक दशक से ब्रेस्ट कैंसर, सर्विकल कैंसर और महिला स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण के लिए समर्पित संस्था है द्वारा आयोजित वीर नारी गौरव यात्रा में भारी संख्या में युवा एवं विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित लोगों ने भाग लिया। शहीदों का सम्मान मात्र उनके प्रति कृतज्ञता एवं सम्मान प्रदर्शित करने का मौका भर नहीं होता, यह अवसर होता है नई पीढ़ी को अपने ऐतिहासिक विरासत से रु-बझरु कराने का, उन्हें इसका अंग बनाने का और विरासत को सौंपने का, ताकि राष्ट्रभक्ति की लौ अनवरत जलती रहे ह्व उपरोक्त कथन इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं बिहार विधान परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर ने कहा। गुलमोहर मैत्री के अध्यक्ष एवं सुप्रसिद्ध चिकित्सक सहजानंद प्रसाद सिंह ने वीर सपूतों के बलिदान को कभी ना भूलेगा हिंदुस्तान की भावना पर जोर दिया । उन्होंने कहा कि 5 अगस्त को माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बिहार झारखंड की वीर नारियों को पटना में सम्मानित करेंगे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री जिवेश मिश्रा , पदम विमल जैन, डॉ सत्यजीत सिंह, कमल नोपानी ब्रिगेडियर मृगेंद्र, सन्तोबा अध्यक्ष अमृतेश , विकाश दमानिया ने अपनी सहभागिता दी।

एम्स पटना में गुरु पूर्णिमा को लेकर एमबीबीएस के छात्रों ने डॉ मुक्त अग्रवाल से लिया आशीर्वाद

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। गुरुर्विष्णु गुरुदेवी महेश्वरः गुरुर्साक्षात परब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः... यह मंत्र बचपन में हम सभी सुनते और पढ़ते आए हैं। हिंदू धर्म के पुराणों में गुरु को भगवान से ऊंचा स्थान का वर्णन मिलता है। क्योंकि वो गुरु ही है जो भगवान और ब्रह्मांड का ज्ञान देता है। वही पटना एम्स में सोमवार को गुरु पूर्णिमा में छात्र और गुरु का अदभुत दृश्य देखने को मिला। एमबीबीएस के कुछ छात्रों ने पुष्प गुच्छ के साथ अपने गुरुओं डॉक्टर मुक्ता अग्रवाल और डॉक्टर रीना श्रीवास्तव से आशीर्वाद प्राप्त किया। तो गुरुओं ने भी छात्रों को संस्कारित एवं सभ्य समाज के निर्माण के साथ समाज की सेवा में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। एमबीबीएस 2020 के छात्र आदित्य राज, एमबीबीएस 2021 रिशब कुमार, रत्न संजय, राहुल आनंद ने अपने गुरु मुक्त अग्रवाल के बारे में चर्चा करते हुए बताया की डॉक्टर मुक्ता मेम अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पटना में अतिरिक्त प्रोफेसर के पद पर न्यूक्त है।

एनएमओ के द्वारा आयोजित स्वास्थ शिविर के माध्यम से जरूरतमंदों को सेवा करने के लिए हमेशा तत्पर रहती है और मरीजों की सेवा को ही अपना पहला धर्म मानती हैं। मेम में एक खास बात है की जटिल से जटिल समय में भी विचलित नहीं होती है। बल्कि स्थिर और शांत होकर हर काम को बारीकी और ध्यान में रखते हुए काम को अंजाम देती है। शायद यही कारण है की एम्स संस्थान में सभी के लिए खास है। और हम सभी भी बहुत भाग्यसाली है जो इनका शनिध्य मिला।

शिव कॉलोनी के मुख्य सड़क के अधूरे कार्य को पूरा कराने का विधायक से अनुरोध

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी। सती सावित्री सत्यवान मंडल के भाजपा कार्यकताओं का शिष्टमंडल श्रेत्रीय विधायक सह पूर्व मंत्री नंदकिशोर यादव के सरकारी आवास पर मिला। इस दौरान उनसे श्री गुरु गोविंद सिंह लिंक पथ से सटे शिव कॉलोनी के मुख्य सड़क के पक्कीकरण के अधूरे कार्य को पूरा करने का अनुरोध किया। कार्यकताओं ने बताया कि सड़क के बीचो-बीच पक्कीकरण हुआ है, लेकिन आगे एवं पीधे का भाग बाकी रह गया है। इस कारण बरसात में वहां जलजमाव होने से स्थिति जस की तस बनी हुई है। विधायक श्री यादव ने शिष्टमंडल की बातों को सुन कर आश्वास्त किया कि अधूरे कार्य को शीध्र पूरा करा दिया जाएगा। शिष्टमंडल में भाजपा नेता तथा पूर्व पार्षद अवधेश कुमार सिन्हा, राकेश कुमार शर्मा, प्रेम चौधरी और अवकाशप्राप्त शिक्षक महेन्द्र प्रसाद ठाकुर शामिल थे। इन लोगों ने बातचीत के दौरान विधायक को बताया कि लिंक पथ से सटे वार्ड 61 के चार कॉलोनियों का निर्माण क्रमशः शिव कॉलोनी, राम कॉलोनी, विंध्यवासिनी कॉलोनी तथा नारायण कॉलोनी। जनसंपर्क अभियान के दौरान पता चला कि सैंकडो. लोग, जो नया मकान बना कर यहां वास कर रहे हैं। उनका नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़ा गया है। इन लोगों ने कहा कि नौ जुलाई से नौ अगस्त तक मतदाता जोड़ो अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत इन कॉलोनियों में रहने वाले मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए शिविर लगाया जाएगा। विधायक ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त की।

मणिपुर हिंसा के विरोध में एआइपीएफ और इंसाफ मंच का प्रतिवाद सभा

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। भाजपा शासित मणिपुर में विगत 2 महीने से जारी साम्प्रदायिक हिंसा के खिलाफ वहां के मुख्यमंत्री की तत्काल बर्खास्तगी और शांति की बहाली की मांग के साथ आज पटना के बुद्ध स्मृति पार्क में एआइपीएफ और इन्साफ मंच की ओर से प्रतिवाद सभा का आयोजन किया गया। प्रतिवाद सभा को मुख्यतः फुलवारीशरीफ विधायक और इन्साफ मंच के राज्य अध्यक्ष गोपाल रविदास, पटना नगर के अध्यक्ष गालिब, सचिव रामलखन चौधरी, एआइपीएफ के कमलेश शर्मा, आइसा नेता विकास यादव, सामाजिक कार्यकर्ता सरफराज, किसान सभा के नेता उमेश सिंह, ऐपवा की राज्य सचिव अनिता सिन्हा, एडवोकेट जावेद अहमद, भाकपा-माले नेता राजाराम आदि ने संबोधित किया। माले के वरिष्ठ नेता राजाराम ने कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री को अपने पद पर बने रहने का कोई भी नैतिक अधिकार नहीं है। हम केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि वह मणिपुर में तत्काल शांति की बहाली करे। एडवोकेट जावेद अहमद ने कहा कि आजादी के बाद जो पटरी बिछाई गई थी, भाजपा ने उस पटरी से देश को उतार दिया है। यह पटरी कुछ और नहीं बल्कि हमारा संविधान ही है। अन्य वक्ताओं ने कहा कि भाजपा दावा करती है कि वह उत्तर-पूर्व अंचल के विकास के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन वह असम से लेकर मणिपुर तक सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और तिकड़मबाजी में ही डूबी रही है। भाजपा का हिंदुत्व बहुसंख्यकवाद का एजेंडा पूर्वोत्तर भारत के नाजुक सामाजिक ताने बाने के विपरीत असर डाल रहा है। मणिपुर की वर्तमान परिस्थिति हमें पूर्वोत्तर भारत में भाजपा के हमलावर एजेंडा के प्रति आगाह कर रहा है।

इस्सयोग-भवन में आयोजित हुआ गुरुपूर्णिमा महोत्सव

पटना। अंतर्राष्ट्रीय इस्सयोग समाज के तत्त्वावधान में गोलारोड स्थित उत्सव भवन में गुरु-पूर्णिमा महोत्सव पूरी श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया गया। प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आए हजारों की संख्या में आए इस्सयोगी साधक-साधिकाओं ने भजन-संकीर्तन और आंतरिक साधना से संपूर्ण वातावरण को पावन करते हुए गुरु-चरणों में श्रद्धार्पण किया। संस्था की अध्यक्ष और ब्रह्मनिष्ठ सदगुरु-माता मां विजया जी की सूक्ष्म उपस्थिति में आहूत इस महोत्सव का उद्घाटन गुरुमाँ के दौहित्र श्री शिवम् झा ने दीप-प्रज्वलित कर किया। संस्था के संयुक्त सचिव ई उमेश कुमार ने सदगुरुदेव महात्मा सुशील एवं श्रीमाँ की मूर्तियों पर माल्यार्पण किया। दीप प्रज्वलन के पश्चात आधे घंटे की सामूहिक आह्वान-साधना की गई। उद्गार व्यक्त करने वालों में संस्था के संयुक्त सचिव डा अनिल सुलभ, लक्ष्मी प्रसाद साहू, शैल कुमारी, धर्मेंद्र प्रसाद, रेणु देवी, नीतू कुमारी तथा अनीता देवी के नाम सम्मिलित हैं। महोत्सव में संस्था के संयुक्त सचिव अनंत कुमार साहू, काव्या सिंह, कपिलेश्वर मण्डल, गायत्री कृष्ण मोहन राय, किरण प्रसाद, भ

बलिया में आयोजित जदयू जिलास्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में बोलें ग्रामीण विकास मंत्री

बिहार मॉडल लागू करने से ही देश की समस्या का समाधान संभव : श्रवण

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जनता दल यूनाईटेड के उत्तर प्रदेश प्रभारी सह ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि जो काम पहले बिहार सरकार प्रारंभ करती है उसका अनुकरण केन्द्र सरकार तथा अन्य राज्यों की सरकार भी करती है। उन्होंने कहा कि बिहार देश का पहला राज्य है जहां घर-घर पीने का पानी पहुंचाया गया । साथ ही सात निश्चहय योजना के तहत हर गली-नली का निर्माण कराया गया एवं घर-घर शौचालय का निर्माण कराया गया है। बिहार की इसी योजना का नकल करते हुए केन्द्र सरकार द्वारा सप्तऋषि योजना को प्रारंभ करने की घोषणा की गयी है। बिजली के क्षेत्र में भी बिहार में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। बिहार देश का पहला राज्य बन गया है जहां गांव-गांव और घर-घर बिजली की सुविधा उपलब्ध हो गई है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि देश में बिहार मॉडल लागू करने से ही देश की समस्या का समाधान संभव है। मंत्री सोमवार को उत्तर प्रदेश के बलिया जिला में जनता दल यूनाईटेड के जिलास्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उक्त बातें कही। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दृढ़ इच्छा शक्ति से वहाँ पूर्ण शराबबंदी लागू की गयी है, जिससे समाज को जबरदस्त फायदा हुआ है। समाजिक स्तर पर महिलाओं के सम्मान में वृद्धि हुई है। महिला हिंसा में 12 प्रतिशत की कमी आई है। आत्मनिर्भर होकर महिला सशक्तिकरण का संदेश फैला रही है। सड़क दुर्घटना में 55 प्रतिशत तक की कमी हो गयी है। मुख्यमंत्री बालिका व बालक साईकिल योजना के तहत नवम वर्ग के सभी छात्र-छात्राओं को साईकिल की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है । मुख्यमंत्री कन्या प्रोत्साहन योजना के तहत मैट्रिक की परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाली बच्चियों को 10 हजार रुपए, इंटर की परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीण होने वाली अविवाहित बच्चियों को 25 हजार रुपए तथा स्नातक में उत्तीर्ण होने वाली लड़कियों को 50 हजार रूपया का प्रोत्साहन दिया जाता है ।

राज्य में अब चौथा कृषि रोड मैप लागू होने वाला है ।किसानों को फसल क्षति योजना, फसल बीमा योजना, डीजल अनुदान योजना, उत्तम बीज योजना एवं कृषि यंत्रों के क्रय हेतु अनुदान योजना से आच्छादित किया गया है जिसका लाभ राज्य के किसान पा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जनता के दुख, दर्द, परेशानी को देखना तथा उसे दूर करना सरकार का काम है लेकिन यहाँ उत्तर प्रदेश की जनता कई प्रकार की परेशानियों से जुझ रही है । प्रदेश की जनता इसे गंभीरता से देख रही है जिसका खामियाजा वर्तमान सरकार को भुगतना पड़ेगा ।

भाजपा के लिए राजनीतिक नैतिकता जैसे शब्द हास्यास्पद : अखिलेश

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डा अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि भाजपा के लिए राजनीतिक मूल्य, नैतिकता और मयार्दा जैसे शब्द हास्यास्पद बनते जा रहे हैं। महाराष्ट्र में जो भी हुआ वह पहला नहीं ब्लिक इसका सबसे ताजा उदाहरण है। मोदी के भाजपा का यही असली चरित्र है। दरअसल, मोदी के शासनकाल में भाजपा कचरा संग्रह वैन के रूप में काम कर रही है। सभी विपक्षी दलों दलों से कचरा उठाकर भाजपा में डम्प कर रहे हैं। इसके लिए भाजपा में पूरी प्रक्रिया का पालन किया जाता है। पहले कमजोर कड़ी की तलाश, फिर चिन्हित कर इडी, इनकम टैक्स और सीबीआई के संयुक्त प्रयास से कचरा में तब्दील करने का काम, फिर उसे इकट्ठा कर भाजपा में डम्प करने का सिलसिला। यह काम मोदी जी के शासन में आने के बाद से ही शुरू हो गया। डा सिंह ने कहा कि यह सोचकर दुख होता है कि भाजपा वही पार्टी है जिसकी स्थापना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने की थी। वाजपेयी जी ने संसद में विश्वास मत पर दिये गये अपने अभिभाषण में कहा था कि केवल सत्ता के लिए अगर जोड़-तोड़. करना पड़े तो ऐसी सत्ता को हाथ से छूना तो दूर मैं चिम्टा से भी न पकड़ू, लेकिन उन्हीं के शिष्य होने का दावा करने वाले नरेन्द्र मोदी सत्ता को सीने से लगाये रखने के लिए यह सब कुछ करने को तैयार हैं।

जदयू के एमपी, एमएलए को सता रहा हार का डर : सम्राट

पटना। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने एक बार फिर राज्य सरकार पर हमला बोला है। सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित सहयोग कार्यक्रम में लोगों की समस्याओं को सुनने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि हमलोग चाहते है और भगवान से दुआ भी करते हैं कि नीतीश कुमार 2024 के चुनाव में चलें और हमलोग उन्हें हराएं। यह ज्यादा सही है। पत्रकारों द्वारा बिहार में अन्य दलों के विधायकों के भाजपा में आने के संबंध में पूछे जाने पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता चौधरी ने कहा कि अगर कोई विधायक हमारे साथ आना चाहेंगे या ऐसा कोई प्रस्ताव आएगा, तो बात करेंगे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में एनसीपी की विधायकों की एक टीम आई, यहां भी कोई आएगा तो स्वागत करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि बिहार की जनता नीतीश कुमार के खिलाफ है। जनता प्रदेश में बदलाव के मूड में है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से शिक्षक अभ्यर्थियों पर, युवाओं पर लाठियां चल रही है। ऐसे में उनके विधायकों को भी यह डर सता रहा है कि अगली बार जीत कर कैसे आएंगे।

राजनीतिक महत्वकांक्षा के कारण प्रदेश भाजपा में मनमुटाव : उमेश

पटना। बिहार जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने भाजपा नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि हमारी पार्टी की एकजुटता पर सवाल खड़े करने से पहले भाजपा को अपने दल के नेताओं के बीच फैले मनमुटाव और अंतर्विरोध को खत्म करने को लेकर आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है। बिहार भाजपा के सभी नेता अपनी-अपनी महत्वाकांक्षा और व्यक्तिगत अभिलाषा के शिकार हो चुके हैं, यही कारण है कि आज बिहार भाजपा में भारी अंतर्कलह मचा हुआ है। नित्यानंद राय, गिरिराज सिंह, राजीव प्रताप रूडी, संजय जयसवाल, रामकृपाल यादव, रविशंकर प्रसाद सहित कई नेताओं के बीच अंदर ही अंदर कशमकश है। अगर यही स्थिति रही तो अगले चंद वर्षों में बिहार के अंदर भाजपा का अस्तित्व नहीं बचेगा। श्री कुशवाहा ने यह भी कहा कि भाजपा के सांसद राजीव प्रताप रूडी ने तो कई मर्तबा खुले मंच से भाजपा के प्रति नाराजगी जाहिर की है, और प्रदेश संगठन द्वारा नजरअंदाज किए जाने का भी आरोप लगाया है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा की आने वाले समय में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता पार्टी से खुद को अलग कर लेंगे, पार्टी में खींचतान की बड़ी वजह यह है की वर्तमान समय में जिस व्यक्ति के हाथ में बिहार भाजपा का कमान सौंपा गया है वह व्यक्ति अहंकार, घृणा, महत्वाकांक्षा, व्यक्तिगत हित और बदजुबानी का शिकार है, लिहाजा नेताओं के साथ-साथ भाजपा के आम कार्यकताओं में भी संगठन के प्रति नाराजगी है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा की 2024 लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के कई सांसद पार्टी छोड़ने वाले हैं, इन्हें इस बात का आभास हो चुका है कि 2024 लोकसभा चुनाव में वापसी नामुमकिन है। भाजपा के तमाम सांसद व केंद्रीय मंत्रियों हैं को हार का डर सता रहा है। ये लोग भाजपा से रिश्ता तोड़ने का सही और अवसर और मौके की तलाश में हैं। आगे उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता अपनी चिंता करें, अपने दल की चिंता करें और अपने राजनीतिक भविष्य की चिंता करें। जदयू की चिंता करना छोड़ दें क्योंकि जदयू प्रखंड स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक एकजुट और मजबूत है।

जदयू अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्षों की सूची जारी

- भागवत लाल वैश्यन्नी बने अनुशासन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा व जदयू अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ धर्मेन्द्र चंद्रवंशी ने 38 संगठन जिलों में अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के अध्यक्षों की घोषणा की। नव-मनोनीत जिलाध्यक्षों की सूची जारी करते हुये डॉ धर्मेन्द्र ने कहा कि इस सूची में अतिपिछड़ा वर्ग के लोगों को प्रतिनिधित्व दी गयी है। साथ ही सभी नव-मनोनीत जिलाध्यक्षों को 15 दिनों के अंदर जिला कार्यकारिणी एवं प्रखंडों में अध्यक्ष मनोनीत करने का निर्देश दिया गया है साथ ही नव-नियुक्त सभी जिलाध्यक्षों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। जिलाध्यक्षों की सूची :-जिलाध्यक्षों की सूचीः बगहा चन्द्रशेखर कुमार, पश्चिमी चम्पारण विजय कुमार गुप्ता, पूर्वी चम्पारण डॉ मंतोष सहनी, शिवहर भोला सहनी, सीतामढ़ी बिकाउ महतो, दरभंगा भोला नाथ महतो, सुपौल किशन मंडल, अररिया उमेश चंद्र राय, किशनगंज कर्णलाल गणेश,पूर्णियाँ अमर मंडल, पूर्णियाँ नगर अशोक कुमार, कटिहार अजीत कुमार, मधेपुरा विनोद मंडल, सहरसा देवेन्द्र कुमार देव, मुजफ्फरपुर देवेन्द्र सहनी, मुजफ्फरपुर नगर शिव शंकर साह, गोपालगंज अमरेन्द्र कुमार बारी, सीवान बाल्मीकी गुप्ता, सारण चन्द्रभूषण पंडित, वैशाली अजय भूषण दिवाकर, बेगूसराय सीताराम ठाकुर, खगड़िया प्रवीण चैरसिया, नवगछिया अखिलेष सिंह, बॉका दिवाकर पंडित, लखीसराय शिवशंकर राम, शेखपुरा सुनील कुमार सुमन, नवादा मंजू कुमारी, नालन्दा अजय चन्द्रवंशी, बिहारशरीफ नगर जनार्द्धन पंडित, भोजपुर भोला शंकर पाल, आरा नगर अजय कुमार, अरवल जय किशोर प्रसाद, जहानाबाद राजीव रंजन कुमार (बब्लू चंद्रवंशी), गया विनोद कुमार, मुंगेर मिथलेश मंडल, समस्तीपुर अशर्फी

विप सभापति के जन्म दिन पर उपसभापति सहित अन्य ने दी बधाई

पटना। बिहार विधान परिषद् के उप सभापति प्रो डा राम चन्द्र पूर्वे ने सभापति बिहार विधान परिषद् देवेश चन्द्र ठाकुर के जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में श्री ठाकुर के दीघार्यु होने एवं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की है। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद् के कई सदस्य, कार्यकारी सचिव विनोद कुमार, निदेशक कमलेन्दु कुमार सिंह, परिषद् के अधिकारियों एवं कर्मचारीयों ने भी सभापति का जन्मदिन मनाया एवं उन्हें शुभकामनाएं दीं।

शरद पवार शेर हैं, उन्हें डराने की कोशिश मुमकिन नहीं : राणा

पटना। बिहार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राणा रणवीर सिंह के नेतृत्व में सोमवार को एनसीपी के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय के सामने एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार एवं पार्टी के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ताई के समर्थन में जमकर नारेबाजी करते हुए उनके प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। बिहार एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि शरद पवार शेर हैं, शेर को डराने की कोशिश करने वालों को उनकी औकात पता चल जाएगी। श्री राणा ने आगे कहा कि दूसरे किसी दल में सांसद विधायक भ्रष्टाचारी हैं लेकिन वही सांसद एवं विधायक भाजपा में चला जाता है तो पाक साफ हो जाता है यानी यू कह सकते हैं कि भाजपा ऐसी वाशिंग मशीन है जिसमें दागी डाले जाते हैं और साफ सुथरे होकर निकलते हैं। श्री राणा ने अजित पवार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वो भाजपा के सहयोग से कई बार ऐसी कोशिश कर चुके हैं लेकिन हर बार अजित पवार को मुंह की खानी पड़ी है। आगामी लोकसभा चुनाव एवं महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जनता अजित पवार को सबक सिखाने के लिए तैयार है। इस मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष वरुण कुमार,अरविन्द कुमार सिंह अधिवक्ता,धुपेन्द्र सिंह,विश्वजीत कुमार अधिवक्ता,सुभाष चंद्रा,संजय सिंह अधिवक्ता, गुंजन कुमार,मनीष मौर्या आदि मौजूद रहें।

तेजस्वी के खिलाफ चार्जशीट, बौखलाहट में उठाया गया कदम : गगन

पटना। राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने लैण्ड फौर जॉब मामले में उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के खिलाफ दायर किए गए चार्जशीट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने कहा है कि खिसकते जनाधार और विपक्षी एकता को मिल रहे समर्थन से भाजपा बौखला गई है। और इसी बौखलाहट में विपक्ष को परेशान करने के लिए सीबीआई, ईडी, आईटी जैसी केन्द्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर घटिया राजनीति कर रही है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि सीबीआई के इस कदम से किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। क्यूंकि जिस दिन बिहार में महागठबंधन की सरकार बनी उसी दिन से तेजस्वी जी भाजपा के आंख की किरकिरी बने हुए हैं। 23 जून को पटना में हुए गैर भाजपा दलों की बैठक के बाद भाजपा की बौखलाहट और भी ज्यादा बढ़ गई है। भ्रष्टाचार पर भाजपा के असली चरित्र को देश की जनता देख रही है। तीन दिन पहले जिस अजित पवार पर सत्तर हजार करोड़ का घोटाला करने का आरोप लगाया गया था उन्हें एक दिन पहले उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई जाती है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा जिस रफ्तार से ईडी, सीबीआई और आईटी जैसी केन्द्रीय एजेंसियों के माध्यम से विपक्ष को दबाने का प्रयास कर रही है उसके दोगुनी रफ्तार से विपक्ष के समर्थन में जनता की गोलबंदी होती जा रही है। भाजपा के इन नापाक हरकतों से राजद के साथ हीं देश, संविधान और लोकतंत्र के समर्थन में खड़ी शक्तियां डरने वाली नहीं है। देश की जनता सबकुछ देख रही है और समय आने पर इसका माकूल जवाब देगी।

बिहार में महाराष्ट्र जैसी स्थिति की संभावना : चिराग

पटना। लोजपारा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद चिराग पासवान ने कहा है कि 2024 में जनता दल (यूनाइटेड) का वजूद समाप्त हो जायेगा। यही वजह है कि मुख्यमंत्री अपने सांसदों और विधायकों की बैठक कर रहे हैं और जनसंपर्क करने की सलाह दे रहे है। यह सब कदम अपने अस्तिव को बचाने के लिए उठा रहें है। श्रीकृष्णापुरी में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आज जदयू टूट के कगार पर है। जदयू के अनेकों सांसद एवं विधायक हमारे संपर्क में है । श्री चिराग ने बताया कि बिहार में महाराष्ट्र जैसी स्थिति की संभावना बन रही है। आगे श्री चिराग ने कहा कि जन समस्याओं को लेकर जनता पर लगातार उनकी समस्या सुलझाने के बजाय लाठी बरसाया जा रहा है। आपातकाल से भी बदतर स्थिति है बिहार की। भष्ट्राचार की गंगोत्री में पूरी सरकार डुबी है। पूरा बिहार के युवा बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और भुखमरी के शिकार हो रहें है,बेरोजगार युवा मजबूरन दूसरे राज्यों में पलायन कर रहें है। उक्त आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन पासवान ने दी।

देश को दलदल बनाने पर तुली हुई है भाजपा : राजीव

पटना। भाजपा पर बरसते हुए जदयू के राष्ट्रीय महासचिव व प्रवक्ता राजीव रंजन ने सोमवार को ट्विटर के जरिये उनपर करारा हमला किया। ट्वीटस की लंबी श्रृंखला में उन्होंने लिखा कि देश के किसी भी हिस्से में सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की घटना होती है तो उसके तार भाजपा या उसके समर्थक दलों से जरुर जुड़ जाते हैं। भावनात्मक मुद्दों को उभार कर इन्होने हर राज्य में एक धर्म को दूसरे धर्म से लड़वाने का प्रयास किया है। इससे कई राज्यों में इन्हें सत्ता तो जरुर मिल गयी है लेकिन इससे देश के सामाजिक ताने बाने को गहरा नुकसान हुआ है। दरअसल कमल सिर्फ कीचड़ में ही खिलता है, इसीलिए भाजपा अपने विस्तार के लिए आज पूरे देश को दलदल बनाने पर तुली हुई है। अगले ट्वीट में उन्होंने लिखा कि दरअसल किसी भी राज्य का माहौल बिगाड़ कर वोटों की खेती करने में भाजपा को विशेषज्ञता हासिल है। गुजरात, मध्यप्रदेश और यूपी जैसे सभी राज्यों को देखें तो इन्होने सामाजिक सद्भावना को बिगाड़ कर ही सत्ता हासिल करने में सफलता प्राप्त की है। धर्म के नाम पर लोगों को लड़वा कर अपना उल्लू सीधा करने में इनका कोई मुकाबला नहीं है। आने वाले समय में देश की सत्ता हाथ से फिसलते देख कर यह यूसीसी के नाम पर उसी दांव को आजमाने का प्रयास कर रहें हैं। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने लिखा कि भाजपा जानती है कि आज जनता मंहगाई, घटी आमदनी और बेरोजगारी से सबसे अधिक परेशान है। उन्हें यह भी पता है कि समान नागरिक संहिता से किसी का पेट नहीं भरने वाला। फिर भी सिर्फ जनता को बांटने के लिए इन्होने समान नागरिक संहिता का राग अलापना शुरू कर दिया है। यह चाहते हैं कि पूरे देश में वैमनस्य का दलदल फैले और इन्हें वोटरूपी कमल खिलाने में आसानी हो। जदयू के राष्ट्रीय महासचिव ने लिखा कि इन्हीं विषयों को लेकर जनता की नाराजगी देखते हुए इन्हें अब 2024 चुनाव की चिंता सताने लगी है। उन्हें पता चल चुका है कि आगामी लोकसभा चुनाव में उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ेगा। इसीलिए धर्म के नाम पर लोगों को लडवा कर वोटों की फसल काटने का प्रयास कर रहे हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि आगे भी वह देश की गंगा-जमुनी तहजीब को बिगाड़ने की हर संभव चेष्टा करेंगे। भाजपा को सोचना चाहिए कि लोगों को आपस में लडवा कर वह कैसा राष्ट्रवाद स्थापित कर रहे हैं?

यूसीसी के सवाल पर माले नेताओं से मिले इमारत-ए-शरिया के पदाधिकारी

पटना। यूनिफॉर्म सिविल कोड पर देश में जारी विरोध के मद्देनजर इमारत-ए-शरिया के पदाधिकारियों ने भाकपा-माले नेताओं से मुलाकात की और बिहार में भी इसका विरोध करने की अपील की। इमारत-ए-शरिया के पदाधिकारियों में संगठन के अध्यक्ष मो. शमशाद रहमानी, कार्यकारी सचिव जनाब शिबली कासिमी और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुहैल अहमद नदवी शामिल थे. वहीं, भाकपा-माले के राज्य सचिव कुणाल, पोलित ब्यूरो के सदस्य अमर और फुलवारी विधायक गोपाल रविदास वार्ता में शामिल हुए। माले नेताओं ने वार्ता के दौरान कहा कि भारत विविध संस्कृतियों और रीति-रिवाजों का देश है, इसलिए समान नागरिक संहिता के नाम पर एकरूपता थोपने का प्रयास उलटा ही नतीजा दे सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा इसके जरिए समाज को विभाजित करना चाहती है और चुनावी गुणा-गणित का हिसाब कर रही है। भाकपा-माले का स्पष्ट मानना है कि सामाजिक और कानूनी सुधारों को चुनावी हथकंडे से अलग रखना चाहिए। उन्होंने इमार त-ए-शरिया के पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि भाकपा-माले यूसीसी के खिलाफ पूरी तरह से खड़ी है और इसे महागठबंधन के दलों के बीच भी ले जाएगी। इमारत-ए-शरिया के पदाधिकारियों ने माले नेताओं को बताया कि वे लेग यूसीसी के खिलाफ ऑनलाइन कंपेन चला रही हैं। उन्होंने माले नेताओं से इस अभियान को नई गति देने की अपील की।

मलमास मेला नालंदा के गौरवों में से एक : राजीव

पटना। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जदयू के राष्ट्रीय महासचिव व प्रवक्ता राजीव रंजन ने राजगीर के जलमंदिर व अन्य विभिन्न स्थानों पर आयोजित पूजन समारोहों में शामिल हो बिहार और बिहारवासियों के भले की कामना की। इसके अतिरिक्त उन्होंने राजगीर में आयोजित हो रहे विश्व प्रसिद्ध मलमास मेला व श्रवणी मेले का निरिक्षण कर वहां किये गये इंतजामों का जायजा भी लिया। इस मौके पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष जयराम सिंह, मेला प्रभारी संजय सिंह, प्रदीप कुमार, वार्ड पार्षद डॉ अनिल समेत दर्जनों जदयू कार्यकताओं की मौजूदगी रही। मौके पर जदयू प्रवक्ता ने कहा कि पूरी दुनिया में ख्याति पा चुका मलमास मेला नालंदा के गौरवों में से एक है। ऐसी मान्यता है कि मलमास के दौरान राजगीर बैकुंठ बन जाता है। कहते हैं कि सनातन धर्म के सभी 33 कोटि के देवता इस दौरान यहां निवास करते हैं। तैयारियों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि स्टेट गेस्ट हाउस में श्रद्धालुओं के लिए टेंट सिटी का निर्माण कराया जा रहा है।

विप सभापति ने एमएलसी के माता के निधन पर जताया शोक

पटना। बिहार विधान परिषद् के सभापति देवेश चन्द्र ठाकुर ने जदयू के प्रवक्ता संजय सिंह सह सदस्य बिहार विधान परिषद् के माताजी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है एवं उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उक्त जानकारी बिहार विधान परिषद के जनसंपर्क अधिकारी अजीत रंजन ने दी।

राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की बैठक, कई मसलों पर चर्चा

पटना। राष्ट्रीय जनता दल अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के एक कोर कमिटी की बैठक प्रदेश कार्यालय में हुई। पार्टी के स्थापना दिवस की तैयारी एवं सफलता को लेकर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व विधायक डॉ अनवर आलम ने की। बैठक में निम्नलिखित एजेंडो पर विस्तार से चर्चा की गई। सोशल मीडिया, प्रचार-प्रसार, बैनर, फलैक्स। ज्यादा से ज्यादा अल्पसंख्यक की मौजूदगी के लिए सभी जिलाध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी को सूचना देना। बैठक में मुख्य रूप से एस के डेविड, मो इम्तियाज खां, मो इस्माईल, मो हसीब खां, मो सलीम, ई शहनवाज अहमद, मंसूर अली अंसारी, जॉनशन पेन, सैयद आमिर, मो खुशनुद हासमी (वार्ड पार्षद), सैयद ताबिस सहित अन्य प्रकोष्ठ के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

डोमिसाइल नीति हटाने के विरोध में सद्बुद्धि यज्ञ

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के छात्र प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आकाश यादव ने बिहार में शिक्षक नियुक्ति में डोमिसाइल नीति हटाने के विरोध में सोमवार को प्रदेश कार्यालय 01, व्हीलर रोड पटना में सद्बुद्धि यज्ञ का आयोजन किया। आकाश यादव ने डोमिसाइल नीति हटाने के फैसले को वापस लेने की मांग की है। फैसले वापस नहीं लेती है तो छात्र रालोजपा के कार्यकर्ता एवं छात्र पूरे राज्य में शिक्षक अभ्यर्थियों द्वारा चक्का जाम किया जायेगा। कहा कि सरकार की दमनकारी नीति के विरूद्ध पूरे बिहार के शिक्षक अभ्यर्थी पटना की सड़कों पर महाआंदोलन करेगें तथा राजभवन मार्च करेगें। आगे उन्होंने कहा कि राज्य के सभी जिलों में शिक्षक अभ्यर्थियों के आंदोलन में शामिल होगी। प्रदेश प्रवक्ता ललन कुमार चन्द्रवंशी ने बताया कि सद्बुद्धि यज्ञ में छात्र रालोजपा की के राष्ट्रीय अध्यक्ष आकाश यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन वर्मा, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता देवजानी मित्रा, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अम्बिका प्रसाद बिनू, प्रदेश महासचिव ई विजय सिंह, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष रंजीत कुमार, राधाकान्त पासवान, गोपाल पाण्डेय पटना विश्वविद्यालय छात्र अध्यक्ष, पंकज पासवान, शुभम यादव महानगर अध्यक्ष, राजवीर पाण्डेय, सहित कई छात्र एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तरेगना में आरओबी व सदीसोपुर में प्लेटफॉर्म के उच्चीकरण का काम शीघ्र हो : रामकृपाल

दानापुर मंडल संसदीय समिति की बैठक का आयोजन, सांसदगण ने कई सुझावों को रखा

- बैठक में यात्री सुविधा एवं रेल विकास से जुड़े कार्य योजनाओं पर भी हुई चर्चा

पटना। दानापुर मंडल की मंडल संसदीय समिति की बैठक सोमवार को हई। बैठक में दानापुर मंडल क्षेत्राधिकार के सांसदगण ने भाग लिया । बैठक की अध्यक्षता पाटलिपुत्र के सांसद राम कृपाल यादव द्वारा की गयी। इस अवसर पर सभी सांसदगण द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास हेतु अपने-अपने सुझावों को रखा गया। बैठक में पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक अनुपम शर्मा, दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक प्रभात कुमार सहित मुख्यालय एवं दानापुर मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे। इस बैठक में नालन्दा के सांसद कौषलेन्द्र कुमार, नवादा के सांसद चंदन सिंह, जहानाबाद के सांसद चन्देश्वर प्रसाद एवं सांसद (राज्यसभा) शंभू शरण पटेल उपस्थित थे। इनके अलावा केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री डॉ. महेन्द्र नाथ पांडेय के सांसद प्रतिनिधि सर्वेश कुशवाहा, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे के सांसद प्रतिनिधि जयप्रकाष चौबे, सांसद रवि शंकर प्रसाद के सांसद प्रतिनिधि रामजी सिंह, सांसद चिराग पासवान के सांसद प्रतिनिधि जीवन सिंह, सांसद विवेक ठाकुर के सांसद प्रतिनिधि रजनीश कुमार, सांसद खीरू महतो के सांसद प्रतिनिधि पिंटू कुमार सिंह एवं सांसद प्रेमचंद गुप्ता के सांसद प्रतिनिधि ऋषिकेष कुमार सिन्हा उपस्थित थे। बैठक में सांसदगण ने रेल विकास व यात्री सुविधाओं में और वृद्धि एवं उसे सुदृढ़ करने के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये। सांसदगण द्वारा आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया। साथ ही बैठक में भविष्य की यात्री सुविधा एवं रेल विकास से जुड़े कार्य योजनाओं पर भी चर्चा हुई । चर्चा के दौरान सांसद राम कृपाल यादव ने तरेगना में आरओबी को शीघ्र पूरा करने तथा सदीसोपुर प्लेटफॉर्म के उच्चीकरण पर बल दिया। विदित हो कि तरेगना में आरओबी के दोनों साइड के पाईलिंग का कार्य पूरा हो गया है तथा सितंबर से ऊपरी स्ट्रक्चर का कार्य प्रारंभ हो जाने की संभावना है । बिहटा-औरंगाबाद नई रेल लाईन परियोजना के सर्वे कार्य प्रगति पर है। बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक अनुपम शर्मा ने म्सांसदगण एवं सांसद के प्रतिनिधिगण का स्वागत किया। महाप्रबन्धक ने अपने स्वागत संबोधन में दानापुर मंडल द्वारा यात्री सुविधा, आधारभूत संरचनाओं के विकास आदि के क्षेत्र में किए गए कार्यों एवं नई परियोजनाओं से सांसदगण को अवगत कराया। उन्होंने कहा यात्रियों की सुविधा हेतु पटना और रांची के बीच वंदे भारत ट्रेन का परिचालन प्रारंभ किया गया। त्योहरों एवं ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की संख्या में बढ़ोत्तरी के आलोक में उनकी सुविधा हेतु दानापुर मंडल से देश के प्रमुख शहरों के लिए स्पेशल ट्रेनों के कुल 577 फेरे का परिचालन किया गया तथा 785 अतिरिक्त कोच नियमित ट्रेनों में जोड़े गए । रेलवे द्वारा संरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पटना-गया रेलखंड पर 21 तथा किउल-गया रेलखंड 10 एलएचएस का निर्माण प्रस्तावित है। इससे सुरक्षा के साथ-साथ परिचालन दक्षता में वृद्धि होगी। महाप्रबन्धक ने सांसदों से प्राप्त बहुमूल्य सुझावों के लिये आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुझाव हमें भविष्य में रेल विकास कार्यों की रूप-रेखा तय करने में काफी सहायक सिद्ध होगा ।

डेंगू एवं चिकुनगुनिया को लेकर अलर्ट, फागिंग एवं छिड़काव का प्लान तैयार

- पटना नगर निगम में पदस्थापित डॉक्टरों द्वारा घर घर जाकर भी आम जनों को किया जाएगा जागरूक

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना मानसून के दौरान घरों एवं आसपास के इलाकों में पानी के एकत्रित हो जाने पर डेंगू एवं चिकुनगुनिया के मच्छर पनपने लगते है एवं उनकी संख्या में भी वृद्धि हो जाती है, जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में पटना नगर निगम द्वारा सभी वार्डों में फागिंग एवं एंटी लार्वा का छिड़काव करने के लिए नगर आयुक्त द्वारा विशेष निर्देश दिया गया है। सभी अंचल के स्वास्थ्य पदाधिकारियों द्वारा सभी वार्डों में सुचारू रूप से फॉगिंग एवं एंटी लार्वा का छिड़काव हो या सुनिश्चित किया जाएगा। गौरतलब है कि स्थलों का चयन कर इसे शुरू किया जा चुका है एवं सभी वार्डों में सुचारू रूप से व्यवस्था बनी रहे इसके लिए रोस्टर के अनुसार युद्ध स्तर पर फागिंग एवं एंटी लार्वा का छिड़काव किया जाएगा। नगर निगम के पास फॉगिंग एवं केमिकल सहित पर्याप्त संसाधन ए

संक्षिप्त खबरें

मारपीट की प्राथमिकी दर्ज

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के बाजितपुर बम्बैया वार्ड 14 निवासी उपेंद्र राय ने मारपीट की प्राथमिकी दर्ज करवाया है। जिसमें गांव के ही मिथिलेश राय, विजय राय, रामदेव राय, नोरो देवी, रीता देवी, सुजीत राय, पंकज राय, नितीश राय को नामजद किया है। दर्ज प्राथमिकी के माध्यम से पीड़ित ने बताया कि 25 जून को मैं अपने घर से शौच के लिए जा रहा था। तभी उपर्युक्त नामित सभी योजना बनाकर लाठी-डंडा, पघरिया, खंती से हमला कर जख्मी कर दिया। तथा गले से सोने का चैन छीन लिया। आसपास के लोगों के पहुंचने पर मेरी जान बची। स्थानीय लोगों की मदद से मुझे इलाज के लिए विभूतिपुर सीएससी में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए सदस्यता समस्तीपुर रेफर कर दिया।

मारपीट व लूटपाट की प्राथमिकी दर्ज

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के साखमोहन में हुई मारपीट व लूटपाट की घटना को लेकर बेगूसराय जिला के फतेहा निवासी पप्पू चौधरी की पत्नी गुड्डी कुमारी ने विभूतिपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई है। जिसमें साख मोहन के ही संजीव सिंह, प्रमोद सिंह, पप्पू सिंह, कन्हैया कुमार को नामजद किया है। दर्ज प्राथमिकी के माध्यम से पीड़ित ने बताई कि मेरा इकलौता भाई प्रदेश में नौकरी करता है। पिता आशो सिंह दोनों पैर से विकलांग है। माता बीमार रहती है। अपने माता-पिता की देखरेख के लिए मैं भी साखमोहन में ही रहती हूं। 2 जून को उपायुक्त नामित सभी मेरे पिता के दरवाजे से मिट्टी काट रहा था एवं लकड़ी का टुकड़ा उठा रहा था जिसे मना करने मेरी मां गई। तभी उपर्युक्त नामित सभी गाली-गलौज करते हुए मेरी मां के साथ मारपीट किया एवं गले से सोने का चैन छीन लिया। बार-बार मुझे और मेरे भाई को जान मारने की धमकी देता है।

देशी शराब के साथ एक महिला हिरासतमें, प्राथमिकी दर्ज

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के विभूतिपूर वार्ड 14 कालीस्थान से पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक गुमतीनुमा दुकान में छापेमारी कर 10 लीटर देसी शराब के साथ एक महिला को हिरासत में लेकर थाने ले आए। वहीं पुअनि के बयान पर मध निषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। घटना की जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष अमित कुमार पाल ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। जहां महिला की गुमतीनुमा दुकान से 5-5 लीटर के दो प्लास्टिक के डिब्बे में कुल 10 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की गई। तथा जाति सूची बनाते हैं महिला को थाना लाया गया है। प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई जारी है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के कार्यक्रम को लेकर बैठक आयोजित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नौ साल बेमिसाल उपलब्धियों को लेकर भाजपा द्वारा चल रहे महाजनसंपर्क अभियान कार्यक्रम में पांच जुलाई को उजियारपुर लोकसभा अन्तर्गत अन्यनया होटल दलसिंहसराय में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी मुख्य अतिथि व वक्ता के शामिल होकर कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष उपेन्द्र कुमार कुशवाहा की अध्यक्षता में दलसिंहसराय भाजपा नेता नवल झा के आवास पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के आगमन पर उनके अभिनन्दन को लेकर बैठक हुई। जिसमें भाजपा नेता नवल झा, जिला महामंत्री कौशल पाण्डेय, राजीव कुमार चौधरी, प्रेम दास के साथ उजियारपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडल अध्यक्ष अमृत चौधरी, अशोक कुमार शर्मा, नवीन कुमार चौधरी, मनीष वरनवाल व सोनू चौधरी शामिल रहे।

जदयू प्रखंड अध्यक्षों एवं विधानसभा प्रभारियों की संयुक्त बैठक आयोजित

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के जदयू प्रखंड अध्यक्षों एवं प्रदेश पार्टी से नियुक्त विधानसभा प्रभारीयों और जिला जदयू समस्तीपुर से नियुक्त प्रखंड प्रभारियों का संयुक्त बैठक सोमवार को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व सांसद सह जदयू जिलाध्यक्ष अश्वमेघ देवी ने किया। इस बैठक में जिले के प्रमंडलीय प्रभारी जनाब अब्दुल कय्यूम अंसारी ने 20 प्रखंडों के पंचायत कमेटी गठन का समीक्षा किया। इस समीक्षात्मक बैठक में 18 प्रखंडों का पंचायत स्तरीय कमेटी जिला पार्टी को प्राप्त हुआ एवं शेष 02 प्रखंडों के अध्यक्षों को 07 जुलाई 2023 तक जिला कार्यालय पर जमा करने को कहा। प्रमंडलीय प्रभारी अब्दुल कय्यूम अंसारी ने कहा कि दरभंगा प्रमंडल में जिला जदयू समस्तीपुर पंचायत स्तर की कमेटी गठन में अव्वल स्थान पर है। इसके साथ ही दिनांक 15 जुलाई 2023 को बिहार जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा दरभंगा में प्रमंडलीय समीक्षात्मक बैठक करेंगे। जिसमें समस्तीपुर जदयू के सभी 20 प्रखंड अध्यक्ष एवं 04 नगर परिषद् अध्यक्ष को दरभंगा प्रमंडलीय समीक्षात्मक बैठक में भाग लेना है। इस मौके पर गजेन्द्र चौरसिया, किरण रंजन, रामनाथ रमण, सुनील भारती, रविंद्र यादव, रीना चौधरी, अंजनी पटेल, साधना सदा, राजकुमार सिंह, संजीव कुशवाहा, अखिलेश सिंह, रंधीर कुमार, किशोरी प्रसाद सिंह, ठाकुर राजीव सिंह, अशोक पटेल, सुनील कुमार कुशवाहा, सवेर्दु कुमार, महेंद्र प्रसाद महतो, रामनारायण सिंह, अब्दुल समद खान, कृष्णदेव पासवान, धर्मदेव कुशवाहा, संजय कुमार राय, अफरोज अहमद, रंजीत महतो, विनोवा राम, प्रेम पासवान, बिरिया देवी, प्रमोद मिलिंद, कौशल सिंह कुशवाहा, मनीष कुमार, सुबोध सिंह, अनस रिजवान, मुकेश कुमार, तबरेज अंसारी, डॉ अमित कुमार मुन्ना, रजा अहमद, अरुण पासवान, राजकुमार साह आदि उपस्थित रहे।

देश दुनिया के कल्याण को लेकर सावन महीने में शिव भक्ति में लीन रहेंगे जितेंद्र चौधरी

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

तीन जुलाई को आषाढ़ पूर्णिमा के साथ ही चार जुलाई से पवित्र श्रावण मास की शुरूआत हो गई है। इस बार अधिक मास रहने के कारण इस वर्ष सावन 58 दिनों का होगा। शिवजी की पूजा-पाठ और भक्ति के लिए सावन का महीना दो माह का होगा। 4 जुलाई से सावन का पवित्र महीना शुरू होकर 31 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान 18 जुलाई से 16 अगस्त तक अधिक मास रहेगा। इस बाबत समस्तीपुर जिले के प्रसिद्ध समाजसेवी व भगवान शिव के अनन्य भक्त राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के जिलाध्यक्ष जितेंद्र चौधरी का कहना है कि हिंदू धर्म में सावन मास को बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। सावन के महीने में भगवान शिव की भक्ति का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि ऐसी मान्यता है कि सावन के महीने में भगवान शिव की उपासना करने से जीवन में सुख एवं समृद्धि की प्राप्ति होती है और जीवन की सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि सावन का महीना भगवान शिव को अति प्रिय है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की कृपा से इस बारे सावन में 19 साल बाद दुर्लभ योग बन रहा है। मलमास के कारण इस बार सावन मास 59 दिनों का होगा। सावन में शश योग, गजकेसरी योग, बुध व शुक्र के संयोग से लक्ष्मी नारायण योग, सूर्य व बुध की युति से बुद्धित्य योग जैसे राजयोग का निर्माण हो रहा है। यह व्यक्ति को सुख और शांति प्रदान करेगा। इस योग में महादेव की पूजा बहुत शुभ माना जाता है। उन्होंने कहा कि पूरे सावन मास के दौरान देश दुनिया के कल्याण को लेकर भगवान शिव की भक्ति में लीन हो जाएंगे।

शिक्षक के आकस्मिक निधन पर शोक की लहर

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, भोजपुर सुदामापुर के प्रधानाध्यापक प्रेमतोष दिवाकर (52) का हृदयगति रुक जाने के कारण रविवार की रात आकस्मिक निधन हो गया।

दिवंगत शिक्षक अपने पीछे दो दो पुत्रों एवं तीन पुत्रियों से भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। मृतक के पारिवारिक सूत्रों की मानें तो विगत 1 जुलाई 2023 से शिक्षा-विभाग में गहन जांच की कार्रवाई शुरू हुई है। रोस्टर के मुताबिक 3 जुलाई 2023 को इनके विद्यालय की जांच होनी थी। स्थानीय शिक्षकों व स्वजनों के अनुसार जांच की खबर से दिवंगत शिक्षक काफी तनाव में थे। शिक्षक के निधन की खबर सुनकर स्थानीय लोगों और शिक्षक समुदाय में शोक की लहर छा गई है। अंचल प्राथमिक शिक्षक संघ सरायरंजन के सचिव अभिराम झा, मनोज दास, रामकुमार झा, अमरनाथ पासवान, दिलीप कुमार, संजीव कुमार, संजय राम, प्रखंड प्रमुख वीणा कुमारी, उप प्रमुख संजीव कुमार ठाकुर, पूर्व मुखिया रामबाबू चौरसिया, सरपंच रामलखन दास सहित सैकडो लोगों ने दिवंगत शिक्षक को भावभीनी श्रद्धांजलि देकर अंतिम विदाई दी।

शिवाजीनगर के विभिन्न मठों और मंदिरों में धूमधाम के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा

शिवाजीनगर, प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर प्रखंड अंतर्गत गुरु पुर्णिमा धूमधाम से मनाया गया। प्रखंड के विभिन्न मठो एवं मंदिरों में अवसर पर काफी संख्या में गुरुद्वारा पहुंचें भक्तगण एवं श्रद्धालु गण। प्रखंड अंतर्गत राम जानकी ठाकुरबाड़ी रन्ना मठ परिसर में गुरु पूर्णिमा को लेकर गुरु बंदना के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। गायत्री शक्तिपीठ बंडिहा के प्रांगण में भी गुरू पूर्णिमा का आयोजन किया गया कहां गुरु रे ब्रह्मा गुरु रे विष्णु साक्षात परम ब्रम्ह तस्मै श्री गुरुवे नमः। कहा युग श्रेष्ठ श्री राम शर्मा को विश्व के श्रवण श्रेष्ठ गुरू का दर्जा मिला है। इस अवसर पर प्रखंड के मठो एवं मदिरो के समिति के द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। महंत रामायणी रामकृष्ण दास ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा को लेकर श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था किया गया। भंडारा के साथ भजन कीर्तन की व्यवस्था होगी। समस्तीपुर, दरभंगा बेगूसराय, खगड़िया, कुशेश्वरस्थान, रोसड़ा, पड़ोसी देश नेपाल समेत बिहार के अलग-अलग जगह से हजारों की संख्या में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर यहां श्रद्धालु पहुंचे। गुरु का जीवन में बड़ा महत्व है। गुरु पूर्णिमा के दिन जो भी व्यक्ति अपने गुरु की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। जिससे मानव जीवन का कल्याण होता है। गुरु पूर्णिमा को लेकर रविवार से ही श्रद्धालु पहुंचने लगे था। जहां मंदिर परिसर में श्रद्धालु पूजा अर्चना कर गुरु की सेवा करने में तत्पर है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर लक्ष्मीनिया रामजानकी ठाकुरबाड़ी, बहादुरपुर ठाकुरबाड़ी, शंकरपुर ठाकुरबाड़ी, दसौत ठाकुरबाड़ी, मानस मंदिर बंदा, बाघोपुर ठाकुरबाड़ी, लालपुर ठाकुरबाड़ी, मंदिरों में गुरु पूर्णिमा मैं हजारों संख्या में भक्त पहुंचे।

किसान सलाहकार 12 जुलाई को कृषि मंत्री एवं 13 जुलाई को विधानसभा का करेंगे घेराव

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत निजी आवास पर किसान सलाहकार की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता किसान सलाहकार कन्हैया कुमार कर रहे थे। बैठक के माध्यम से सभी किसान सलाहकार जनसेवक में समायोजन एवं अन्य मांगों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया। जिसमें सभी किसान सलाहकार 4 जुलाई को स्थानीय विधायक से मिलकर अपनी मांग संबंधी ज्ञापन सौंपेंगे। जब तक सरकार किसान सलाहकार की मांगे पूरी नहीं करती तब तक हड़ताल पर रहने का निर्णय लेते हुए संघ के द्वारा निर्धारित कार्यक्रम 12 जुलाई को पटना चलकर कृषि मंत्री का घेराव तथा 13 जुलाई के विधानसभा का घेराव करने का निर्णय लिया। बता दें कि विभूतिपुर प्रखंड क्षेत्र के किसान सलाहकारों के साथ-साथ पूरे बिहार के किसान सलाहकार अपनी मांगों को लेकर 06 जून से हड़ताल पर है। किसान सलाहकार के हड़ताल पर रहने से कृषि संबंधी कार्य प्रभावित हो रही है। किसान सलाहकार के हड़ताल पर रहने से किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में किसान सलाहकार महावीर प्रसाद सिंह, सुरेंद्र कुमार ठाकुर, अरुण कुमार, तरुण कुमार सिंह, संजीत कुमार, रंजीत कुमार प्रथम, अमरेश कुमार, राम कुमार झा, मानसिंह मधुकर, रंजीत कुमार तृतीय, बचन देव शर्मा, मनीष कुमार, सिकंदर रजक, अमरेश कुमार सहनी आदि उपस्थित थे।

रेल पुलिस ने छापेमारी कर साबरमती ट्रेन से भारी मात्रा में विदेशी शराब किया बरामद, कोच अटेंडेंट गिरफ्तार

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर एएलटीएफ प्रभारी के निर्देशन में आरपीएफ के पदाधिकारी एवं कर्मी व एएलटीएफ टीम के पुलिस कर्मी के द्वारा विशेष शराब चेकिंग अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन समस्तीपुर के प्लेटफार्म संख्या पांच पर खड़ी गाड़ी संख्या 19165 साबरमती एक्सप्रेस के कोच संख्या बी-3 के बेड रोलर के अलमीरा में रखा गया दो बैग में विदेशी शराब पुलिस ने बरामद किया है। कर्मी से उसका नाम पता पूछने पर उसने अपनी पहचान उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के शिपरी थाना क्षेत्र अंतर्गत पोहरा ईसागढ़ निवासी दीनदयाल चौधरी के पुत्र धीरज चौधरी के रूप में बताई है। बरामद शराब की मात्रा टेट्रा पैक व्हिस्की का 350 पीस बताई गई है। इस संदर्भ में रेल थाना समस्तीपुर कांड संख्या 138/23 दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। आरपीएफ के प्रभारी निरीक्षक धनंजय कुमार ने बताया कि प्लेटफार्म पर डयूटी के दौरान ट्रेन नंबर 19165 साबरमती एक्सप्रेस के एसी कोच में छापेमारी करते हुए कोच के अटेंडेंट के बॉक्स को खुलवाया। जिसमे दो बैग में रखा 350 पीस टेट्रा पैक विदेशी शराब बरामद कर रेल कर्मी को पोस्ट पर लाया गया, जहां से मेडिकल जाँच कराकर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि छापेमारी अभियान में एसआई पीके चौधरी, एसआई आरआरपी सिंह, प्रधान आरक्षी डीके सिंह, एवं हर्ष कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

अनियंत्रित कार के पलटने से कार सवार तीन लोग घायल

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन थाना क्षेत्र के सरैया पुल चौक के समीप एनएच 322 पर सोमवार की सुबह एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। नतीजतन कार सवार तीन लोग घायल हो गए। घायलों में पटना जिले के बेलछी थाना अंतर्गत बाघाटीलहा निवासी बालमुकुंद सिंह के पुत्र अमरजीत कुमार (39), उनकी मां उर्मिला देवी (68) एवं उनके पुत्र अथर्व राज (3) शामिल हैं। घायलों में मां-पुत्र की स्थिति गंभीर बताई गई है। जानकारी के अनुसार कार चालक अमरजीत कुमार अपनी मां एवं पुत्र के साथ कार (बीआर 01 एफडी 7539) पर सवार होकर पटना से दरभंगा जा रहे थे। कार चालक बेनीपुर अनुमंडल स्थित ग्रामीण विकास विभाग में लेखा प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। इस बीच सरैया पुल चौक के समीप एनएच 322 पर विपरीत दिशा से आ रहे एक बाइक चालक ने उन्हें चकमा दे दिया। नतीजतन उनकी कार अनियंत्रित होकर एक गड्ढे में पलट गई। स्थानीय लोगों के सहयोग से कार सवार तीनों घायलों को एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के पश्चात समस्तीपुर रेफर दिया गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया है। घायलों के स्वजनों को सूचना दे दी गई है।

पंचायत समिति के सदस्यों में आक्रोश

शिवाजीनगर, प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर प्रखंड अंतर्गत पंचायत समिति की बीपीडीपी योजना का चयन हो जाने के बाद भी मेन पुस्तिका पर नहीं चढ़ाया गया है। जिसको लेकर आठ पंचायत समिति सदस्यों में आक्रोश जताया है। इसको लेकर पंचायती राज पदाधिकारी शिवाजीनगर को आठ पंचायत समिति सदस्यो के द्वारा हस्ताक्षरित आवेदन सौंपा गया है। समिति सदस्यों ने आरोप लगाया है कि समिति विगत वर्ष की बैठक में सभी आठ पंचायत समितियों की योजना लिया गया था। इस वर्ष भी पंचायत समिति के बैठक में योजना लिया गया था हम लोगों को जानकारी मिली है कि वर्तमान योजना ध्यान में योजना नहीं लिया गया है। राज्य सरकार की नियमानुसार सभी क्षेत्रों में समान योजनाओं का चयन करने का प्रावधान है। ताकि सभी क्षेत्रों में विकास कार्य हो सके अभी आठ समिति सदस्यों में मद्येश्वर झा, उषा देवी, बैद्यनाथ मुखिया, मोहन झा, देवेंद्र चौधरी, बीना देवी, गुंजन कुमार, शंभू बैठा सहित आठ पंचायत समितियों ने पंचायती राज पदाधिकारी से समान रूप से योजना चयन कर वीपीडीपी पर चढ़ाने की मांग की है।

अपराधियों की गोली से घायल प्रोपर्टी डीलर की इलाज के दौरान मौत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के मनियारी थाना क्षेत्र में कल देर रात हुए गोलीबारी की घटना में घायल प्रॉपर्टी डीलर राजीव कुमार सिंह कीआज इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद अब उनके गांव के लोगों में आक्रोश नजर आ रहा है। लोगअपराधियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की माग कर है। मिली जानकारी के अनुसार,मनियारी थाना क्षेत्र के माधोपुर सुस्ता गांव स्थित एक लीची गाछी में निमार्णाधीन मकान मे रविवार की देर रात एक पार्टी के दौरान प्रॉपर्टी डीलर राजीव कुमार सिंह को अपराधियों ने गोली मार दी थी। जिसके बाद आनन-फानन में घायल प्रॉपर्टी डीलर को इलाज के लिए मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रॉपर्टी डीलर को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया था। इलाज के क्रम में ही प्रॉपर्टी डीलर राजीव कुमार सिंह की मौत हो गई। कहा तो यह भी जा रहा है कि यह वही घटनास्थल है जहां आज से कुछ दिनों पूर्व एक जमीनी विवाद में पिस्टल लहराने का वीडियो वायरल हुआ था । पुलिस सूत्रों ने घायल राजीव कुमार सिंह के मौत की पुष्टि की है।

सेवानिवृत्त शिक्षक को दी गई भावपूर्ण विदाई

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मिल्की, सुआपाकर में सोमवार को शिक्षक नरेश पांडे की सेवानिवृत्ति पर भावपूर्ण विदाई दी गई। समारोह को संबोधित करते हुए नगर पंचायत प्रारंभिक शिक्षक संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राय ने सेवानिवृत्त शिक्षक के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें एक कर्तव्यनिष्ठ तथा स्वच्छ छवि का शिक्षक बताया। वहीं जिला उपाध्यक्ष कुमार गौरव ने कहा कि ये सेवानिवृत्त जरूर हुए हैं, पर सेवा के दायित्वों से नहीं। हम इनके स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की मंगल कामना करते हैं। समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्य शिक्षक सम्मान से सम्मानित शिक्षक अखिलेश ठाकुर ने कहा शिक्षक समुदाय उनके कार्यों को सदैव याद रखेगा। उनकी कुशल कार्य क्षमता व उत्कृष्ट योगदान शिक्षकों के लिए प्रेरणा स्रोत है। उनके मार्गदर्शन की हमेशा अपेक्षा रहेगी। समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षक को अंगझ वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन शिक्षक कपिलेश्वर प्रसाद सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन महावीर राय ने किया। समारोह को प्रखंड अध्यक्ष नवीन कुमार, सत्येंद्र कुमार, रवींद्र कुमार चौधरी, शाहनवाज आलम, साकिर हुसैन, असलम नूरी, मुकेश कुमार, कुमारी अमृता, रत्नमाला कुमारी, इंदु कुमारी, रिंकू कुमारी आदि ने संबोधित किया।

केंद्र सरकार के नौ साल देश के लिए विफलता और दुख से भरे रहे : लालबाबू राम

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

सोमवार को मुजफ्फरपुर से बेगूसराय जाने के क्रम में मुसरीघरारी चौक के पास राजद कार्यकर्ताओ ने सकरा के पूर्व विधायक लालबाबू राम का भव्य स्वागत चादर तथा मोमेंटो से किया। अपने उदगार व्यक्त करते हुए सकरा के पूर्व विधायक लालबाबू राम ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के नौ साल देश के लिए विफलता और दुख से भरे रहे है। आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार ने अपने वादों को पूरा नहीं किया और लोगों को बेरोजगारी और जीएसटी के विमुद्रीकरण का खामियाजा भुगतना पड़ा। केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पिछले नौ सालों में सभी मोर्चों पर विफल रही है और आम लोगों को कोई राहत नहीं मिली है। वर्ष 2014 के बाद से सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ी हैं। युवा बेरोजगारी 30-40 प्रतिशत तक बढ़ गई है, जबकि वास्तविक मजदूरी गिर गई है। यह एक विनाशकारी रिकॉर्ड है।मौके पर जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, राजद अल्पसंख्यक सेल के प्रदेश महासचिव मो० परवेज आलम, राजद अल्पसंख्यक सेल के प्रदेश मीडिया प्रभारी मो० अरशद राजा, जिला राजद महासचिव राम विनोद पासवान, कोषाध्यक्ष अजय कुमार राय, राजद व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रांतीय नेता हरेन्द्र कुमार, मुजफ्फरपुर छात्र राजद के पूर्व जिलाध्यक्ष अमरेन्द्र यादव, राजद नेता मो० रूहुल्लाह खान गुड्डू, रंजीत कुमार रम्भू, समाजसेवी संतोष कुशवाहा, मनोज कुमार राय, ज्योतिष महतो, मनोज पटेल, रविन्द्र कुमार रवि, केशव कुमार सोनू, सरोज चौधरी, अमित कुमार, कुन्दन कुमार, राहुल कुमार, वीरचंद यादव, रमेश राय, भागवत राय, संजय कुमार, राम हिलास राय, राम ललित राय आदि मौजूद थे।

बलवंत सिंह राठौर, अध्यक्ष, भाजपा सरायरंजन उत्तरी मंडल, समस्तीपुर

बबलू झा, अध्यक्ष, भाजपा सरायरंजन दक्षिणी मंडल, समस्तीपुर

समाजसेवी वैश्य एवं पिछड़ा वर्ग के स्व प्रमोद कुमार साहु के पुण्यतिथि मनाया गई

प्रात : किरण संवाददाता

पटना/ रांची। झारखंड प्रदेश शोंडिक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता बीरेंद्र साहु ने बताया कि गुरुपूर्णिमा को पूर्वाह्न 11 बजे प्रसिद्ध समाजसेवी वैश्य एवं पिछड़ा वर्ग समाज के दिग्गज नेता सिल्ली निवासी स्व प्रमोद कुमार साहु जी उर्फ पलटू बाबू का चौथा पुण्य तिथि उनके रांची बर्दमान कंपाउंड स्थित आवास पर उनके परिवार जनों की उपस्थिति में उनके दोनों पुत्र रुपेश साहु, एवं संजय साहु ने अपने अगुवाई में अपने पिता की तैल्य चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस अवसर पर हमारे समिति के संरक्षक कुमुद कुमार साहु मंटू बाबू, अर्श साहु, उदय साहु, बीरेंद्र साहु, संजय साहु, सुभाष साहु,प्रदेश अध्यक्ष दिनेश प्रसाद साहु, प्रदेश महामंत्री उमेश साहु,प्रदेश उपाध्यक्ष सुनिल साहु, दुर्गेश प्रसाद साहु, राजेश साहु,प्रेम साहु, डा अंशु, डा अनूप साहु, मुकेश साहु, रमेश साहु, मनोज साहु, रमण साहु, सुमन साहु, राणा, अरूण गुप्ता,बिद्याधर साहु, राजन साहु, अजीत साहु, उपेन साहु, दिलिप साहु, ओम प्रकाश गुप्ता, कुणाल कुमार बंटी, अरूण देव कुमार,के अलावा पूरे पांच परगना, सिल्ली,पश्चिम बंगाल तुलीन झालदा, रांची के अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे। ज्ञात हो की वैश्य समाज पिछड़ा वर्ग के स्तंभ स्व प्रमोद कुमार साहु समाज में एक मसीहा के रूप में जाने जाते थे,उन्होनें अपने रहते अनेक साकारात्मक सहयोग किया जैसे सर्व समाज के निर्धन, असहाय लोगों को रोजी रोजगार उपलब्ध करा कर आर्थिक रूप से असहाय लोगों के पुत्रियों की शादी विवाह में यथा संभव आर्थिक सहयोग करवाकर सभी के सहयोग से मदद करते थे। आज गुरु पूर्णिमा के दिन ही 2019 में उनका निधन हुआ था। आज प्रमोद प्रसाद साहु पलटू बाबू की पुण्य तिथि गुरु पूर्णिमा के दिन उनके पुत्र रुपेश साहु, संजय साहु, ने अपने पिता की याद पर उनके आत्मा की शांति प्रदान करने के लिए पूजा हवन का आयोजन किया। श्री रुपेश साहु ने कहा की उनके पिता के बताए मार्ग पर चल मैं समाज को संगठित कर हर संभव मदद करता रहूंगा।

संक्षिप्त खबरें

पंद्रह हजार रुपये नगद और मोबाइल की चोरी

उचकागांव। उचकागांव थाना क्षेत्र के साथी गांव से एक घर में घुसकर चोरों ने घर के एक बक्से में रखे पंद्रह हजार रुपये नगद और एक मोबाइल की चोरी कर ली। घटना 29 जून के रात की बताई जा रही है। बताया जा रहा कि थाना क्षेत्र के साथी गांव निवासी सुधीर कुमार सिंह दुग्ध उत्पादन समिति में किसानों द्वारा दिए गए दूध का भुगतान करने के लिए उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक के जमसड़ शाखा से पंद्रह हजार रुपये नगद निकासी कर लाकर समिति के बक्से में रखकर 29 जून की रात सोए हुए थे। इसी दौरान देर रात चोरों ने कमरे में घुसकर बक्से में रखे पंद्रह हजार रुपये नगद और कमरे में रखे सुधीर कुमार सिंह की बारह हजार रुपये मूल्य की मोबाइल की चोरी कर ली। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मामले में पीड़ित सुधीर कुमार सिंह के आवेदन पर अज्ञात चोर के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

ट्यूशन पढ़ने गई किशोरी का अपहरण

उचकागांव। उचकागांव थाना क्षेत्र के सिसवनिया गांव से सिसवनिया मोड़ पर ट्यूशन पढ़ने गई एक 13 वर्षीय किशोरी का कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया। घटना 22 जून के दिन की है। काफी खोजबीन के बाद भी जब किशोरी का कोई पता नहीं चला तो मामले में अपहृत किशोरी के पिता के आवेदन पर अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

चोरों ने की बाइक की चोरी

उचकागांव । उचकागांव थाना क्षेत्र के रघुआ गांव के उमेश कुमार सिंह के बरामदे में खड़ी उनकी बाइक को चोरों ने देर रात चोरी कर ली। घटना 29 जून की रात की बताई जा रही है। घटना की जानकारी उन्हें तब हुई जब देर रात उनकी नींद टूटने पर उन्होंने बरामदे से अपनी बाइक को गायब पाई। काफी खोजबीन के बाद जब बाइक का कहीं पता नहीं चला तो मामले में पीड़ित उमेश कुमार सिंह के आवेदन पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट में चार जख्मी

उचकागांव । उचकागांव थाना क्षेत्र के नरकटिया गांव में रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुए मारपीट में एक पक्ष की तेतरी देवी, उनका बेटा जयप्रकाश गोंड और बहू अनीता देवी वहीं दूसरे पक्ष की धर्मशिला देवी घायल हो गई। चारों घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उचकागांव में कराया गया। घटना 30 जून के सुबह की बताई जा रही है। मामले में एक पक्ष के घायल तेतरी देवी के आवेदन पर धर्मशिला देवी और उनके पति अजीत साह वहीं दूसरे पक्ष की घायल धर्मशिला देवी के आवेदन पर गांव के अमरजीत गोंड, मनु गोंड, नंदलाल गोंड, जयप्रकाश गोंड, निशा कुमारी और पासपति देवी के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

गुरु पूर्णिमा को लेकर लछवार दुर्गा मंदिर पर उमड़ी श्रद्धालुओ की भीड़

थावे। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर लछवार दुर्गा मंदिर और इटवा पुल पर काफी संख्या में सोमवार को श्रद्धालुओ की भीड़ उमड़ पड़ी। अपने वाहनों से दूर दराज से पहुंचे श्रद्धालुओ ने इटवा पुल के दाहा नदी में स्नान कर लछवार दुर्गा मंदिर व इटवा पुल स्थित जीन बाबा पर प्रसाद चढ़ाकर पूजा अर्चना किया। पूजा कर अमन चैन और शांति की कामना की। गुरु पूर्णिमा को लेकर यूपी के गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, रामकोला, तमकुही, देवरिया, इधर बिहार के मुजफ्फरपुर, रक्सौल, मोतिहारी, बेतिया सहीत कई शहरों के श्रद्धालू अपने वाहनों से पहुंचे थे। भीड़ को लेकर गोपालगंज मीरगंज एनएच 531 पर घंटों जाम लगी रही जो दिन भर चला।

भगवान राम के बरात में देवता मुनी संत राजा हुए थे शामिल

थावे । थावे प्रखंड के इटवा धाम में एक सप्ताह से चलने वाली श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन रविवार की देर शाम सुखनंदन व्यास ने प्रवचन के दौरान भगवान राम की बारात की कथा सुनाई। स्वयंवर के बाद अध्योध्या से राजा दशरथ भगवान चारों भाइयों का बरात लेकर जनकपुर पहुंचे। भगवान के बरात में देवता मुनी साधु संत और राजा शामिल रहे। जहां चार भाई श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के एक साथ राजा जनक की बेटी से विवाह रचाया। तब से जनकपुर में एक साथ चार लोगो का विवाह का परंपरा चल आ रहा है। वही सोमवार को इटवा धाम में श्री राम शरण दास जी महाराज के पुण्य तिथि पर भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमे काफी संख्या में लोग शामिल हुए तथा प्रसाद ग्रहण किया। मौके पर रामजी बाबा पुजारी जी, पूर्व विधायक रामसेवक सिंह, मनेश्वर सिंह सहित समस्त ग्रामीण जनता शामिल रही।

धनेश्वरनाथ मंदिर में आज से श्रद्धालु करेंगे जलाभिषेक, तैयारी पूरी

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के सुप्रसिद्ध धनेश्वरनाथ मंदिर सिंहासनी में मंगलवार से श्रावणी मेले का आगाज किया जाएगा। श्रावणी मेले को लेकर सभी प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई है। मंगलवार की सुबह पांच बजे से पवित्र शिवलिंग पर जलाभिषेक का सिलसिला शुरू होगा। जलाभिषेक से पहले रुद्राभिषेक का आयोजन किया जाएगा। श्रावणी मेले को लेकर फूल, बेलपत्र, जल, प्रसाद, गेरुआ वस्त्र सहित अन्य दुकाने सजने लगी है। सारण जिले के डोरीगंज स्थित गंगा नदी व डुमरियाघाट स्थित नारायणी नदी से जल लेकर प्रतिदिन सैकड़ों कांवरिया बाबा धनेश्वरनाथ के दरबार पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने एडिशनल फोर्स की तैनाती की है। एडिशनल फोर्स सोमवार की शाम तक सिंहासनी धाम पहुंच जाएगी। मंदिर परिसर से एक किलोमीटर की परिधि में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। मंदिर तक पहुंचने वाली सभी सड़कों पर ड्राप गेट का निर्माण भी किया जा रहा है। ड्रॉप गेट पर पुलिस पदाधिकारी व दंडाधिकारी तैनात किए जाएंगे। मंदिर के चारों तरफ सीसीटीवी कैमरा लगाने की तैयारी चल रही है। जलाभिषेक के लिए महिला व पुरुष श्रद्धालुओं की अलग-अलग कतार की व्यवस्था हो रही है। थानाध्यक्ष धनंजय राय ने बताया कि शुक्रवारी या सोमवारी पर शोभा यात्रा निकालने वाले श्रद्धालुओं को प्रशासनिक स्तर से अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है। मलमास की वजह से इस बार श्रावणी मेला यहां दो महीने तक लगेगा। चार जुलाई से शुरू होने वाली श्रावणी मेला 31 अगस्त तक चलेगी। मेले में फर्नीचर, सौंदर्य प्रसाधन, झूला, खेल-तमाशे सहित अन्य दुकानें सजने लगी है। सिंहासनी धाम बाबा धनेश्वर नाथ मंदिर स्थित आयोजित श्रावणी महोत्सव को लेकर आज भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश यात्रा में सिंहासनी मंदिर से होकर खजुहट्टी, मीराटोला, दिघवा गांव होते नई पोखर से जलबोक्षी किया जाएगा। वापस होकर शिव मंदिर में जलाभिषेक किया जाएगा। जिसके मुख्य यजमान मंदिर के पुजारी लालबाबू गिरी होंगे। प्रशासनिक देखरेख में कलश यात्रा के मौके पर शांति एवं सुरक्षा व पूजा अर्चना की व्यवस्था में पंचायत के मुखिया नागेंद्र सिंह, प्रभात पुरी, सत्येंद्र सिंह, अवधेश सिंह, प्रेम गिरी, हरेंद्र गिरी, बालेश्वर गिरी, पवन गिरी आदि शामिल है।

एसपी ने दो चौकीदारों को पांच-पांच सौ रुपये देकर किया पुरस्कृत

प्रात : किरण संवाददाता

उचकागांव। उचकागांव थाना क्षेत्र के शामपुर बाजार में तैनात दो चैकीदारों को रात्रि भ्रमण के क्रम में शनिवार की देर रात पहुंचे गोपालगंज एसपी ने पांच-पांच सौ रुपये नगद इनाम देकर पुरस्कृत किया गया है। बताया जा रहा है कि शनिवार की देर रात एसपी स्वर्ण प्रभात कुचायकोट थाना से मीरगंज थाने पर जा रहे थे। इसी क्रम में उचकागांव थाना क्षेत्र के शामपुर बाजार में ड्यूटी पर तैनात दो चैकीदारों को देखकर एसपी ने अपनी गाड़ी रुकवा दी। इस दौरान उन्होंने गाड़ी से उतरकर ड्यूटी पर तैनात दोनों चैकीदारों से शामपुर बाजार और आसपास के क्षेत्र की जानकारी ली। इस दौरान देर रात्रि अपने ड्यूटी पर मुस्तैद उचकागांव थाने के दोनों चैकीदार उमा मांझी और देवेंद्र यादव को पांच-पांच सौ रुपये नगद इनाम देकर पुरस्कृत किया। वहीं दोनों चैकीदारों को ड्यूटी पर ऐसे ही तैनात रहने का निर्देश देते हुए शाबाशी भी दी। एसपी से सम्मानित होने के बाद दोनों चैकीदारों में खुशी की लहर है। थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने बताया कि सभी चैकीदारों को रात्रि ड्यूटी में प्रतिनियुक्त करते हुए थाना क्षेत्र में स्थित बैंक, सीएसपी एवं अन्य प्रतिष्ठानों का सुरक्षा की दृष्टि से निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक महोदय के द्वारा थाना क्षेत्र के दो चैकीदारों को रात्रि भ्रमण के दौरान नगद इनाम देकर पुरस्कृत किया गया है।

आगामी 7 जुलाई से राजद सभी पंचायतों में अम्बेडकर परिचर्चा का करेगी आयोजन

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

राजद आगामी 7 जुलाई से 20 जुलाई तक जिले के सभी पंचायतों में अम्बेडकर परिचर्चा का आयोजन कर संविधान और आरक्षण के खिलाफ भाजपा के साजिश से दलित व पिछड़े समाज को अवगत कराएगा। उक्त निर्णय राजद के जिला कार्यकारिणी की आज आयोजित मासिक बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता राजद के जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह ने की। बैठक को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि आज देश की मौजूदा केंद्र की भाजपा सरकार से देश के संविधान और आरक्षण के साथ युवाओं के भविष्य को खतरा है। यह जनविरोधी सरकार देश के संविधान को बदल कर आरक्षण समाप्त करना चाह रही है, जिसे राजद किसी भी सूरत में सफल नही होने देगा। श्री सिंह ने कहा कि देश मे धार्मिक उन्माद फैला कर राजनीतिक लाभ लेने के भाजपा के प्रयास को देश की जनता बखूबी समझ रही है और इस बार देश की जनता इनके झांसे में नही आने वाली। उन्होंने कहा कि राजद प्रत्येक बूथ 11 यूथ के तहत काम कर रही है और इस माह के अंत तक सभी मतदान केंद्रों पर 11 सदस्यीय टीम तैयार हो जाएगी। राजद के प्रधान महासचिव इम्तेयाज अली भुट्टो ने बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले अम्बेडकर परिचर्चा हेतु प्रत्येक प्रखंड में प्रखंड प्रभारी व सह प्रभारी के अलावा प्रत्येक पंचायतों में पंचायत प्रभारी व सह प्रभारी की नियुक्ति की गई है जो प्रत्येक पंचायतों में कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन करेंगे। मौके पर राजद के उपाध्यक्ष सुरेश चैधरी, फैज अकरम, सुनील कुमार बारी, मो सोनू, मुकेश कुमार राय, लक्ष्मण यादव, सचिन कुमार सिंह, भृगनाथ सिंह, रघु यादव, परशुराम गुप्ता, सुरेश प्रसाद यादव, मो सहिम, दिवाकर यादव, श्याम बहादुर यादव, रबिन्द्र राम, राजकिशोर यादव, लक्ष्मण गुप्ता, ओम प्रकाश गुप्ता, असलम हुसैन, वीरू लाल मांझी, राजेश कुमार राम, वजीर अहमद, चंदन कुमार यादव, आदिल सिद्दीकी, हरेंद्र राय, इरशाद अली, आलोक यादव, विकाश कुमार, सत्तार अली , विशाल सिंह भूमिहार सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और युवा साथी मौजूद थे।

त्योहारों व जुलूस में डीजे बजाना पड़ेगा महंगा, बजायीं तो होगी कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

फुलवरिया। त्योहारों व जुलूस में डीजे बजाना अब पड़ेगा महंगा। डीजे बजाई तो होगी कड़ी कार्रवाई। उक्त बातें रविवार को थाना परिसर में डीजे संचालकों के साथ बैठक के दौरान थानाध्यक्ष अब्दुल मजीद ने कही। उन्होंने कहा कि डीजे बजाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। यदि आदेश का उल्लंघन करने पर जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शादी समारोह में भी डीजे और अश्लील भोजपुरी गाना बजाते पाए जाने पर भी सख्त कार्रवाई करने की बात कही। इतना ही नहीं थानाध्यक्ष अब्दुल मजीद ने डीजे संचालकों से एक शपथ पत्र भी भरवाया। जिसमें साफ तौर पर कहा गया है कि किसी भी जुलूस या त्यौहार में डीजे बजाते हैं तो कार्रवाई होती है तो उसकी जिम्मेवारी खुद आप होंगे। इसकी जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष ने बताया कि प्रखंड के 20 डीजे संचालकों से शपथ पत्र भरवाया गया है। सभी डीजे संचालकों ने एक स्वर में कहा है कि जुलूस या त्योहारों में डीजे नहीं बजाया जाएगा। साथ ही प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा निर्देश का उल्लंघन नहीं किया जाएगा। बैठक में मौजूद सभी संचालकों से कहा गया कि कोई भी त्योहार आपसी एकता और भाईचारा के वातावरण में मनाने का संकल्प लिया। बैठक में मुख्य रूप से डीजे संचालकों में अनवर अली, चंद्रजीत सिंह, चंद्रबली सिंह, नरेन कुमार गुप्ता, विनोद प्रसाद साह, कैलाश कुमार, राजीव कुमार प्रसाद, प्रदीप कुमार सहित अन्य डीजे संचालक तथा सभी चैकीदार दफादार मौजूद रहे।

टॉप-10 में शुमार, बाबु गैंग का लीडर मनीष यादव गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

गोपालगंज जिले के टॉप-10 क्रिमिनल में शुमार कुख्यात अपराधी व बाबु गैंग के लीडर मनीष यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर उचकागांव क्षेत्र के अमठा भुवन गांव के पास घेराबंदी कर मनीष यादव को दबोच लिया। हथुआ एसडीपीओ अनुराग कुमार के नेतृत्व में फुलवरिया थानाध्यक्ष अब्दुल मजीद, मीरगंज थानाध्यक्ष छोटन कुमार, श्रीपुर ओपी प्रभारी अशोक कुमार की टीम का गठन कर घेराबंदी की गयी। पुलिस के मुताबिक, यह अपराधी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए उचकागांव पहुंचा था। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि उचकागांव थाने के अमठा भुवन गांव पास घेराबंदी कर कुख्यात अपराधी मनीष यादव को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी की लूट व डकैती के छह मामलों में तालाश थी। कुख्यात अपराधी मनीष यादव बाबु गैंग का संचालन करता था। इसके दर्जनों साथियों को जेल भेजा चुका है। इससके पास से थावे थाने से लूटी गयी बाइक को भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार कुख्यात अपराधी से गहन पूछताछ की जा रही है। एसपी ने बताया कि कुख्यात अपराधी मनीष यादव पर मीरगंज थाने में चार, फुलवरिया व थावे थाने में एक-एक अपराधिक मामले दर्ज हैं। इसमें हथियार के बल पर राहगीरों से लूटपाट करना और डकैती का मामला है। उन्होंने बताया कि यह लंबे समय से फरार चल रहा था। इसकी गिरफ्तारी के लिए बिहार के विभिन्न जिलों के अलावा उत्तर प्रदेश में भी पुलिस छापेमारी कर चुकी थी। वॉन्टेड अपराधी मनीष यादव की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली है।

उचकागांव थाना में पहले दिन 80 लाइसेंसी हथियारों का किया गया सत्यापन

उचकागांव प्रात : किरण संवाददाता

उचकागांव थाना परिसर में रविवार के दिन लाइसेंसी हथियारों के सत्यापन के लिए कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें उचकागांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले उचकागांव प्रखंड के 14 और थावे प्रखंड के दो पंचायत क्षेत्रों से पहुंचे 80 लाइसेंसधारी हथियार धारकों के हथियारों का सत्यापन किया गया। इसके साथ ही सार्वजनिक कार्यक्रम शादी समारोह आदि के मौके पर हथियारों का प्रदर्शन नहीं करने का निर्देश दिया गया। बताया जा रहा है कि बढ़ते हर्ष फायरिंग की घटनाओं को देखते हुए बिहार पुलिस द्वारा नया एसओपी जारी किया गया है। जिसके आलोक में एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर थाना परिसर में रविवार से कैंप की शुरूआत की गई। जिसमें पहले दिन थाना क्षेत्र के 16 पंचायतों से लाइसेंसी हथियार, लाइसेंस व कारतूस लेकर पहुंचे 80 लाइसेंसधारी हथियार धारकों के हथियारों का सत्यापन किया गया। इस दौरान थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने सभी लाइसेंसी हथियार धारकों से नए एसओपी के अनुसार शादी समारोह सहित किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम या सोशल मीडिया में हथियारों का प्रदर्शन नहीं करने का निर्देश दिया गया।

04 से 07 जुलाई 2023 के बीच आयोजित होगी मध्यमा की परीक्षा: डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। अध्यक्ष, बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड, पटना से प्राप्त सूचना के आलोक में जिलाधिकारी अमन समीर के द्वारा बताया गया कि बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित मध्यमा परीक्षा 2023 दिनांक 04 जुलाई से 07 जुलाई तक शहर के दो परीक्षा केन्द्र, विश्वेश्वर सेमिनरी एवं राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, छपरा को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है।

मध्यमा परीक्षा का आयोजन दो पालियों में होगा। प्रथम पाली पूर्वाह्न 09:45 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली 01:45 बजे अपराह्न से 05रू00 बजे अपराह्न तक आयोजित की जायेगी। दोनों परीक्षा केन्द्र में परीक्षार्थियों की कुल संख्या - 713 है। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि परीक्षा स्वच्छ वातावरण में कदाचारमुक्त संपन्न कराने हेतु स्टैटिक दण्डाधिकारी, गश्ती दण्डाधिकारी-सह-जोनल दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गयी है। जो परीक्षा प्रारंभ तिथि को परीक्षा प्रारंभ होने के एक घंटा पूर्व अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुँचकर परीक्षा समाप्ति के उपरांत तक विधि व्यवस्था को संधारित करेंगे। यह परीक्षा बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम, 1981 के अंतर्गत आने के कारण अनुमंडल पदाधिकारी सदर, छपरा को विशेष न्यायिक दण्डाधिकारी के रूप में प्राधिकृत किया गया है जो कदाचार में पकड़े गये अभियुक्तों का जुमार्ना अधिरोपित करेंगे। साथ ही परीक्षा प्रारंभ होने के समय से परीक्षा के समाप्त होने तक की अवधि में अनुमंडल पदाधिकारी सदर, छपरा के द्वारा केन्द्रों के 500 गज परिधि में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अंतर्गत निषेधाज्ञा लागू करने का आदेश जारी किया गया है। इस दौरान केन्द्र के 500 गज परिधि में शांति भंग करने के उद्देश्य से पाँच या उससे अधिक व्यक्तियों को एकत्रित होना प्रतिबंधित रहेगा। किसी व्यक्ति के द्वारा लाठी, भाला एवं अन्य घातक, विस्फोटक लेकर चलने एवं परीक्षा के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग को प्रतिबंधित किया गया है।

बताया गया कि परीक्षा से संबंधित प्रत्येक गतिविधि का वीडियोग्राफी करायी जाएगी।दोनों परीक्षा केन्द्रों पर सी.सी.टी.वी. कैमरा लगाने हेतु निदेशित किया गया है। सभी दण्डाधिकारी एवं केन्द्राधीक्षक का यह दायित्व होगा कि सीट प्लान को परीक्षा कक्ष के अलावे परीक्षा केन्द्र के मुख्य द्वार पर प्रदर्शित करने का भी निदेश दिया गया है ताकि परीक्षार्थियों को आवश्यक सुविधा मिल सके। परीक्षा के मुख्य द्वारा पर ही परीक्षार्थियों की शारीरिक जाँच कर परीक्षा कक्ष में एडमिट कार्ड एवं लेखन सामग्री के साथ प्रवेश कराने हेतु निर्देशित किया गया है। परीक्षा केन्द्र में कैलकुलेटर, ग्रॉफ पेपर, मोबाईल फोन, चिट पुर्जा, कॉपी किताब, चाकू माचिस, ब्लेंड, इलेक्ट्रॉनिक गजट आदि के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध होगा। परीक्षा के लिए अनुमंडल कार्यालय, सदर छपरा के परिसर में जिला नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गयी है जिसका नं0-06152-242444 है जो परीक्षा के दिन प्रातः 07रू30 बजे से 6रू00 बजे संध्या तक कार्यरत रहेगा। जिस पर परीक्षा से संबंधित सूचना दी जा सकेगी। इसके अलावा जिला शिक्षा पदाधिकारी, सारण, मोबाईल नम्बर-9934690681, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, छपरा मोबाईल नम्बर-9473191269 एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर, छपरा मोबाईल नं-9431800075 पर परीक्षा में कदाचार एवं विधि व्यवस्था से संबंधित सूचना दी जा सकती है।

सारण वन प्रमंडल द्वारा मौना चैक में अवैध वन्य जीव व्यापार का भंडाफोड़

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सोमवार को वन प्रमंडल पदाधिकारी रामसुन्दर एम. के द्वारा बताया गया कि गुप्त सूचना के आधार पर सारण वन विभाग ने छपरा रेंज के रेंजर बांके पासवान और अन्य वनरक्षियों की टीम के नेतृत्व में मौना चैक, छपरा में सघन छापेमारी की गयी। छापेमारी के दौरान मौना चैक,श छपरा में रंजीत कुमार, आकाश गुप्ता द्वारा संचालित दो दुकानों पर छापा मारा गया और कई वन्यजीव वस्तुएं मिली। जिन्हें रखने और व्यापार करने पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत प्रतिबंध है।

यह बिहार में हाल के दिनों में सबसे बड़ी छापेमारी है जिसमें बाघ की खाल के टुकड़े, बाघ के पंजे, कछुए के खोले, साही की कांटा, विभिन्न सांपों की खाल, मृग के सींग आदि शामिल थे।

इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम-1972 भारतीय वन अधिनियम-1927 और जैविक विविधता अधिनियम-2002 के तहत मामले दर्ज किए गए। वन प्रमंडल पदाधिकारी सारण के द्वारा बताया गया कि अवैध वन्यजीव व्यापार से निपटने के लिए सबसे कड़े अधिनियम हैं। डीएफओ सारण ने कहा कि इन अवैध वन्यजीव वस्तुओं की आपूर्ति के स्रोत और व्यापार नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद लिंकेज का पता लगाने के लिए वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो और बिहार के मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक को रिपोर्ट भेजी जाएगी। बताया गया कि वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम-1972 जंगली जानवरों और पौधों की विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण, उनके आवासों के प्रबंधन, जंगली जानवरों, पौधों तथा उनसे बने उत्पादों के व्यापार के विनियमन एवं नियंत्रण के लिये एक कानूनी ढाँचा प्रदान करता है।

भाजपा नेता ने दी सरकार के कार्यों की जानकारी

नौ साल बेमिसाल कार्यक्रम पर सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने लिया हिस्सा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। दरियापुर में सांसद राजीव प्रताप रूडी द्वारा मोदी सरकार के नौ साल में किए गए सराहनीय कार्यो का प्रचार प्रसार करने के लिए कार्यकताओं को मिले संदेश के उपरांत भाजपा के बिहार प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राकेश कुमार सिंह और भाजपा मंडल अध्यक्ष रामानंद सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों भाजपा कार्यकताओं ने प्रखंड क्षेत्र के सरैया, दरिहारा, मनपूरा गांव का दौरा कर प्रधानमंत्री द्वारा किए गए नौ साल के कार्यों की रिपोर्ट कार्ड वितरण किया तथा मोदी सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दिया। इस मौके पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राकेश कुमार सिंह ने बताया कि मोदी सरकार ने नौ साल में विकास के अनेकों काम किया है। इस सरकार में जन कल्याणकारी योजना के साथ-साथ जनधन खाता, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला योजना, आवास योजना, अंतोदय योजना, गैस पाइपलाइन योजना, शेरपुर दिघवारा पुल जैसे अनेकों उपलब्धियों को हासिल किया है। आगे उन्होंने बताया कि स्थानीय सांसद राजीव प्रताप रूडी ने हमेशा से सरकार के साथ बेहतर सामंजस्य स्थापित कर सारण के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है। उनके नेतृत्व में सारण हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है तथा आगे भी सारण की जनता उनके कुशल नेतृत्व को निरंतर देखना चाहती है। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष रामानंद सिंह ने भी मोदी सरकार के उपलब्धियों को कार्यकताओं और जनता के बीच रखा। वही भाजपा नेता बुलबुल सिंह ने बताया कि देश में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई दूसरा विकल्प नहीं है. इस मौके पर अशोक साह, बालेश्वर सिंह, सरोज यादव, सन्नी सिंह, अर्जुन सिंह, आशिष कुमार सिंह, प्रमोद सिंह, राजेश्वर सिंह, रविन्द्र पांडेय, विश्वनाथ साह, तपेश्वर साह, राजू सिंह उर्फ प्रिंस सिंह आदि उपस्थित थे।

दिल्ली में बिहार यूपी के झुग्गियों के बच्चों ने बिखेरा अभिनय का जलवा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, संस्कृति मंत्रालय व उड़ान-द सेंटर ऑफ थिएटर आर्ट एंड चाइल्ड डेवलोपमेन्ट द्वारा आयोजित तीन दिवसीय बाल रंग महोत्सव में बच्चों ने समां बांध दिया।इस दौरान बिहार के भोजपुरी क्षेत्र के सारण,सिवान सहित सहारनपुर से आये झुग्गी झोपड़ी निवासी बच्चों ने 1857 की क्रांति को अपने उत्कृष्ट अभिनय से जीवंत कर दर्शकों को रोमामचित कर दिया। आईजीएनसीए के सम्वेत सभागार में रंगकर्मी संजय टुटेजा के दिशा निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित इस तीन दिवसीय महोत्सव का उद्घाटन नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के निदेशक प्रो डॉ रमेश चंद्र गौर ने किया जबकि आईजीएनसीए में कला दर्शन विभागाध्यक्ष प्रो डॉ ऋचा काम्बोज, सरंक्षण विभागाध्यक्ष डॉ अचल पांड्या, शिक्षाविद व लेखिका श्रीमती मालविका जोशी, शिक्षाविद, पूर्व प्राचार्या डॉ नीलांजना किशोर,इंडियन ऑयल के डीजीएम धर्मेन्द्र सिंह राजस्थान सरकार के पूर्व सूचना उपनिदेशक गोपेन्द्र भट्ट, विशिष्ट अतिथि रहे। महोत्सव में कुल 9 नाटको का मंचन किया गया जिनमे पहले दिन डायना ओमेन व सोम्या के सह निर्देशन में नाटक ष्शक्तिष रिद्धि मग्गो व लक्ष्मी के निर्देशन में नाटक ष्सबसे बड़ा दुश्मन कौन व प्रभात सेंगर के निर्देशन व मनीषा के सह निर्देशन में ष्मां की पहचानष नाटको का मंचन हुआ। महोत्सव के दूसरे दिन डायना ओमेन के निर्देशन व शुभ के सह निर्देशन में नाटक ष्गुमनाम बलिदानीष , राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के कृष्णा राजपूत व शिवांग मिश्रा के निर्देशन में नाटक ष्कार्यवाही शुरू की जाएष का मंचन हुआ। महोत्सव के तीसरे दिन सहारनपुर से आये झुग्गी झोपड़ी निवासी बाल कलाकारों ने योगेश पंवार के निर्देशन व रवि कर्णवाल और अभिनव गौतम के सह निर्देशन में नाटक ष्नन्हे सेनानीष , राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के स्नातक सागर वशिष्ठ के निर्देशन एवं निकिता मित्तल और खुशी बौद्ध के निर्देशन में ष्भारत रत्न अरूणाष व प्रभात सेंगर के निर्देशन में नाटक ष्बच्चों की कचहरीष का मंचन किया जबकि स्लम के बाल कलाकारों ने रवि कर्णवाल व अभिनव गौतम के निर्देशन में ष्मानव विकास यात्राष पर एक मूक अभिनय नाटिका का मंचन किया। नाटको में बच्चों ने अपने उत्कृष्ट अभिनय से सभी को अभिभूत कर दिया।

मां पार्वती आश्रम में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हजारों भक्तों की जुटी भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। छपरा पुरानी बाईपास स्थित मां पार्वती आश्रम में आज गुरु पूर्णिमा को लेकर गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया जा रहा है जिसमें आज दूरदराज से ग्रामीण क्षेत्रों से भक्तगण मां दुर्गा का दर्शन करने और शक्ति बालक महाराज का दर्शन करने के लिए लोग पहुंच रहे हैं आज के दिन सुबह से ही पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुरूआत होता है और रात्रि 8रू00 बजे तक भक्तों के लिए यह मंदिर खुला रहता है । यह पूजा छपरा के एकमात्र यह मंदिर है जो पार्वती आश्रम के नाम से जाना जाता है जहां पर आज 50 वर्षों से गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु महोत्सव के रूप में यहां पूजा अर्चना की जाती है और इस अवसर पर मेले का भी आयोजन होता है जिसमें छोटे बच्चे से लेकर के बड़े लोगों तक का झूला और डिज्नीलैंड किस पर मेले का आयोजन किया जाता है जिस का लुफ्त शहरवासियों से लेकर ग्रामीण क्षेत्र लोग उठाते हैं 1 दिन का यह मेला साल में एक बार ही लगता है लेकिन बहुत कुछ संदेश छोड़ जाता है जिसमें स्थानीय लोग ही नहीं बल्कि दूरदराज से लोग यहां पहुंचकर इस पूजा-अर्चना में भाग लेते ही नहीं बल्कि इस कार्यक्रम को पूरी निष्ठा के साथ संपन्न कराने में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं मंदिर के पुजारी ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के दिन पूजा अर्चना किया जाता है जो ग्रुप पूर्णिमा महोत्सव के रूप में कार्यक्रम आयोजित होता है और काफी हर्ष उल्लास के साथ कई सालों से यह कार्यक्रम होता चला रहा है। और इस उत्सव के बाद कल से भगवान भोले शंकर के लिए पूजा अर्चना शुरू हो जाएगा इसे सावन का त्यौहार कहा जाता है शंकर के मंदिरों में इसी पूजा के बाद पूजा अर्चना भगवान भोले शंकर के लिए भक्तगण गं

सम्पादकीय

महिमा अमरनाथ तीर्थ की

भारतवर्ष तीर्थों की पवित्र भूमि है। इस धरा पर शायद ही ऐसा कोई प्रांत होगा जहाँ कोई तीर्थस्थल न हों। ये तीर्थस्थल दीर्घकाल से भारतीय जनमानस की आस्था एवं विश्वास के प्रमुख केंद्र रहे हैं। कश्मीर प्रांत में स्थित अमरनाथ नामक तीर्थस्थल का विशेष महत्व है। कल्हण की राजतरंगिणी में इस तीर्थ को अमरेश्वर बताया गया है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगोंः सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ॐकारेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, काशी-विश्वनाथ आदि के अतिरिक्त अमरनाथ का विशेष महत्व है। शिव के प्रमुख स्थलों में अमरनाथ अन्यतम है। अतः अमरनाथ को तीर्थों का तीर्थ कहा जाता है।

अमरनाथ तीर्थस्थल जम्मू-कश्मीर राज्य के श्रीनगर शहर के उत्तर-पूर्व में 141 किलोमीटर दूर समुद्र तल से 3,888 मीटर (12756 फुट) की ऊंचाई पर स्थित है। इस गुफा की लंबाई (भीतर की ओर गहराई) 19 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर है। यह गुफा लगभग 150 फीट क्षेत्र में फैली है और गुफा 11 मीटर ऊंची है तथा इसमें अनेक श्रद्धालु समा सकते हैं। प्रकृति का अद्भुत वैभव अमरनाथ गुफा, भगवान शिव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। एक पौराणिक गाथा के अनुसार भगवान शिव ने पार्वती को अमरत्व का रहस्य (जीवन और मृत्यु के रहस्य) बताने के लिए इसी गुफा को चुना था। मृत्यु को जीतने वाले मृत्युंजय शिव अमर हैं, इसीलिए वे अमरेश्वर भी कहलाते हैं।श्रद्धालु अमरेश्वर को ही अमरनाथ कहकर पुकारते हैं।शिव-भक्त इसे बाबा अमरनाथ या बफार्नी-बाबा भी कहते हैं।

अमरनाथ हिंदी के दो शब्द अमर अर्थात अनश्वर और नाथ अर्थात भगवान को जोड़ने से बनता है। एक पौराणिक कथा के अनुसार जब देवी पार्वती ने भगवान शिव से अमरत्व के रहस्य को प्रकट करने के लिये कहा, जो वे उनसे लंबे समय से छिपा रहे थे,तब यह रहस्य बताने के लिये भगवान शिव, पार्वती को हिमालय की इस गुफा में ले गए, ताकि उनका यह रहस्य कोई अन्य न सुन पाये और यहीं पर भगवान शिव ने देवी पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था।

इतिहासकारों का विचार है कि अमरनाथ यात्रा हजारों वर्षों से चली या रही है तथा अमरनाथ-दर्शन का महत्त्व पुराणों में भी मिलता है। बृंगेश सहिंता, नीलमत पुराण, कल्हण की राजतरंगिणी आदि में इस तीर्थ का बराबर उल्लेख मिलता है। नीलमत पुराण में अमरेश्वर के बारे में दिए गए उल्लेख से पता चलता है कि इस तीर्थ के बारे में छठी-सातवीं शताब्दी में भी लोगों को जानकारी थी। कश्मीर के महान शासकों में से एक थे जैनुलबुद्दीन (1420-70 ईस्वी), जिन्हें कश्मीरी लोग प्यार से बड़शाह कहते हैं। माना जाता है कि उन्होंने भी अमरनाथ गुफा की यात्रा की थी। (इस बारे में इतिहासकार जोनराज ने उल्लेख किया है।) अकबर के इतिहासकार अबुल-फजल (16वीं शताब्दी) ने आइना-ए-अकबरी में भी उल्लेख किया है कि अमरनाथ एक पवित्र तीर्थस्थल है। गुफा में बर्फ. का एक बुलबुला बनता है जो थोड़ा-थोड़ा करके 15 दिन तक रोजाना बढता रहता है और दो गज से अधिक ऊंचा हो जाता है। चन्द्रमा के घटने के साथ-साथ वह भी घटना शुरू कर देता है और जब चांद लुप्त हो जाता है तो शिवलिंग भी विलुप्त हो जाता है। स्वामी विवेकानन्द ने 1898 में 8 अगस्त को अमरनाथ गुफा की यात्रा की थी और बाद में उन्होंने गदगद होकर कहा था कि मुझे, सचमुच,लगा कि बर्फ.का लिंग स्वयं शिव हैं। मैंने ऐसी सुन्दर, इतनी प्रेरणादायक कोई चीज नहीं देखी और न ही किसी धार्मिक-स्थल की यात्रा का इतना आनन्द आया। अमरनाथ की गुफा तक पहुँचने के लिए सामान्यतः दो मार्ग हैं, प्रथम पहलगाम मार्ग और दूसरा सोनमर्ग-बालतल मार्ग। पहलगाम मार्ग अपेक्षाकृत सुविधाजनक है जबकि बालतल मार्ग हालांकि अमरनाथ की गुफा से मात्र 14 किलोमीटर की दूरी पर है, लेकिन यह मार्ग अत्यंत दुर्गम है। सामान्यतः यात्री पहलगाम मार्ग से ही अमरनाथ यात्रा करते हैं। पहलगाम से अमरनाथ की दूरी 45 किलोमीटर है। इस यात्रा मार्ग में चंदनबाड़ी, शेषनाग तथा पंचतरणी तीन प्रमुख रात्रि-पड़ाव हैं। प्रथम पड़ाव चंदनबाड़ी है, जो पहलगाम से 12.8 किलोमीटर की दूरी पर है। तीर्थयात्री पहली रात यहीं पर बिताते हैं। दूसरे दिन पिस्सू घाटी की चढ़ाई प्रारम्भ होती है। चंदनबाड़ी से 13 किलोमीटर दूर शेषनाग में अगला पड़ाव है। यह चढ़ाई अत्यंत दुर्गम है। यहीं पर पिस्सू घाटी के दर्शन होते हैं। पूरी यात्रा में पिस्सू घाटी का मार्ग बहुत कठिन है। पिस्सू घाटी समुद्र तल से 11,120 फुट की ऊँचाई पर है। इसके पश्चात यात्री शेषनाग पहुँचते हैं। लगभग डेढ़ किलोमीटर लम्बाई में फैली हुई झील अत्यंत सुंदर है। तीर्थयात्री रात्रि में यहीं विश्राम करते हैं। तीसरे दिन यात्रा पुनः आरम्भ होती है।

राजनीति में गठबंधन का अ-धर्म

राकेश अचल

किसी राष्ट्र में महाराष्ट्र का होना ही बेतुका है लेकिन सबसे ज्यादा बेतुकी है महाराष्ट्र की सियासत। महाराष्ट्र की सियासत में जब से भाजपा का प्रवेश हुआ है तभी से यहां गठबंधन का धर्म, अ-धर्म में बदल गया है। अब गठबंधन के मायने ही बदल गए हैं। जो काम बीते 63 साल में नहीं हुआ था,वो अब हो रहा है। सत्ता पाने और सत्ता में बने रहने के लिए महाराष्ट्र में गठबंधन की अवधारणा ही बदल दी है। अब गठबंधन भानुमती का कुनबा ही नहीं बल्कि केर-बेर का संग भी हो गया है।

महाराष्ट्र की भाजपा और बिखंडित शिवसेना की सरकार को अभी किसी और के समर्थन की दरकार नहीं थी, किन्तु सरकार के पाये मजबूत करने के लिए भाजपा ने एनसीपी को भी दो फाड़ कर पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के भतीजे अजित पवार को भी सरकार में शामिल कर उप मुख्यमंत्री बना दिया। एनसीपी में विभाजन भाजपा की सचमुच एक बड़ी उपलब्धि है। अब ये प्रमाण देने की कोई जरूरत नहीं है कि भाजपा तोड़फोड़ की राजनीति में न केवल सिद्धहस्त है बल्कि तोड़फोड़ की राजनीति ही उसका परमधर्म है। भाजपा ने महाराष्ट्र से पहले मध्यप्रदेश में कांग्रेस को तोड़ा थी। महाराष्ट्र में शिवसेना को तोड़ा और अब एनसीपी को भी विखंडित कर दिया। भाजपा के परम विरोधियों को भी तोड़फोड़ की राजनीति के मामले में भाजपा का लोहा मानना पडेगा।

एक जमाना था जब एनसीपी के प्रमुख शरद पंवार कांग्रेस के लये महत्वपूर्ण थे। एक जमाना आया कि शरद पंवार ही कांग्रेस को छोड़कर अलग हो गए और महाराष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण हो गये। देश में गठबंधन की सरकारों के नए युग में भी शरद पंवार की पूछ-परख और हैसियत बनी रही। अब एक जमाना है कि शरद पंवार को भाजपा ने उनके ही भतीजे के साथ मिलाकर हासिये पर पहुंचा दिया है। उम्र के आखरी पड़ाव पर खड़े शरद पंवार के पास अब एनसीपी और खुद को दोबारा स्थापित करने का न वक्त है और न ताकत। पंवार साहब अब बूढ़े शेर हैं यानी उनके नख-दन्त अब किसी काम के नहीं रहे।

महाराष्ट्र एम भाजपा ने पहली बार गठबंधन के धर्म को अधर्म में बदला है। जनादेश को बार-बार अपमानित किया है। किंतु भाजपा ऐसा नहीं मानती। भाजपा पुराने सिद्धांत पर अडिग है कि - युद्ध और प्रेम में सब कुछ जायज है। पिछले विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र की जनता ने भाजपा को खारिज किया। खारिज क्या किया बल्कि सभी राजनीतिक दलों के प्रति अपनी नाराजगी जताते हुए एक ऐसा जनादेश दिया जिसमें भाजपा एक तरफ खड़ी थी और शेष दल दूसरी तरफ। भाजपा ने महाराष्ट्र में जनादेश को अपने पक्ष में बताकर सरकार बनाने का जी तोड़ यत्न भी किया किन्तु एनसीपी,कांग्रेस और शिवसेना ने भाजपा को सत्ता से बाहर कर दिया। भाजपा जख्मी होकर सत्ता की और ताकती रही और उसने महाराष्ट्र अगाडी गठबंधन की सत्ता की गाड़ी अंतत; शिवसेना को दोफाड़ कर दोबारा हासिल कर ली। हालांकि उसे इस जोड़तोड़ में अपने ही दल के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नबीस को दांव पर लगाना पड़ा।

भाजपा और विखंडित शिवसेना की सरकार से ही भाजपा को संतोष नहीं हुआ। उसने एनसीपी में पनप रहे आंतरिक असंतोष का लाभ उठाते हुए सत्तालोलुप अजित पंवार से सौदा कर एमसीपी को भी दो-फाड़ कर दिया और अजित पंवार तथा उनके आधा दर्जन साथियों को भाजपा शिवसेना गठबंधन सरकार का हिस्सा बना लिया। शरद पंवार टापते रह गए। शरद पंवार ने जिस दिन से अपनी बेटी सुप्रिया सुले को एनसीपी का उत्तराधिकारी बनाने का पर्यटन किया था उसी दिन से उनके भतीजे अजित पंवार बिदक गए थे। अजित खुद को एनसीपी का उत्तराधिकारी मानकर चल रहे थे। अजित के असंतोष को एनसीपी के दुसरे महत्वपूर्ण नेता प्रफुल्ल पटेल ने हवा दी। पटेल अपने जमाने के सबसे ज्यादा बदनाम केंद्रीय विमानन मंत्री रह चुके है। एनसीपी प्रमुख शरद पंवार के सामने भींगी बिल्ली रहने वाले प्रफुल्ल पटेल की महाराष्ट्र की हैसियत बहुत ज्यादा नहीं बची है। एक जमाने में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार माने जाने वाले शरद पवार ने अपनी बेटी सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल को प्रमोशन देकर कार्यकारी अध्यक्ष बना दिय। इससे अजित पवार खुश नहीं थे। उन्होंने कहा था कि वे बतौर विपक्ष के नेता काम नहीं करना चाहते उन्हें पार्टी संगठन में पद चाहिए लेकिन शरद पवार ने इसे अनसुना कर दिया। भाजपा और शिवसेना के लिए ये एक मौका था। भाजपा जानती थी कि महाराष्ट्र अगाडी गठबंधन को तोड़े बिना आगामी विधानसभा में दोबारा जनादेश हासिल करना आसान नहीं होगा।

जिन्होंने डीयू को बनाया महान शिक्षा का मंदिर

वह कश्मीरी गेट स्थित कॉलेज इमारत अब भी है। अब भी सेंट स्टीफंस कॉलेज प्रिंसिपल के कक्ष में एक बड़ी सी ग्रुप फोटो लगी है,जो गांधी जी की उस यात्रा की याद दिलाती है। गांधी जी उसके बाद भी यहां आते रहे। वे जब भी यहां आये तो उनका सेंट स्टीफंस और हिंदू कॉलेज के छात्रों और अध्यापकों ने स्वागत किया। हालांकि वे जब पहली बार दिल्ली आये थे तब दिल्ली यूनिवर्सिटी की स्थापना तक नहीं हुई थी। तब तक यहां के कॉलेज पंजाब यूनिवर्सिटी का ही हिस्सा थे। डीयू तो औचरिक रूप से 1922 में स्थापित हुई।बेशक राष्ट्र निर्माण में डीयू का योगदान शानदार रहा है। इसमें देशभर के नौजवान उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते हैं। सेंट स्टीफंस के अलावा हिंदू कॉलेज,श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मिरांडा हाउस, इंद्रप्रस्थ कॉलेज, हंसराज कॉलेज वगैरह ने देश को ही नहीं दुनिया भर को कई राष्ट्रपति और प्रधावनमंत्री के अलावा हजारों-लाखों नौकरशाह, राजनीतिक नेता, आंत्रप्योनर, खिलाड़ी, एक्टर वगैरह दिये हैं।

आर.के. सिन्हा
लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तभकार और पूर्व सांसद हैं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दिल्ली यूनिवर्सिटी के शताब्दी समारोहों के अंत में मौजूद रहना इस बात की गवाही है कि यह कितना खास शिक्षण संस्थान है। महात्मा गांधी 12 अप्रैल, 1915 को पहली बार दिल्ली आए। उनके साथ कस्तूरबा गांधी जी भी थीं। उनका सेंट स्टीफंस कालेज के प्रिंसिपल सुशील कुमार रुद्रा ने स्वागत किया। वे रुद्रा साहब के कॉलेज परिसर में बने आवास में ही ठहरे। वह कश्मीरी गेट स्थित कॉलेज इमारत अब भी है। अब भी सेंट स्टीफंस कॉलेज प्रिंसिपल के कक्ष में एक बड़ी सी ग्रुप फोटो लगी है,जो गांधी जी की उस यात्रा की याद दिलाती है। गांधी जी उसके बाद भी यहां आते रहे। वे जब भी यहां आये तो उनका सेंट स्टीफंस और हिंदू कॉलेज के छात्रों और अध्यापकों ने स्वागत किया। हालांकि वे जब पहली बार दिल्ली आये थे तब दिल्ली यूनिवर्सिटी की स्थापना तक नहीं हुई थी। तब तक यहां के कॉलेज पंजाब यूनिवर्सिटी का ही हिस्सा थे। डीयू तो औचरिक रूप से 1922 में स्थापित हुई।बेशक राष्ट्र निर्माण में डीयू का योगदान शानदार रहा है। इसमें देशभर के नौजवान उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते हैं। सेंट स्टीफंस के अलावा हिंदू कॉलेज,श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मिरांडा हाउस, इंद्रप्रस्थ कॉलेज, हंसराज कॉलेज वगैरह ने देश को ही नहीं दुनिया भर को कई राष्ट्रपति और प्रधावनमंत्री के अलावा हजारों-लाखों नौकरशाह, राजनीतिक नेता, आंत्रप्योनर, खिलाड़ी, एक्टर वगैरह दिये हैं। अगर बात हिंदू कॉलेज की करें तो इसकी स्थापना में दिल्ली के मशहूर समाज सेवियों जैसे लाला कृष्ण दास गुड़वाले, राय बहादुर सुल्तान सिंह और डॉ. ए.के. सेन ने दिन-रात मेहनत करके की थी। इसकी 1899 में ही स्थापना हो गई थी। ये सब चाहते थे कि दिल्ली में स्कूल-कॉलेज खुलें। इन सबने ही दिल्ली के चांदनी चौक में इंद्रप्रस्थ कन्या हिंदू विद्यालय स्थापित करने में भी अहम भूमिका निभाई थी। इस स्कूल ने दिल्ली की बेटियों को शिक्षित और स्वावलंबी बनाने में शानदार भूमिका निभाई है। बेशक, हिंदू कॉलेज तथा इंद्रप्रस्थ कन्या हिंदू विद्यालय विद्लाय ने राष्ट्र निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दिया है।

उधर, श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) को कॉमर्स कोर्सेज के लिए भारत का सबसे उत्तम कॉलेज माना जाता है। यहां से ही केन्द्रीय मंत्री अरुण जेटली, टीवी पर्सनेल्टी रजत शर्मा, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जितेन प्रसाद भी पढ़े। अफ्रीकी देश मलावी के 2004-2012 तक राष्ट्रपति रहे बिंगु वा मुथारिका ने 1961 से 1964 तक श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से ही ग्रेजुएशन की थी। दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा हाउस का भी अपना विशेष स्थान है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय की नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) में कॉलेजों की 2021 श्रेणी में देश के टॉप 100 कॉलेजों में मिरांडा हाउस अव्वल रहा था। सन 1948 में मिरांडा हाउस की स्थापना हुई। मिरांडा हाउस से पढ़कर निकली छात्राओं ने आर्ट, फिल्म,लेखन,सियासत वगैरह की दुनिया में भरपूर नाम कमाया। लोकसभा की पूर्व स्पीकर मीरा कुमार, चित्रकार अंजली इलाल मेनन, फिल्मी हस्तियां जैसे मीरा नायर और नंदिता दास,सशक्त लेखिका क्षंनादा जलील, उर्वशी भुटालिया और अनीता देसाई, डांसर और ब्यूरोक्रेट शोभना नारायण मिरांडा हाउस में ही पढ़ीं। इसी मिरांडा हाउस की छात्रा दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित और माकपा नेता वृंदा कारत भी रही हैं। दिल्ली में श्रीराम कला केन्द्र की प्राण और आत्मा शोभा दीपक सिंह भी यहां ही पढ़ी हैं। मिरांडा हाउस की फैक्ल्टी दिल्ली यूनिवर्सिटी की सर्वेश्रेष्ठ मानी जाती रही है। इधर लंबे समय तक प्रिंसिपल रही जानकी अम्मा ने मिरांडा हाउस की फैक्ल्टी से बेहतरीन टीचर्स को जोड़ा। प्रभा दीक्षित तथा ललिता ईश्वरन (राजनीतिक शास्त्र), मन्नू भंडारी (हिन्दी), कृष्णा इस्लोवे, मासूमा अली, वसंता मेनन (अंग्रेजी) जैसी अध्यापिकाएं मिरांडा हाउस में पढ़ाती रहीं हैं। प्रभा दीक्षित देश के तमाम अखबारों में सामयिक विषयों पर लिखती भी थीं। डीयू की चर्चा करते हुये दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की अनदेखी करना असंभव है। इसकी स्थापना इसलिए हुई थी ताकि इकोनॉमिक्स, कॉमर्स और भूगोल जैसे विषयों पर गहन शोध हो सके। इससे देश के प्रख्यात अर्थशास्त्री जुड़ते रहे हैं अध्यापक के रूप में। यहां से निकले छात्रों ने अपने-अपने क्षेत्रों में ठोस काम भी किया। यहां प्रो.सुखमय चक्रवर्ती, डॉ. मृणाल दत्ता चौधरी, डॉ. ए. एल नागर, डॉ.राम सिंह जैसे आदरणीय अध्यापक पढ़ाते रहे। यहाँ के कैफेटरिया में अध्यापकों और उनके छात्रों के बीच सारगर्भित चचाएं अखंड ज्योति की तरह जारी रहती है। इधर होने वाली बहसों में मतभेद भी होते हैं,पर संवाद मर्यादित रहते हैं। आखिर ये डी स्कूल है। इससे ना जाने कितने ज्ञानी,सुसंस्कृत और अध्यापक जुड़े रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के शताब्दी समारोह में भाग लेते हुए अपने संबोधन में कहा कि कोई भी देश हो उसकी यूनिवर्सिटीज उसकी उपलब्धि का सच्चा प्रतीक होते हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी सिर्फ एक यूनिवर्सिटी नहीं बल्कि एक मूवमेंट रही है। इस यूनिवर्सिटी ने हर मूवमेंट को जिया है, इस यूनिवर्सिटी ने हर मूवमेंट में जान भर दी है।

डीयू जब स्थापना हुई थी तब इसमें केवल तीन कॉलेज हुआ करते थे और अब 90 से अधिक कॉलेज डीयू का हिस्सा हैं। आज डीयू में लड़कों से ज्यादा लड़कियां पढ़ती हैं। ये कहना पड़ेगा कि आज डीयू जिस मुकाम पर है, उसमें यहां के बहुत से अध्यापकों के योगदान को याद रखन होगा। उनमें किरोड़ीमल कॉलेज के फ्रेंक ठाकुर दास का जिक्र सबसे पहले करना होगा। वे अंग्रेजी और ड्रामा के अध्यापक थे। उनकी प्रेरणा से ही अमिताभ बच्चन, सतीश कौशिक, कुल भूषण जैसे छात्र एक्टिंग की दुनिया की तरफ गये।

इस बीच,दिल्ली यूनिवर्सिटी मेन कैंपस में सड़क के आर-पार है सेंट स्टीफंस कॉलेज और हिन्दू कॉलेज। इस सड़क का नाम है सुधीर बोस मार्ग। सुधीर बोस को डीयू बिरादरी एक श्रेष्ठ शिक्षक तथा क्रिकेट प्रेमीके रूप में याद करती है। सुधीर बोस सेंट स्टीफंस कॉलेज में 1937-63 तक फिलोस्फी पढ़ाते रहे। वे दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ(डीडीसीए) के संस्थापक सदस्यों में से थे। सुधीर बोस मार्ग का होना गवाही है कि डीयू अपने गुरुओं के प्रति अगाध श्रद्धा का भाव रखती है। अब बात करें रवि चतुवेर्दी की। वे कमेंटेटर बनने से पहले ही दिल्ली यूनिवर्सिटी में जीव विज्ञान पढ़ाने लगे थे। उनके प्रयासों से यहां की जीव विज्ञान प्रयोगशाला लगातार बेहतर होती रही। रवि जी ने लगभग 42 सालों तक अध्यापन किया। उनकी कलम कमेंट्री और अध्यापन की मसरूफियत के बावजूद थमी नहीं। उन्होंने क्रिकेट पर हिन्दी-अंग्रेजी में करीब 20 किताबें और दो हजार से अधिक लेख लिखे । रवि चतुवेर्दी की जान बसती है क्रिकेट में। कमेंटेटर और लेखक नोवी कपाड़िया तो अपने आप में फुटबॉल के चलते-फिरते विश्वकोष थे। वे अंग्रेजी के शिक्षक थे। नोवी कपाड़िया देश की फुटबॉल के गुजरे छह दशकों के गवाह थे। बेशक, इन और बाकी अनेक शिक्षकों की लगन के चलते दिल्ली यूनिवर्सिटी देश में ज्ञान का संदेश फैला रही है।

मौजूदा व्यवस्था में वैदिक शिक्षा का समावेश हो

आषाढ़ मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन संस्कृत के प्रकांड विद्वान व महाकाव्य महाभारत तथा अठारह पुराणों एवं उपपुराणों के रचयिता के रूप में ख्याति प्राप्त महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था। अतः इस दिन को गुरु पूर्णिमा के तौर पर मनाया जाता है। विश्व का सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ श्रीमद्भगवदगीता भी महाभारत का ही अंश है। पुराणों के अनुसार दूसरी मान्यता यह है कि प्रथम गुरु भगवान शिव ने अपने अनुयायी सप्तऋषियों को योग का ज्ञान आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा के शुभ अवसर पर ही दिया था। गुरुसत्ता के प्रतिनिधि व भारतीय धर्म साहित्य संपदा के शिरोमणि महर्षि वेद व्यास महान लेखक व दार्शनिक थे। अलौकिक ज्ञान शक्ति से सम्पन्न महर्षि वेद व्यास ने अपने शिष्यों पैल मुनि को ऋग्वेद, वैश्म्पायन को यजुर्वेद व सुमंतु को अथर्ववेद तथा जैमिनी को सामवेद में परांगत करके सनातन धर्म संस्कृति व वैदिक ज्ञान के प्रसार का दायित्व सौंपा था। महर्षि वेद व्यास के उन चारों शिष्यों ने अपने आश्रमों को वेद शिक्षा का केंद्र बनाया, तत्पश्चात सम्पूर्ण भारतवर्ष वैदिक ज्ञान से वेदमय हुआ था।

प्रताप सिंह पटियाल
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

देवभूमि हिमाचल प्रदेश कई महान ऋषियों की तपोभूमि रहा है। मान्यता है कि चंदेल राजवंश की कहलूर रियासत की राजधानी बिलासपुर का वैदिक नाम व्यासपुर वेदों के प्रथम व्याख्याता महर्षि वेद व्यास के नाम से संबंधित था। सतलुज नदी के तट पर व्यास ऋषि की तपोस्थली व्यासगुफा बिलासपुर में एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है। आषाढ़ मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन संस्कृत के प्रकांड विद्वान व महाकाव्य महाभारत तथा अठारह पुराणों एवं उपपुराणों के रचयिता के रूप में ख्याति प्राप्त महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था। अतः इस दिन को गुरु पूर्णिमा के तौर पर मनाया जाता है। विश्व का सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ श्रीमद्भगवदगीता भी महाभारत का ही अंश है। पुराणों के अनुसार दूसरी मान्यता यह है कि प्रथम गुरु भगवान शिव ने अपने अनुयायी सप्तऋषियों को योग का ज्ञान आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा के शुभ अवसर पर ही दिया था। गुरुसत्ता के प्रतिनिधि व भारतीय धर्म साहित्य संपदा के शिरोमणि महर्षि वेद व्यास महान लेखक व दार्शनिक थे। अलौकिक ज्ञान शक्ति से सम्पन्न महर्षि वेद व्यास ने अपने शिष्यों पैल मुनि को ऋग्वेद, वैश्म्पायन को यजुर्वेद व सुमंतु को अथर्ववेद तथा जैमिनी को सामवेद में परांगत करके सनातन धर्म संस्कृति व वैदिक ज्ञान के प्रसार का दायित्व सौंपा था। महर्षि वेद व्यास के उन चारों शिष्यों ने अपने आश्रमों को वेद शिक्षा का केंद्र बनाया, तत्पश्चात सम्पूर्ण भारतवर्ष वैदिक ज्ञान से वेदमय हुआ था। महर्षि वेद व्यास के पुत्र शुकदेव भी वेदों के विद्वान ऋषि थे। सनातन धर्म की प्रतिष्ठा व वैदिक संपदा के प्रचार प्रसार में वेद व्यास के अलावा आदि गुरु शंकराचार्य का भी महान योगदान रहा है।

ईसा पूर्व आठवीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य ने भारत की चारों दिशाओं पूर्व में पुरी के गोवर्धन मठ में ऋग्वेद, पश्चिम में द्वारिका के शारदा मठ में सामवेद व उत्तर में उत्तराखंड के जोशीमठ में अथर्ववेद तथा दक्षिण में कर्नाटक के श्रृंगेरी पीठ में यजुर्वेद को स्थापित करके चारों मठों को वैदिक शिक्षा का केन्द्र बनाया था। आदि शंकराचार्य ने ही अपने विद्वान शिष्य को मठाधीश बनाने की परंपरा शुरू की थी। अतः गुरु-शिष्य परंपरा के निर्वहन में मठों की विशेष भूमिका रही है। भारत में अनादिकाल से गुरुओं के प्रति सम्मान व समर्पण रखने वाले महान शिष्यों की गौरवशाली परंपरा रही है। ईश्वर के समतुल्य ज्ञानदाता गुरु द्वारा प्रदान शिक्षा व संस्कारों के आधार पर ही शिष्य अनुशासित व संस्कारवान बनते हैं। आजादी के बाद देश के शिक्षा क्षेत्र में सुधारों के लिए कई नीतियां बनी। वर्तमान में देश के कई सियासी रहनुमा शिक्षा क्रांति की दुहाई देकर अपनी सियासी जमीन मजबूत कर रहे हैं। इसके बावजूद शिक्षा क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर भारत पिछड़ चुका है। स्मरण रहे विश्व में शिक्षा की उत्तम व अनुशासित पद्धति गुरुकुलों का संचालन भारत भूमि पर हमारे आचार्यों ने सदियों पूर्व कर दिया था। उसी शिक्षा व्यवस्था के बल पर भारत को ह्यविश्व गुरुह्ल की पदवी हासिल हुई थी। धर्मशास्त्र, नीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, शास्त्रार्थ, खगोल, ज्योतिष व अध्यात्म तथा ज्ञान विज्ञान सहित कई विषयों में विश्व के सर्वश्रेष्ठ आचार्य भारतवर्ष में हुए थे। सांख्य दर्शन के प्रर्वतक कपिल मुनि व यंत्र सर्वस्व ग्रंथ के रचयिता महर्षि भारद्वाज तथा चंद्रगुप्त मौर्य को सम्राट बनाकर भारत का इतिहास बदलने वाले तक्षशिला विश्वविद्यालय के शिक्षक चाणक्य जैसे विद्वान आचार्यों का जन्म इसी भारतभूमि पर हुआ था। शैक्षिक ज्ञान से अपने शिष्यों को गुणवान बनाने वाले कई महान आचार्यों का उल्लेख वैदिक साहित्य में हुआ है। देवताओं के गुरु बृहस्पति तथा दैत्य गुरु महर्षि शुक्राचार्य दोनों अंगिरा ऋषि के शिष्य थे।

ऋषि उपमन्यु व आरुणि जैसे गुरुभक्त व धर्मशास्त्रों के महाज्ञाता शिष्यों ने महर्षि धौम्य से शिक्षा प्राप्त की थी। अपनी विद्वता के बल पर गुरु परशुराम ने भीष्म, द्रोण व दानवीर कर्ण जैसे शिष्यों को शस्त्र विद्या में निपुण करके महान योद्धा बनाया था। अपने लक्ष्य के प्रति संकल्पवान अर्जुन जैसा महान धनुर्धर शिष्य गुरु द्रोण के सान्निध्य से ही निकला था। ज्ञान वही जो व्यवहार में काम आए, इस प्रसंग का उल्लेख करने वाले वैदिक आचार्य बहुश्रुति का प्राचीन भारत की शिक्षा में विशेष योगदान रहा था। भारत की शिक्षा संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा के विकास तथा शिष्यों में राष्ट्रवाद जगाने के लिए वैदिक आचार्य महर्षि शौनक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वैदिक शिक्षा के ध्वजवाहक शौनक ऋषि नैमिषारण्य के विशाल गुरुकुल के कुलपति थे। नैमिषारण्य में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या हजारों में थी। आध्यात्मिकता के रंग में रंगा शौनक ऋषि की सिद्धस्थली व विद्याध्ययन का प्राचीन केंद्र नैमिषारण्य भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की मजबूत नींव रहा है। विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण का कुशल संपादन करने वाले महर्षि शौनक को विश्व के प्रथम कुलपति होने का गौरव प्राप्त था। भावार्थ यह है कि जीवन में बेहतर भविष्य की कल्पना तथा असंभव लक्ष्य की प्राप्ति के लिए गुरु रूपी महान विभूति के मार्गदर्शन की जरूरत होती है। भारत में अनादिकाल से समाज को शिक्षित करने में आचार्यों तथा धर्म स्थापना के लिए आध्यात्मिक गुरुओं की विशेष भूमिका रही है, मगर विश्व की सर्वश्रेष्ठ शिक्षा व्यवस्था गुरुकुल पद्धति के संचालक महर्षि भारद्वाज, वाल्मीकि, बहुश्रुति, शौनक, अत्रि, संदीपनी, वशिष्ठ, मैत्रेय, अष्टावक्र, याज्ञवल्क्य व उद्दालक जैसे महाविद्वान आचार्य भारतीय शिक्षा पाठ्यक्रमों में गुमनाम क्यों हुए, यह मंथन का विषय है। वैदिक संस्कारों से परिपूर्ण प्राचीन शिक्षा व्यवस्था गुरुकुल व शिक्षा के स्तंभ आचार्य स्वाभिमान का प्रतीक हैं। राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक सोच से परिपूर्ण वैदिक शिक्षा शिक्षार्थी को हर परिस्थिति से सामना करके चुनौतियों से जूझने में सक्षम बनाती थी। अतः अपनी गौरवशाली संस्कृति व वैदिक संस्कारों का अस्तित्व बचाने के लिए तथा विद्यार्थियों को अपने कत्र्तव्य व दायित्व का बोध कराने के लिए मौजूदा शिक्षा व्यवस्था में भारत का गौरव रही वैदिक शिक्षा का समावेश जरूरी है। भारत की प्राचीन ज्ञान विरासत तथा गुरु-शिष्य परंपरा पर हर भारतवासी को गर्व होना चाहिए।

अर्थव्यवस्था पर नियंत्रण, प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने से होगा उपभोक्ताओं का लाभ

नारायण कृष्णमूर्ति

अधिकांश भारतीयों का जीवन देश की कुछ बड़ी कंपनियों द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही वस्तुओं और सेवाओं पर निर्भर है। आपका मोबाइल कनेक्शन जियो, एयरटेल या आइडिया-वोडाफोन का हो सकता है, आप शायद टाटा का नमक खरीदते होंगे या एअर इंडिया, विस्तारा या एअर एशिया (सभी टाटा समूह से संबद्ध) से यात्रा करते होंगे। आप एयरटेल, टाटा स्काई या जियो नेटवर्क आदि पर टेलीविजन देख रहे होंगे। प्रमुख शेयर बाजार सूचकांकों में इन समूहों से संबंधित कई स्टॉक शामिल हैं-रिलायंस, अदाणी, आदित्य बिड़ला, टाटा या भारती समूह।

इन शीर्ष पांच कंपनियों का विनिर्माण और प्रौद्योगिकी-संचालित क्षेत्रों के अलावा बुनियादी ढांचे से संबंधित कई क्षेत्रों में भी दबदबा है। रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य द्वारा लिखे गए एक शोधपत्र के अनुसार, परियोजनाओं के आवंटन में इन्हीं शीर्ष कंपनियों को वरीयता दी गई है, जिसके कारण इन बड़े समूहों द्वारा इंजीनियरिंग, धातु, गैर-धातु खनिज, रसायन, दूरसंचार, खुदरा उत्पाद और पेट्रोलियम जैसे व्यवसायों के नियंत्रण में शक्ति का केंद्रीकरण हो गया है। ह्यबिग फाइवह्

संक्षिप्त खबरें

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम किया गया आयोजन

मधुबनी जयनगर गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कमला रोड स्थित आर्यकुमार पुस्तकालय परिसर के मातृ मंदिर सभा कक्ष में सत्संगी वृन्द सत्संग केंद्र जयनगर के तत्वावधान में युग पुरुषोत्तम श्री ठाकुर अनुकूल चन्द्र जी गुरुदेव के अनुयायियों के द्वारा विशेष पूजा पाठ धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम का आयोजन कर हर्षोल्लास धूमधाम के साथ गुरु पर्व के रूप में गुरुपूर्णिमा का पर्व मनाया गया। आयोजन को लेकर भव्यता से गुरुदेव का दरबार सजाया गया । अनुयायियों के द्वारा श्री ठाकुर अनुकूल चन्द्र गुरुदेव जी का विशेष पूजा पाठ के साथ धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। पूजा पाठ के पश्चात सत्संग , प्रवचन , संगीत मय भजन कीर्तन , ग्रन्थ आदि का पाठ, धर्म सभा अनुयायियों का सम्मेलन ,भव्य आरती और विशाल भंडारा का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम सुबह से देर शाम तक जारी रहा दर्शन पूजा पाठ और सत्संग सम्मेलन में भाग लेने और गुरु के द्वारा दिये गए उपदेश को रिक्तिवक के द्वारा प्रवचन के माध्यम से अनुयायियों के बीच रखा गया प्रवचन को सुनने श्रोताओं और धर्मीक अनुष्ठान कार्यक्रम में भाग लेने को लेकर बड़ी संख्या में अनुयायियों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही।

मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड ने सेबी के पास फाइल किया ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए महिला ग्राहकों को माइक्रो लोन प्रदान करने वाली माइक्रोफाइनेंस कंपनी मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड 31 दिसंबर, 2022 तक सकल ऋण पोर्टफोलियो के मामले में भारत में चौथा सबसे बड़ा एनबीएफसी-एमएफआई है और सकल ऋण पोर्टफोलियो के मामले में दक्षिण भारत में एनबीएफसी-एमएफआई के बीच तीसरा सबसे बड़ा है। एमएफआई बाजार हिस्सेदारी के मामले में केरल में सबसे बड़ा और 31 दिसंबर, 2022 तक लगभग 16 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ तमिलनाडु में एक प्रमुख खिलाड़ी है । आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

कर्ज में दबे रहने के कारण गर्दन में फंदा लगाकर की आत्म हत्या

मधुबनी खजौली थाना क्षेत्र के पालिमोहन गांव निवासी विनोद कुमार झा उम्र 45 वर्ष कर्ज में दबे रहने के कारण बीती रात अपने घर मे गर्दन में फंदा लगाकर आत्म हत्या कर ली. आत्म हत्या को लेकर मृतक के पत्नी सुनीता झा ने खजौली थाना को सूचना देने पर थानाध्यक्ष सुरेंद्र पासवान ने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुँच कर लाश को मुआयना करके स्थानीय लोगो के समक्ष पंचनामा बनाकर लाश को पोस्टमार्टम हेतु पुलिस अभिरक्षा में सदर हास्पिटल मधुबनी भेज दिया गया.वही थानाध्यक्ष सुरेंद्र पासवान ने बताया कि मृतक की पत्नी सुनीता झा ने बताया कि मेरे पति प्राइवेट कर्ज में डूबने से उनकी मानसिक संतुलन बिगड़ गया था. वे बराबर कर्ज को लेकर चिंता में डूबने से अपने आप गले मे फंदा लगाकर आत्म हत्या कर लिये है.इस आत्म हत्या को लेकर मृतक की पत्नी सुनीता झा के लिखित आवेदन यूडी केश दर्ज कर अनुसंधान जारी कर दिया गया है.इस घटना स्थल पर थानाध्यक्ष सुरेंद्र पासवान एसआई राम कुमार जितेश कुमार सहित पुलिस बल मौजूद थे।

प्रसिद्ध भारतीय गायिका खतरों के खिलाड़ी 13 में

कलर्स के लोकप्रिय स्टंट आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी का एक और एड्रेनलिन बढ़ाने वाला सीजन देखने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि यह अपने बहुप्रतीक्षित 13वें सीजन के साथ लौट आया है दर्शकों को हैरान कर देने वाले स्टंट के लिए प्रसिद्ध इस शो का यह सीजन एक बार फिर दर्शकों को लुभाने का वादा करता है शो के करिश्माई प्रतियोगी दक्षिण अफ्रीका के सुरम्य स्थानों में साहसी चुनौतियों का सामना करते हैं जिसके साथ वे अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स में खुशी और उत्साह का प्रसार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं इस शानदार लाइनअप के बीच प्रसिद्ध भारतीय गायिका रश्मीत कौर अपनी निडर भावना को प्रदर्शित करने और अपने उपनाम नाम के अनुरूप खुद को शेरनी जैसी साबित करने के लिए तैयार हैं वर्तमान में दक्षिण अफ्रीका में शो की शूटिंग करते हुए रश्मीत ने अपने सपनों के स्टंट का खुलासा किया है वह रस्सी पर शानदार तरीके से चलते हुए एक इमारत से दूसरी इमारत में जाना चाहती हैं दर्शकों को रश्मीत कौर के हैरान करने वाले स्टंट और अनूठे उत्साह से भरे अविस्मरणीय सफर का बेसब्री से इंतजार है क्योंकि रश्मीत कौर निडर होकर खतरों के खिलाड़ी 13 में छा जाने के लिए तैयार हैं।

साप्ताहिक बैठक में एजेंडावार समीक्षा कर उप विकास आयुक्त ने दिए कई निर्देश

प्रात किरण संवाददाता

मधुबनी उप विकास आयुक्त विशाल राज की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला स्तरीय सभी विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ विभिन्न कार्यालय गतिविधियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई।उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त द्वारा जिला नीलाम पत्र शाखा जिला सामान्य शाखा जिला लोक शिकायत निवारण कोषांग समाधान यात्रा में प्राप्त आवेदन सी पी ग्राम जानता के दरबार में जिलाधिकारी एवं जनता के दरबार में मुख्यमंत्री जिला प्रोग्राम शाखा आईसीडीएस जिला बैंकिंग कोषांग जिला आपदा प्रबंधन शाखा जिला विधि शाखा जिला स्थापना शाखा जिला लोक सूचना कोषांग से संबंधित मामलों की बारी बारी समीक्षा की गई। इस दौरान सभी शाखाओं की प्रमुख गतिविधियों के साथ साथ एमजेसी सीएमजेसी एलपीए मानवाधिकार सिपिग्राम आदि से संबंधित मामलों की व्यापक समीक्षा की गई।उक्त विषयों की समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि मामलों को लंबित बनाए रखना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके लिए कर्म पुस्तिका की नियमित जांच आवश्यक है। नीलाम पत्र वाद के समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त ने निष्पादन की स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए ससमय निष्पादन का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नीलाम पत्र से संबंधित वादों के निष्पादन में तेजी लाने के लिए सभी लंबित वादों को रोटेशन मे ले ताकि सभी वादों की सुनवाई प्रत्येक 15 दिनों में कम से कम एक बार अवश्य हो जाए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित पदाधिकारी सप्ताह में कम से कम एक मामले का अनिवार्य रूप से निष्पादन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी नीलाम पत्र पर अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जितने मामलों में बॉडी वारंट निर्गत किया जा चुका है उसकी सूचना प्रभारी पदाधिकारी जिला निलाम पत्र शाखा मधुबनी को अवश्य उपलब्ध कराएं ताकि इस पर अग्रेतर करवाई सुनिश्चित किया जा सके। सेवांत लाभ की समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि सभी नियंत्री अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि सेवा निर्मित होने वाले कर्मियों से 6 माह पूर्व ही भुगतान संबंधी प्रपत्र अथवा प्रस्ताव स्वीकृति हेतु सक्षम प्राधिकार को भेजना सुनिश्चित करेंगे ताकि सेवानिवृति के समय ही उन्हें देय भुगतान किया जा सके ।उन्होंने कहा कि सेवांत लाभ के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उप विकास आयुक्त ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए हर हाल में उसका समय निष्पादन करना सुनिश्चित करें।उक्त बैठक में अपर समाहर्ता नरेश झा नगर आयुक्त अनिल चौधरी डीपीआरओ परिमल कुमार निदेशक डीआरडीए किशोर कुमार प्रभारी पदाधिकारी जिला विधि शाखा मयंक सिंह कार्यपालक अभियंता विद्युत मो अरमान अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी आर के सिंह सहित सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

179 किलो चरस और 4 किलो गांजा के साथ चार गिरफ्तार

प्रात किरण संवाददाता

रक्सौल। पड़ोसी देश नेपाल के पर्सा जिला के ठोड़ी और पटेरवा सुगौली से 1 सौ 79 किलोग्राम चरस व 4 किलोग्राम गांजा बरामदगी के साथ चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। जिसकी जानकारी देते हुए डीएसपी दीपक थापा ने बताया कि ठोड़ी पुलिस चौकी के इंस्पेक्टर शंकर श्रेष्ठ के नेतृत्व में जांच के दौरान ठोड़ी गांव से गांजा के साथ चितवन निवासी रामबहादुर तमांग को पकड़ा गया। वही पटेरवा सुगौली गांव निवासी परदेशी राउत के घर में चरस होने की गुप्त सूचना के आधार पर पटेरवा पुलिस चौकी के इंस्पेक्टर प्रज्वल थापलिया के नेतृत्व में जवानों ने परदेशी राउत के घर छापेमारी कर 118 किलोग्राम चरस और 4 किलो गांजा बरामद किया है। वही पुलिस द्वारा पुछताछ के दौरान परदेशी राउत ने बताया कि मकवानपुर जिला के मनहरी निवासी 40 वर्षीय रोशन मोक्तान और 38 वर्षीय रमेश मोक्तान इस अवैध कार्य में शामिल हैं। जिसके आधार पर उक्त दोनों आरोपी को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

साईफन में सीधे 15-20 फीट नीचे गिरी चलती वाहन, 03 गंभीर घायल

प्रात किरण संवाददाता

रक्सौल। तेज रफ्तार का कहर कहें या फिर सड़क की बनावट, कारण जो भी हो, घोड़ासहन नहर रोड के भेलाही-रक्सौल मार्ग में घटना आम हो गई है। ताजा मामला के अनुसार बीती रात सफेद रंग एवं बीआर 22 पी 2551 नंबर की एक जायलो चारपहिया वाहन सईफन में गिर गया है। घटना बीती रात 10 बजे के आसपास की बताई जा रही है। कुछ लोगों ने बताया कि इनमें तीन लोग सवार थे, उन्हें निकाल कर पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनके गंभीर हालत को देखकर बाहर की अस्पताल में रेफर कर दिया गया। घटनास्थल पर देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि हर बार की तरह इस बार भी सड़क के मोड़ स्थित सईफन पर लगे दीवार को तोड़कर वाहन पुल संख्या 88 से नीचे लगभग 15-20 फीट नीचे गिर गई, जहां गाड़ी का अगला भाग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त दिखा, हालांकि गनीमत यह था कि गाड़ी सीधे खड़े ही गिरी हुई थी। इस संबंध में भेलाही ओपी प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि उक्त गाड़ी को वाहन के मालिक नरकटियागंज निवासी ओमप्रकाश सोनी चला रहे थे और गाड़ी में कुल तीन लोग सवार थे, घटना के बाद उनके परिजन आएं और उन्हें डंकन अस्पताल ले गए और फिर बेहतर ईलाज के लिए नरकटियागंज ले गए। गौरतलब है कि एक तो रोड की बनावट जगह-जगह घुमावदार है और उसपर से यदि कोई चालक या तो नशे में हो या फिर तेज रफ्तार में वाहन चला रहा हो या फिर कोई नया चालक हो जिसे रात में समझ नही आता हो। शायद इस कारण बार-बार इन साईफन में दुर्घटना होते रहता है।

मासिक अपराध गोष्ठी का बैठक हुआ अयोजित

- थानाध्यक्ष को निर्देश देते पुलिस इंस्पेक्टर राज किशोर शर्मा

प्रात किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली अंचल पुलिस निरीक्षक कार्यालय में मासिक अपराध गोष्ठी में थानाध्यक्ष को निर्देश देते पुलिस इंस्पेक्टर राज किशोर शर्मा. पुलिस निरीक्षक कार्यालय में सोमवार को पुलिस इंस्पेक्टर राज किशोर शर्मा के नेतृत्व में मासिक अपराध गोष्ठी का बैठक किया गया. इस मासिक अपराध गोष्टी दौरान पुलिस निरीक्षक राज कुशोर शर्मा ने राजनगर थानाध्यक्ष अरविंद्र कुमार एव कलुआही के थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार एव खजौली थानाध्यक्ष सुरेंद्र पासवान को लंबित कांड को तत्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया. उन्होंने उपस्थित सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि अपने थाना क्षेत्र दिवा,संध्या एव रात्रि गश्ती के दौरान सड़क पर संद्धिग्ध व्यक्ति पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि शराब तस्करी करने वाले कारोबारी को धर पकड़ के लिए विशेष छापामारी अभियान चलाने का दिशा निर्देश दिया गया.उन्होंने कहा कि कोर्ट वारंटी,फरार अभियुक्त को अविलंब गिरप्तार कर जेल भेजने का हिदायत दिया.वही पुलिस निरीक्षक ने थानाध्यक्ष को कहा कि क्षेत्र में बढ़ती जमीनी विवाद को लेकर हो रही मारपीट खून खराबा को रोक थाम को लेकर अंचल सीओ के साथ थाना दिवस के मौके पर विवाद को निपटारा करने का आदेश दिया गया. उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र के अगल बगल में अपराधी गिरोह द्वारा अपराध की षड्यंत्र रचने वाले गिरोह को चिन्हित कर उस गिरोह में शामिल अपराधी को गिरप्तार करने की निर्देश दिया गया. अपराधी द्वारा मुख्य सड़क पर वाइक छिनतई एव लूटपाट करने वाले गिरोह को गश्ती के दौरान कड़ी नजर रखने की हिदायत दी.वही पुलिस निरीक्षक श्री शर्मा द्वारा उपस्थित थानाध्यक्ष की कांड की समीक्षा कर कांड की निष्पादन हेतु निर्देश दिया गया.उन्होंने कहा कि थाना पर। आये आम जनता की शिकायत को जांच कर तत्वरित करवाई करने का निर्देश दिया. इस बैठक के मौके पर खजौली अंचल पुलिस निरीक्षक राज किशोर शर्मा राजनगर थानाध्यक्ष अरविंद्र कुमार,कलुआही थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार,खजौली थानाध्यक्ष सुरेंद्र पासवान, पुलिस निरीक्षक कार्यालय के रीडर धर्मवीर कुमार मौजूद थे।

दिव्यांग बच्चों की सीएचसी खजौली के शिविर में हुआ जांच

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला के खजौली सीएचसी परिसर में सोमवार को दूसरे दिन दिव्यांग बच्चों की जांच शिविर सह मुल्यांकन दिव्यांगता प्रमाणीकरण एवं यूडीआईडी कार्ड निर्माण को ले शिविर का आयोजन किया गया ।

शिविर का नेतृत्व सीएचसी प्रभारी चिकित्सक डॉ ज्योतींद्र नारायण ने की. जिसमें 0-18 आयुवर्ग के लगभग 40 दिव्यांग बच्चों की दिव्यांता जांच एवं पूर्व से दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्राप्त 33 बच्चों का यूडीआईडी कार्ड का निर्माण किया गया। शिविर में जिला से विशेषज्ञ चिकित्सक आये हुए थे. शिविर में सिर आंख कान एवं शरीर के दिव्यांगता का मुल्यांकन व जांच किया गया. ईइनटी के डा. चंद्र कांत पाठक मस्तिस्क के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ श्रवण कुमार और ऑर्थो डॉ विकास एम हरिनंदन डॉ राकेश कुमार नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अविनाश कुमार डॉ रवि कुमार डा. निखिल कुमार डॉ विकास कुमार डॉ रमेश पासवान ने दिव्यांगता का जांच किया. प्रभारी चिकित्सक ने कहा कि शिविर के अंतिम दिन छूटे हुए बच्चा शिविर में आकर इसका लाभ लिया गया। इसके 0-18 आयुवर्ग के बच्चों का निबंधन कराना होगा. बच्चा का दिव्यांगता प्रमाण पत्र बना हुआ है उनका यूडीआईडी कार्ड बनाया गया है. वही सीएचसी के दिव्यांग नोडल पदाधिकारी अरविंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि दिव्यांग प्रमाण पत्र बने हुए को सीएचसी से उपलब्ध करा दिया जाएगा.मौके पर सहायक नेत्र डा. अशोक कुमार दिव्यांग नोडल पदाधिकारी अरविंद कुमार मिश्रा नेत्र सहयोगी नितीश कुमार सत्यम कुमार ललित कुमार गीता कुमारी नरेंद्र प्रताप फूल चंद्र यादव जफीर हसन तेज नारायण सहित अन्य मौजूद थे।

खपरिया पुल के पास से पुलिस को मिली बड़ी सफलता भारी मात्रा में शराब हुई बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो (जमुई)/थाना क्षेत्र अंतर्गत शराब कारोबारियों के खिलाफ बीते रात पुलिस प्रशासन ने बड़ी सफलता अर्जित की, सोनो थाना प्रभारी चितरंजन कुमार दिनांक 2 जुलाई की रात्रि 10:00 बजे गस्ती गृह रक्षक सिपाही के साथ प्रस्थान किए, गस्ती के क्रम में मध्य रात्रि 2:30 पर सूचना मिली कि एक सफेद रंग की गाड़ी शराब से लैस सो नो की ओर जा रही है, सूचना मिलने के उपरांत खपरिया चौक के समीप वाहनों की जांच पड़ताल प्रारंभ की गई, कुछ ही समय पश्चात एक सफेद रंग की टोयोटा कार वहां पहुंची जो चकाई से आ रही थी। राष्ट्रीय राज्य मार्ग पर पुलिस द्वारा वाहनों की चेकिंग देख वाहन चालक ने गाड़ी भगाने का प्रयास किया जिसे मौजूद पुलिस बल ने मुस्तैदी दिखाते हुए बलपूर्वक रोका , चालक और उसमें बैठे व्यक्ति से पूछताछ करते हुए जब वाहन की जांच की गई तो वाहन में मैकडॉवेल नंबर वन प्रीमियम व्हिस्की की 375' और 350' पाउच की कुल 131.250 लीटर विदेशी शराब हुई। शराब के साथ गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान सहरसा थाना क्षेत्र के महेशी निवासी महेंद्र राम के पुत्र अनिल कुमार राम और दरभंगा थाना क्षेत्र जमालपुर निवासी श्यामनंदन चौपाल के पुत्र नीतीश कुमार के रूप में की गई । शराब तस्करी के लिए प्रयोग की जा रही टोयोटा कोरोला कार भी बरामद की गई जिसकी पंजीयन संख्या बीआर07अड2527 है। छापेमारी टीम में पुलिस अवर निरीक्षक चितरंजन कुमार ,पुलिस अवर निरीक्षक राजेश कुमार, चालक यमुना यादव और गिरी रक्षा वाहिनी के सिपाही शामिल थे।

गुरु पूर्णिमा पर तांत्रिक काली मंदिर द्वारा विशेष पूजन एवं शोभा यात्रा का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। सीमावर्ती शहर रक्सौल स्थित तांत्रिक काली मंदिर में गुरु पूर्णिमा धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में विशेष पूजन महोत्सव का आयोजन किया गया, जहां देश-विदेश से भक्त पहुंच अपने गुरु सेवक संजय नाथ से दीक्षा ली। तत्पश्चात वामाचार्य सेवक संजय नाथ के नेतृत्व में साधु महासम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशाल शाही शोभा यात्रा भी निकाली गई। जिसमें हजारों साधु संत, गुरुनाथ अखाड़ा के नागा साधुओं के साथ गाजे-बाजे के द्वारा नगर भ्रमण किया गया, जबकि शाम को धर्म संसद का आयोजन कर देश को हिंदू राष्ट्र बनाने, गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने जैसे कई मुद्दों पर चर्चा किया। वही गाय को राष्ट्रीय पशु तथा नेपाल को भी हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग की गई। मौके पर मुक्तिनाथ उर्फ अल्टर बाबा, अभिषेक वर्मा, राजीव जायसवाल, अनिल कुमार सिन्हा, सत्यप्रकाश गुप्ता, राजेश त्रिपाठी, स्वयंभू शलभ सहित सैकड़ों साधु व अन्य मौजूद थे।

ॐ साई राम जय श्री राम के जयकारें से भक्तिमय हुआ जयनगर क्षेत्र

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कमला बांध साईं नगर स्थित श्री शनि साईं धाम मन्दिर में हर्षोल्लास धूमधाम के साथ धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन कर श्रद्धालुओं के द्वारा गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया गया।मंदिर और मंदिर में स्थापित साईं बाबा और भगवान शनि देव की प्रतिमा को भव्यता से सजाया गया । साईं का मनोरम श्रृंगा एवं झांकी आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। मन्दिर के पुजारी विमल झा के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण और विधि विधान के साथ पूजा पाठ आरती की गई । साईं नगर परिसर से रिमझिम वर्षा के बीच बैंड बाजे के साथ हाथों में ध्वज लिए साईं का सजा हुआ रथ की झांकी के साथ साईं बाबा की भव्य साईं की पालकी शोभायात्रा निकाली गई। साई की पालकी शोभायात्रा यात्रा मन्दिर परिसर कथा स्थल से शुरू होकर नगर भर्मण कर पुनः मन्दिर परिसर पहुँची। साईं की पालकी की झलक पाने और पालकी को अपने कंधों पर लेने को लेकर लोगों की काफी भीड़ देखी गई।सड़क किनारे खड़े लोगों के द्वारा पालकी की पूजा कर साईं बाबा की पालकी पर लोगों के द्वारा फूल बरसाया जा रहा था। शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु हाथों में ध्वज लिए ढोल नगारों शंख के धुन पर झूमते नाचते द्वारा ॐ साईं राम जय श्री राम जय शनिदेव के जय कारें जय घोष लगाया जा रहा था। उद्घोष जयकारें से क्षेत्र गुंजयमान और धार्मिक अनुष्ठान आयोजन से क्षेत्र भक्तिमय हो गया।विशेष पूजा पाठ के साथ संगीतमय साईं कथा का वाचन किया गया। कथा के माध्यम से साईं बाबा और शनिदेव की पूजा अर्चना उनकी कृपा लीलाओं का वर्णन कर विस्तृत जानकारी दी। शाम में महाप्रसाद विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। मुख्य उद्देश्य सभी मंगल कामना विश्व मे शांति महामारी और विवादों से हम सभी की रक्षा आपसी प्रेम सद्भाव भाई चारा को ले आयोजित की गई हैं। मौके पर मदन गुप्ता, राजेश गुप्ता, श्रवण नायक,अशोक गुप्ता, वीरेंद्र गुप्ता, राकेश गुप्ता,कैलाश गुप्ता,विक्की साह,संजय पँजियार, दीपक मुरारका,सुनील यादव,श्याम गुप्ता, गोपाल गुप्ता ,दीपक साह ,छोटू , श्रीकांत दोबर , समेत कई महिला पुरूष युवा युवती श्रद्धालु कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय दिखें। वही धार्मिक पालकी शोभायात्रा धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम में श्रद्धालुभक्तजनों ने भाग लिया।

मजबूत जनाधार को ले महेश्वरी गांव में प्रखंड इकाई बीजेपी ने चलाया जनसंपर्क अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो (जमुई)/भारतीय जनता पार्टी की प्रखंड इकाई द्वारा क्षेत्र में पार्टी की मजबूती और जनाधार बढ़ाने के उद्देश्य से दिनांक 25 जून से लगातार जनसंपर्क अभियानो के प्रयासों में लगी है। भारतीय जनता पार्टी के वर्तमान प्रधानमंत्री द्वारा विगत 9 वर्षों से देश के विकास के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों के मद्देनजर हर तबके तक जनसंपर्क अभियान दचला मुख्यधारा में जोड़ने का विशेष प्रयास प्रखंड महेश्वरी मंडल अध्यक्ष मुकेश पांडे के नेतृत्व में किया जा रहा है, जिसके तहत सारेबाद पंचायत, रजौन, बिशनपुर और लालीलेवार पहुंच ग्रामीणों, बुद्धिजीवी और युवाओं के बीच भारतीय जनता पार्टी के जनाधार को अधिक से अधिक बढ़ाने के प्रयासों की कड़ी में महामंत्री नरेंद्र पांडे , मुन्ना सिंह, रामू सिंह, पिंटू यादव, प्रकाश शर्मा ,शंकर राय और सत्येंद्र साहू अपने ईमानदार प्रयासों में कार्यरत हैं। महेश्वरी मंडल अध्यक्ष मुकेश पांडे द्वारा अब तक सैकड़ों से अधिक ग्रामीणों तक पहुंच बना अभियान को सफल बनाने का प्रयास किया जा रहा।

डीएम ने की अपील जलजमाव वाले क्षेत्रों नदियों के किनारे जाने से बचे

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने इधर कुछ दिनों से जिले में डूबकर मरने की घटनाओं को देखते हुए जल जमाव वाले क्षेत्रों एवम नदियों के किनारे नही जाने की अपील किया है,साथ ही बच्चों को भी दूर रखने की अपील किया है। उन्होंने जिले वासियों से अपील करते हुऐ कहा है कि भारी वर्षा होने की स्थिति में लोग घर मे ही रहे। नदियों तालाबो आदि का जलस्तर बढ़ा हुआ है साथ ही वर्षा के दिनों में कई जगहों पर जल जमाव भी हो जाता है। अतः बहुत जरूरी होने पर ही घर से निकले। जल जमाव वाले क्षेत्रों एवम नदियों के किनारे जाने से बचें साथ ही अपने बच्चों को भी जल जमाव क्षेत्रों एवम नदियों के किनारे जाने से रोके। गौरतलब हो कि पिछले दिनों में लगातार डूबने की घटना प्राप्त हो रही है। बचने के उपायः 1. अपनी और अपने बच्चों की बचाएं जान। 2. नदियों-तालाबों में न धोएं बर्तन-कपड़े एवं न करें स्नान। 3. डूबते हुए की तरफ रस्सीधोतीसाड़ी या बांस फेंके। 4. डूबे हुए व्यक्ति को तुरंत ऑक्सीजन उपलब्ध करवाएं ।5. ऑक्सीजन न मिले तो मुंह से स्वांस दें। 6. पेट में भर गया हो पानी तो पेट के बल लिटाकर दवाब दें जिससे पानी निकल जाए फिर जल्दी अस्पताल ले जाएँ ।थोड़ी सी सावधानी बरतकर आपदा से बचाव कर सकते है।

एसबीआई ने देश भर में लॉन्च किए 34 ट्रांजेक्शन बैंकिंग केंद्र

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने ग्राहकों को त्वरित और कुशल लेनदेन बैंकिंग सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से देश भर के शीर्ष 21 जिला केंद्रों पर 34 ट्रांजेक्शन बैंकिंग हब लॉन्च किए हैं। इनका उद्घाटन बैंक के 68वें स्थापना दिवस के अवसर पर एसबीआई के चेयरमैन श्री दिनेश खारा ने किया। ट्रांजेक्शन बैंकिंग सेवाओं और चालू खाते से जुड़े ऑफर्स में बदलाव संबंधी प्रयासों के तहत बैंक का लक्ष्य सभी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना और एक छत के नीचे उनके लेनदेन, भुगतान और संग्रह संबंधी जरूरतों के लिए व्यापक समाधान प्रदान करना है। नए लॉन्च किए गए हब में प्रॉडक्ट स्पेशलिस्ट तैनात किए जाएंगे, जो बिजनेस कस्टमर्स को उनकी अन्य वित्तीय सेवा संबंधी आवश्यकताओं में भी सहायता करेंगे। इसके लिए वे अन्य व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों और सहायक कंपनियों के साथ निर्बाध कनेक्टिविटी को सक्षम करते हुए एसबीआई समूह के भीतर पावर ऑफ वन का लाभ उठाकर ग्राहकों की सहायता करेंगे।

संघमित्रा एक्सप्रेस एवं बागमती एक्सप्रेस रामगुंडम स्टेशन पर ठहराव

पटना। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर गाड़ी सं. 12295 एसएमभीटी बेंगलूरू-दानापुर संघमित्रा एक्सप्रेस एवं 12578 मैसुर-दरभंगा बागमती एक्सप्रेस का रामगुंडम स्टेशन पर, गाड़ी सं. 22669 एणार्कुलम-पटना एक्सप्रेस का खम्मम, रामगुंडम एवं मंचिर्याल स्टेशनों पर तथा गाड़ी सं. 12522 एणार्कुलम-बरौनी राप्तीसागर एक्सप्रेस का चीराला स्टेशन पर प्रायौगिक आधार पर 01 मिनट का ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया हैः 05 जुलाई से एसएमभीटी, बेंगलूरू खुलने वाली गाड़ी सं. 12295 एसएमभीटी बेंगलूरू-दानापुर संघमित्रा एक्सप्रेस 02.09 बजे रामगुंडम स्टेशन पहुंचेगी और 02.10 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी । 07 जुलाई से मैसुर खुलने वाली गाड़ी सं. 12578 मैसुर-दरभंगा बागमती एक्सप्रेस 06.44 बजे रामगुंडम स्टेशन पहुंचेगी और 06.45 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी । 08 जुलाई से एणार्कुलम खुलने वाली गाड़ी सं. 22669 एणार्कुलम-पटना एक्सप्रेस 21.39 बजे खम्मम स्टेशन पहुंचेगी एवं 21.40 बजे आगे लिए प्रस्थान करेगी तथा 00.29 बजे रामगुंडम स्टेशन पहुंचेगी और 00.30 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।इसी तरह यह 00.49 बजे मंचिर्याल स्टेशन पहुंचेगी तथा 00.50 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी । 07 जुलाई से एणार्कुलम खुलने वाली गाड़ी सं. 12522 एणार्कुलम-बरौनी राप्तीसागर एक्सप्रेस 03.59 बजे चीराला स्टेशन पहुंचेगी और 04.00 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।

संक्षिप्त खबरें

कुख्यात कपिल यादव चढ़ा पुलिस के हत्थे

नाथनगर (भागलपुर)।मधुसुदनपुर थाना क्षेत्र इलाके से टॉप टेन में दर्ज नामचीन अपराधियों में एक कुख्यात कपिल यादव को पुलिस ने देर रात गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त कर ली है। वहीं इलाके में देर रात चलाए गए विशेष अभियान के दौरान पांच कुर्की वारंटी सहित एक व्यक्ति को शराब के नशे में गिरफ्तार किया गया है। वही मामले को लेकर बताया जा रहा है कि गिरफ्तार कुख्यात अपराधी कपिल यादव के विरुद्ध जिले के विभिन्न थानों में हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी सहित अन्य कई गम्भीर मामले दर्ज हैं। अपराधी कपिल की गिरफ्तारी को बड़ी सफलता के रूप में पुलिस देख रही है। वही इसके अन्य साथियों के बारे में भी पुलिस के द्वारा गिरफ्तार शातिर अपराधी कपिल से पूछताछ कर रही हैं। वही इसके अन्य साथियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम जल्द ही छापेमारी करने की रणनीति तैयार करने में जुट गई है।

श्रावणी मेला का उद्घाटन आज, तैयारी पूरी

भागलपुर।विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला का उद्घाटन कल 3:30 बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री आलोक कुमार मेहता, कृषि विभाग के मंत्री कुमार सरबजीत, कला संस्कृति मंत्री जितेंद्र कुमार राय, लोक स्वास्थ्य मंत्री ललित यादव के साथ कई स्थानीय सांसद, विधायक, विधान पार्षद सहित जिले के कई वरीय अधिकारी के द्वारा संयुक्त रूप से किया जाना है, जिसको लेकर सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। उद्घाटन तैयारी को लेकर सुल्तानगंज नगर परिषद क्षेत्र में भागलपुर जिला अधिकारी समेत कई पदाधिकारी तैयारी का जायजा लगातार ले रहे हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने बताया कि इस बार गंगा घाट पर एसडीआरएफ की तैनाती के साथ साथ मेला क्षेत्र की निगरानी के लिए डेढ़ सौ सीसीटीवी कैमरे, 7 अस्थाई थाना का भी निर्माण कराया गया है। वही जिलाधिकारी ने कहा कि इस बार मेले के आयोजन को लेकर एक नई शुरूआत की गई है, गंगा सहित मेला क्षेत्र प्लास्टिक मुक्त की शुरूआत की गई है।

अवैध हथियारों के साथ हाजीपुर स्टेशन पर आरोपी धराया

मुंगेर।बिहार में रेल मार्ग के रास्ते तस्करी कर लाये जा रहे हथियारों की बड़ी खेप का पकड़े जाने से खुलासा हुआ है ।रेल पुलिस ने भारी मात्रा में हथियारों के साथ आर्म्स डीलर को गिरफ्तार किया है. यह कार्रवाई हाजीपुर में रेलवे स्टेशन पर हुई है. मिली जानकारी के अनुसार हाजीपुर में रेल पुलिस अपने रूटीन चेकिंग कर रही थी।इस दौरान उन्हें एक बड़े बैग के साथ जा रहे व्यक्ति पर शक हुआ। आरपीएफ के जवानों ने बैग की जांच की तो इस सख्स का पूरा बैग अवैध हथियारों से भरा मिला। आरोपी मुंगेर जिले के पुरानीगंज का रहने वाले सोनू कुमार अग्रवाल है, जो काले काले भूरे रंग के बैग के साथ पकड़ा गया है.इसके बैग से भारी संख्या में हथियार बरामद हुआ है।हथियारों की इस खेप को पकड़ने के बाद आनन फानन में बड़े अधिकारियों को खबर दी गई और बरामद हथियार और आर्म्स डीलर की पड़ताल शुरू हुई।आरोपी ने बताया कि वह मुंगेर का रहने वाला है और गोरखपुर के रास्ते मुंगेर जा रहा था।

श्रावणी मेला को लेकर बैठक

असरगंज।तारापुर डीएसपी पंकज कुमार की अध्यक्षता में असरगंज थाना परिसर में श्रावणी मेला के विधि व्यवस्था को लेकर बैठक का आयोजन किया गया।इस बैठक में असरगंज थाना अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार व सभी पुलिसकर्मी मौजूद थे। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पंकज कुमार के द्वारा श्रावणी मेला को देखते हुए कांवरियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए असरगंज थाना क्षेत्र के 5 स्थानों पर पुलिस कैम्प लगाया जा रहा है, साथ ही उस कैम्प में 24 घंटे पुलिस मौजूद रहेंगे ।

घोटाला और भ्रष्टाचार का खुला उल्लंघन हो रहा है : भाजपा प्रखंड अध्यक्ष

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग बिहार सरकार द्वारा संचालित मुंगेर जिला के हवेली खड़गपुर अवस्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में बड़े पैमाने पर घोटाला, भ्रष्टाचार और नैतिकता का खुला उल्लंघन प्राचार्या के द्वारा किया जा रहा है।राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के कार्यस्थल पर महिलाकर्मी का शारीरिक शोषण किया जा रहा है। उपर्युक्त बातें हवेली खड़गपुर प्रखंड उत्तरी के भाजपा के प्रखंड अध्यक्ष विद्यानंद चौधरी ने एक भेंटवार्ता में कहा है। श्री चौधरी ने बिहार की महा गठबंधन सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री और सचिव पर आरोप लगाते हुए कहा है कि हवेली खड़गपुर के रमणकाबाद पॉलिटेक्निक कॉलेज मुंगेर (तीन) में वर्ष 2018 से प्रतिमाह 24 हजार रुपए फर्जी गार्ड और सफाई कर्मी के नाम पर सितंबर 2022 तक निकासी किया गया है। भाजपा नेता ने कहा कि इसकी शिकायत विभाग के मंत्री और सचिव को लोगों ने किया है।

यातायात व्यवस्था को लेकर सात जगहों पर बने हैं बस पड़ाव स्थल

आगन्तु कांवड़िया के निगरानी व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर 39 ड्रॉप गेट व बेरिकेटिंग स्थल चिन्हित

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)।सुल्तानगंज नगर परिषद क्षेत्र में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं व कांवड़ियों को कोई असुविधा ना हो इसको लेकर स्थानीय जिला पुलिस प्रशासन ने विशेष ध्यान रखा है। वही यातायात व्यवस्था को लेकर मेला क्षेत्र अंतर्गत सात जगहों पर बस पड़ाव स्थल बनाया है। जिनमें सुल्तानगंज प्रखंड कार्यालय परिसर, एके गोपालन कॉलेज मैदान, कमरगंज मसदी के पास, राजगंज बस पड़ाव, खादी ग्रामोद्योग बस पड़ाव, तिलकपुर गांधीनगर मैदान, और मसदी पीर बाबा के स्थित बगीचा में बस पड़ाव बनाये गये हैं। भागलपुर की ओर से आने वाली बड़ी बड़ी वाहनों और बसों को प्रखंड कार्यालय परिसर में रोके जाने है। तारापुर से सुल्तानगंज जाने या सुल्तानगंज से आने जाने वाले का एक के गोपालन मैदान, तो मुंगेर से आने वाले वाहनों का कमरगंज मसदी के पास ठहराव होगा, साथ ही सुल्तानगंज तारापुर मुख्य मार्ग के लिए राजगंज बस पड़ाव सुनिश्चित किया गया है।

39 जगहों पर ड्रॉप गेट व बैरियर की रहेगी व्यवस्था: कांवड़िया आगम के लिए उन मेला क्षेत्र में 39 जगहों पर ड्राप गेट और बैरियर की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसमें थाना चौक, सुल्तानगंज प्रखंड कार्यालय परिसर के सामने, बाजार चौक, जयनगर बगीचा, बालू घाट मोड़, जहाज घाट, सीढी घाट, बूढानाथ मंदिर, अजगैबीनाथ मंदिर उत्तर द्वार, पश्चिमी द्वार, गर्भगृह के बाहर, सीढी घाट से अजगैबीनाथ मंदिर पैदल पुल पर, स्टेशन रोड, कृष्णगढ़ चौक, घोरघाट, जहांगीरा मंदिर, गनगनिया मोर, मिथिलेश पेट्रोल पंप,7 आरओबी के बीच, दक्षिणी छोर पर, उत्तरी छोड़, एके गोपालन कॉलेज, कटपुलवा संख्या 1, 2 व 3, नॉनसर मोड़, आसियाचक मोड़, कमरॉय चौक, मसदी के पार्किंग स्थल, शंभूगंज मोर, धाधी बेलारी नियंत्रण कक्ष, कृष्णगढ़ से घाट, जाने वाले रास्ते में राधा मंदिर, रेलवे स्टेशन, कृष्णगढ़ से मुंगेर के रास्ते में स्थित आईबी में, आरओबी के नीचे और मेन मार्केट चौक समेत 39 जगहों पर ड्राप गेट और बैरियर की व्यवस्था की बनाई गई है, ताकि कांवड़ियों व श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार के दिक्कतों का सामना ना करना पड़े और वाहन मेला क्षेत्र में प्रवेश ना करें, जिसको लेकर पुलिस बल की तैनाती करने के साथ चिन्हित स्थलों पर पुलिस पदाधिकारी व जवानों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है।

अपराध की योजना बना रहे 7 अपराधी हुआ गिरफ्तार

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में अपराधियों के कारनामों से पुलिस गुंडा पंजी रजिस्टर अपटूडेट नही रहने के कारण लगातार नये अपराध की दुनिया में नशेड़ियों का होड़ लगी हुई है। इसी कड़ी में बबरगंज थाना क्षेत्र के सकुरलाचक मोहल्ले के समीप मस्जिद के पास से देर रात बबरगंज थाना प्रभारी राज रतन और सीआईटी की टीम के द्वारा छापामारी कर अपराध की योजना बना रहे सात अपराधियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जिनके पास से पुलिस ने तलासी लिये जाने के क्रम में एक 9एमएम पिस्टल और 8 जिंदा कारतूस भी बरामद किये हैं। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि संबंधित पुलिस थाना प्रभारी को गुप्त सूचना मिली थी कि मस्जिदों में अवैध रूप से कुछ अपराधी तत्वों के लोगों का जमावड़ा लगा हुआ है जहां उक्त अपराध कर्मियों द्वारा किसी अपराध की योजना के तहत तैयारी कर रहे हैं और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने वाले हैं। जिसकी जानकारी प्राप्त होते ही पुलिस टीम ने ततपरता के साथ त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित सूचना स्थल पर पहुंची जहां पर सत्यता की जांच करने के साथ ही पुलिस ने घेराबंदी करते हुए 7 लोगों को अपराध की योजना बनाते हुए गिरफ्तार किया गया है। वही पुलिस के गिरफ्त में आए एक अपराधी रुस्तम पूर्व से ही कई कांडों में शामिल रहा है। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। वही सभी से पुलिस गहन पूछताछ के बाद सभी अपराधियों को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

मांग को लेकर लगातार 27वें दिन भी जारी रहा धरना प्रदर्शन

भागलपुर। बिहार कृषि समन्वयक कार्य समिति पटना के द्वारा भागलपुर जिला इकाई के नेतृत्व में लगातार 27 वें दिन भी जनसेवक में समायोजन को लेकर प्रदर्शन जारी रहा है। वही प्रदर्शनकारीयों की मांग हैं कि वेतनमान में संशोधन किया जाय, ग्रेड पे 28सौ से उत्क्रमित करते हुए 48सौ का भुगतान मानदेय किया जाय, और कार्य हित एवं राज्य हित में पदनाम को कृषि विकास पदाधिकारी (एडीओ) का किया जाय, सहित कई अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शनकारियों का लगातार 27 वें दिन भी कृषि विभाग भागलपुर परिसर में धरना प्रदर्शन जारी है। अब प्रदर्शनकारियों का रोश इतना बड़ा है कि सभी आक्रोशित दिख रहे हैं, वहीं प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारी बिहार कृषि समन्वयक कार्य समिति भागलपुर इकाई के जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार ने कहा कि अगर हम लोगों की बातें, नहीं मानी गई तो आगामी 12 जुलाई को विधानसभा का घेराव किया जाएगा।

अजगैबीधाम नगरी गेरुआ वस्त्र धारियों से पटा, माहौल हो उठा आध्यात्मिक

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। सुल्तानगंज के पूरे क्षेत्र इलाके में श्रावणी मेला की शुरूआत हो गई है। गुरु पूर्णिमा को लेकर चारो ओर बोल बम के जयकारों की गूंज सुनाई देने लगी है। कांवरिया पथ गेरुआ वस्त्र धारियों से पट गया हैं। वही कावड़िया के आने का सिलसिला अनवरत जारी है। पूरा अजगैबी नगरी का माहौल अध्यात्मिक हो गया है।

कावड़िया का हुजूम उत्तरवाहिनी गंगा तट से जल भर कर बाबा बैजनाथधाम की ओर 100 किलोमीटर की दूरी के सफर में बाबा के जयकारों के नाचते गाते झूमते हुए जा रहे हैं। अजगैबीनाथ गंगा घाट से लेकर कांवरिया पथ मार्ग बाबा बैजनाथ, बोल बम के जयकारे सहित कांवर के रुनझुन से सराबोर हो उठा है। हर तरफ आस्था का सैलाब देखने को मिल रहा है। पूर्णिमा को लेकर सोमवार को भी हजारों काँवरिया गंगा जल भर संकल्प करा बाबा धाम की ओर रवाना हुए है। वही शिव भक्तों का कहना है कि जो भी7 भक्त सच्चे श्रद्धा भाव से बाबा को सावन में जल अर्पित करते हैं, बाबा उनकी मुरादें पूरी करते हैं, जिस वजह से लगातार भक्तों का जन सैलाब उमड पड़ा है और निरंतर बाबा धाम की ओर रवाना हो रहे हैं।

मेले का उद्घाटन कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचेंगे कई विभाग के मंत्री: श्रावणी मेला की चर्चा प्रसिद्धि देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी है। जिसको लेकर प्रशासनिक स्तर से तैयारी में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। मेला 4 जुलाई से शुरू होकर 2 महीने तक यानी 31 अगस्त तक जारी रहेगी। वही मेला का उद्घाटन नमामि गंगे घाट पर विधिवत रूप से किया जाएगा। बिहार सरकार के राजस्व, पीएचडी एवं जिले के प्रभारी मंत्री के आने की स्वीकृति मिल गयी है। जिसको लेकर अजगैबीनाथ धाम स्थित भव्य पंडाल बनाया गया है। जिसमें हजारों लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ-साथ उद्घाटन समारोह में सुप्रसिद्ध गायक कैलाश खेर शिरकत करेंगे। जिस वजह से अपार भीड़ होने की संभावना जताई जा रही है। कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता7 इंतजाम किए गए हैं। घाट परिसर में मेडिकल, पुलिस कैंप, सूचना केंद्र के लिए छोटे-छोटे पंडाल बनाए गए हैं साथ ही आगन्तु कलाकारों के लिए दो ग्रीन रूम की भी व्यवस्था की गई है। वही डाक बम को पर्चा देने के लिए 23 काउंटर बनाए गए हैं। नमामि गंगे घाट पर महिला काँवरिया के लिए अस्थाई चेंजिंग रूम का निर्माण कराया गया है। इसके अलावा नगर परिषद एवं पर्यटन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से अस्थाई चेंजिंग रूम बनाया है। वही गंगा घाट की खतरनाक व नुकीले स्थिति को लेकर घाटों पर लगातार जियो बैग डालकर संबंधित विभाग पूरी तरह से तैयार करते हुए नजर बनाए हुए हैं। ताकि कावड़िया को कोई असुविधा ना हो और कोई अप्रिय घटना घटित न हो इसके लिए जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन की टीम लगातार निगरानी करने में जुटी हुई हैं।

गुरु पूर्णिमा पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। गुरु पूर्णिमा को लेकर भागलपुर सहित के आसपास के कई ग्रामीण क्षेत्रों इलाके से लोगों की भीड़ बरारी स्थित कुप्पा घाट परिसर में उमड़ पड़ी। वही कार्यक्रम को लेकर कहा जाता है कि गुरु का मतलब है, अंधकार के भवर से निकाल कर प्रकाश की राह की ओर ले जाने वाले गुणी श्रेष्ठ को ही गुरु कहा जाता है। वही इस पावन अवसर पर उन्हें आज सभी शिष्यों ने सच्चे भाव से नमन कर उन्हें याद किया। महर्षि मेंही आश्रम कुप्पाघाट भागलपुर तीर्थ स्थल में अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी, देखते ही देखते श्रद्धालुओं की विशाल भीड़ ऐसी उमड़ी की उन्हें पंक्तिबध करने में आश्रम के लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, सभी श्रद्धालुओं के लिए अखिल भारतीय संतमत सत्संग महासभा के अधिकारी दिव्य प्रकाश, महामंत्री उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव एवं सभी सदस्यों द्वारा पर्याप्त भोजन व श्रद्धालुओं के रहने की व्यवस्था और ध्यान साधना की उत्तम व्यवस्था की गई थी। आस्था के केंद्र महर्षि मेंही परमहंस जी महाराज के ध्यान स्थल कुप्पाघाट में सभी आगन्तु श्रद्धालुओं ने ध्यान साधना के साथ अपने श्रेष्ठ गुरु को याद किया। कई जगहों से आए हजारों श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर अखिल भारतीय संतमत सत्संग महासभा के अधिकारियों द्वारा स्वास्थ्य पेयजल भोजन व प्रसाद के कई स्टाल लगाए गए थे। गुरु पूर्णिमा पर शहर में पूरे दिन ज्ञान की धारा बहती रहे, कहीं अष्टयाम संकीर्तन हो रहे थे, तो कहीं वक्ताओं ने गुरु ही धर्म है, गुरु ही पूजा है, गुरु ही परमात्मा है, जैसे शब्दों को विस्तार से बता रहे थे। इस मौके पर कुप्पाघाट परिसर में श्रद्धालुओं ने इस ज्ञान की गंगा का रसपान किया।

मेला क्षेत्र को 15 सेक्टर में किया तब्दील

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मेला क्षेत्र में सादे लिबास में भी पुलिस रहेगी तैनात : एसपी

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)।सुल्तानगंज नगर परिषद क्षेत्र में मेला आयोजन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुख्ता इंतेजाम किये गये है। जिला क्षेत्र अंतर्गत पड़ने वाले संपूर्ण मेला क्षेत्र को 15 सेक्टरों में बांटा गया है। हर सेक्टर का मुख्यालय में नियंत्रण कक्ष होगा। इनमें से कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अधिक भीड़ को देखते हुए एवं मुख्य थाना से दूरी को देख अस्थाई थाना का निर्माण कराया गया है। वही कावड़िया व श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर मेला मार्ग क्षेत्र इलाके सात अस्थाई थाने बनाये गये है। जिससे क्षेत्र में विधि व्यवस्था संभालने एवं अपराध नियंत्रण पर प्रभावी तरीके से पुलसिंग व्यवस्था में सुविधा मिलेगी।

खुल रहा है अस्थाई थाना चौकी: कावड़िया की भीड़ एवं सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से रामपुर, कमराय चौक, धाधी बेलारी, ब्लॉक परिसर, कृष्णगढ़, सीधी घाट, जहाज घाट, असियाचक, कठपुलवा(3) के निकट सात अस्थाई थाना पुलिस चौकी बनाये गए हैं। जिसमें सुरक्षाकर्मी व पुलिस पदाधिकारी को नियुक्ति के साथ 24 घंटे सिप्ट बार कार्य करने को लगाया गया है। साथ ही इनसे संबंधित थानाध्यक्षों को निर्देश मिला है कि आवंटित क्षेत्र में अपने अपने थाने की पुलिस पदाधिकारियों व बल एवं संसाधन का उपयोग कर सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था के साथ अपराध नियंत्रण पर प्रभावी तरीके से कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। जिसको लेकर रविवार देर रात भागलपुर एसएसपी जिले के तमाम प्रशासनिक पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जानकारी दी, साथ ही कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखने का निर्देश दिये गये थे। वही मेला क्षेत्र के सम्पूर्ण घाट परिसर क्षेत्रों को इस बार एसएसबी के हाथों में सौंपा गया है, ताकि सुरक्षा और सुदृढ़ तरीके से बेहतर हो सके।

परेशान जिंदगी से तंग हो युवक ने विक्रमशिला पुल से गंगा नदी में लगाई छलांग

जीवन जागृति सोसायटी के जीवन रक्षक टीम की ततपरता से गोताखोर ने बचाई जान,

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। विक्रमशिला पुल से एक युवक ने दोपहर में छलांग लगा दी। वही गुरु पूर्णिमा होने के चलते बरारी घाट पर श्रद्धालुओं की काफी संख्या में चहल-पहल रहने के कारण मौके पर मौजूद जीवन जागृति सोसाइटी के जीवन रक्षक ग्रुप के कार्यकताओं की नजर पड़ते ही त्वरित एक गोताखोर ने गंगा के तेज बहाव में डूबते हुए युवक को गंगा की तेज धारा से निकाल कर बाहर निकाल कर पानी से बाहर लाया गया। वही युवक की हालत सही सलामत बतायी जा रही है लेकिन जब उससे बात की गई तो उस युवक ने कहा मैं अनाथ हूं ना तो मुझे मां पिताजी हैं और ना ही मेरे ऊपर किसी का सहारा है। मैं कई वर्षो से अपने पेट के रोग से परेशान हूं काफी खर्च हो रहा है, डॉक्टर ने भी जवाब दे दिया है, मैं अपनी बहन के पास रहता हूं वह भी कितना करेगी। अपने जीवन से तंग आकर मैंने यह फैसला लिया और विक्रमशिला पुल के दूसरे पाये के बीच से छलांग लगा कर खुदकुशी करने का प्रयास किया। वही जीवन जागृति सोसाइटी के तहत चलने वाले जीवन रक्षक टीम हर गंगा घाटों पर उपलब्ध है, जिसकी ततपरता के कारण विक्रमशिला पुल से कूदे युवक को गंगा स्थल पर मौजूद महलदार के सहयोग से बचा लिया गया। उसके बाद जब जीवन जागृति सोसायटी के अध्यक्ष डॉक्टर अजय सिंह उस युवक से मुलाकात करने पहुंचे तो उस युवक ने बताया कि मेरे माता-पिता नहीं है और मैं अपनी बहन के पास रहता हूं और मुझे पेट की गम्भीर बीमारी है मैं विगत कई वर्षो उक्त बीमारी से ग्रसित हूं मेरी बहन ही मेरा ख्याल रखती है, लेकिन वह कितना ख्याल रख पाएगी, मैं जीवन से तंग आकर खुदकुशी की सोच के साथ विक्रमशिला पुल से छलांग लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लूँ और मैंने छलांग भी लगा दी थी, लेकिन वही यहां एक गोताखोर ने मुझे निकाल लिया। वहीं इसी बाबत डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि आज के समय में ऐसे कई युवक अपने समाज में परेशान हो कर चल रहे हैं चाहे उसकी कोई भी परेशानी हो लेकिन इस युवक ने जो किया है यह सही नहीं है, वही उन्होंने कहा जीवन जागृति सोसायटी की ओर से इस युवक को रोजगार भी दिया जाएगा और जहां तक संभव हो सकेगा, इसका उचित इलाज भी कराया जाएगा।

बीएड की छात्रा ने की खुदकुशी

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। बरारी थाना क्षेत्र अंतर्गत हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित जनता फ्लैट मकान नंबर 46 में एक युवती के खुदकुशी किये जाने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि अधिवक्ता शैलेश चंद्र सिंह की बड़ी बेटी मोहिता मोहिनी ने खुद के गले में फंदा डालकर खुदकुशी कर ली है।

मृतिका मोहिता मोहिनी बरारी के बीएड कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी, साथ ही आसपास के बच्चों को ट्यूशन भी पढ़ाने का काम किया करती थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना को लेकर बताया कि मृतिका मोहिता की छोटी बहन ने मृतिका मोहिता के मोबाइल फोन पर कई कॉल किए लेकिन जब उसका कॉल रिसीव नहीं हुआ तो उसे कुछ आशंका हुई और यह सूचना अपने पिता शैलेंद्र चंद्र सिंह को मोबाइल फोन पर दी। जिसके बाद उनके पिता मौके पर पहुंच कर जब देखा तो वह अपने घर के एक कमरे में फंदे से लटकी हुई मिली यह दृश्य देखकर पिता शैलेंद्र अचंभित रह गये, वही मृत्यु के कारण का अब तक स्पष्ट रूप से कुछ पता नहीं चल पाया है। वही मामले को लेकर मिली जानकारी के तहर पुलिस मौके पर पहुंच मृतिका के शव व आसपास के कमरे की शिनाख्त जांच में जुट गयी है। वही बरारी थाना पुलिस पदाधिकारी ने मृतिका के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मायागंज भेज दिया है। वही मृतिका के पिता शैलेंद्र सिंह ने घटना को लेकर बताया कि हम लोगों को इस तरह की घटना का कारण कुछ समझ में नहीं आ रहा है, आखिर क्या कारण से मेरी बेटी ने इतना बड़ा कदम क्यो उठाया है, साथ ही उन्होंने कहा कि अब पोस्टमार्टम के बाद ही मृत्यु का स्पष्ट रूप से पता चल पाएगा। वहीं इस घटना से पूरे परिवार के लोग आहत हो कोलाहल मचा हुआ है।

सांसद के प्रयास से मुंगेर की सड़कों के निर्माण की कवायद हुई शुरू : नगर अध्यक्ष

मुंगेर। मुंगेर जदयू के नगर अध्यक्ष शाहिद अख्तर उर्फ गुड्डू राइन ने प्रेस बयान के माध्यम से हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि मुंगेर शहर की बदहाल हो चुकी सड़कों की निर्माण की कवायद मुंगेर के सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के विशेष प्रयास से शुरू हो गया है । मुंगेर की जनता को बताते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि प्रथम चरण में मुंगेर नगर निगम अंतर्गत पथ निर्माण विभाग के द्वारा चंदन बाग मोड़ से खानकाह होते हुए मकससपुर होते हुए हसनगंज तक लगभग ढाई करोड़ से निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि दुसरे चरण में नगर निगम मुंगेर कार्यालय से बेकापुर होते हुए जुबली कुआं से काली ताजिया होते हुए जेपी चौक से होते हुए शास्त्री चौक तक निर्माण लगभग राशि तीन करोड़ रुपए से पूरा किया जाएगा। मो0 रायन ने कहा कि तीसरा चरण में वासुदेव पुर चौराहा से आईटीसी पार्क होते हुए चंडिका स्थान होते हुए आईटीसी अंडर रोड तक निर्माण लगभग 04 करोड़ रुपए की लागत से बनने है । इन सब की निविदा निकल चुकी है। बहुत जल्द निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा नगर अध्यक्ष गुड्डू राइन ने आगे कहा कि मुंगेर के सांसद ललन सिंह विकास कार्यो में विश्वास करते हैं मुंगेर को विकास के मानचित्र पर एक नई इबारत लिखने का कार्य सांसद ने किया है।

पटना एम्स पूर्वी भारत का सबसे बड़ा केंद्र, हर तरह के चिकित्सा सुविधा उपलब्ध : कार्यकारी निदेशक जी के पाल

देश के नामचीन चिकित्सकों ने एम्स निदेशक के एक साल के कार्यकाल को सराहा

प्रात : किरण ब्यूरो

पटना। पटना एम्स में मरीजों को काफी तेज गति से हर तरह की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा अस्पताल बन गया है। फैकल्टीज की कमी को लगभग पूरा कर लिया गया है साथ ही कई विभागों में विस्तार किया गया है। अब मरीजों को काफी कम समय में सर्जरी की सुविधा भी मिल जा रही है। मसलन लोगों को एम्स में सर्जरी और जांच के लिए लंबा समय नहीं इंतजार करना पड़ रहा है। सोमवार को कार्यकारी निदेशक डॉक्टर(प्रो.) गोपाल कृष्ण पाल के पटना एम्स में एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर एक सीएमई का आयोजन किया गया । पटना एम्स में आयोजित कार्यक्रम में देश के नामचीन चिकित्सकों ने डॉ गोपाल कृष्ण पाल के द्वारा एम्स पटना में 1 साल के भीतर किए जा रहे विकास कार्यो को काफी सराहा।

प्रथम वर्ष के पूरा होने पर, पूर्वाह्न में वृक्षारोपण कार्यक्रम और दोपहर में "एम्स पटना में स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को सशक्त बनाना" विषय पर एक सीएमई आयोजित की गई ।पिछले एक वर्ष में संस्थान की उपलब्धियों पर एक वृत्तचित्र भी जारी किया गया ।कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि, कार्यकारी निदेशक एम्स भुवनेश्वर, डॉ।(प्रो.) आशुतोष विश्वास ने किया ।उन्होंने पटना एम्स में हो रहा है विकास कार्यों की जमकर तारीफ की । आगे कहा कि जितनी तेजी से यहां मरीजों को हर तरह की सुविधाओं को उपलब्ध कराया जा रहा है यह बड़ा अनुकरणीय कदम है।

डॉ राजीव कुमार सिंह प्रोफेसर और एचओडी, फिजियोलॉजी विभाग, पीएमसीएच, पटना, अध्यक्ष एसएसी और सदस्य आईजी/आईबी एम्स पटना, प्रोफेसर टीएन सिंह ,निदेशक, आईआईटी पटना सदस्य आईजी/आईबी, एम्स पटना, डॉ माधवानंद कर कार्यकारी निदेशक (ईडी) (प्रभारी) एम्स जोधपुर और ईडी एम्स दरभंगा और डॉ मनीष मंडल, उप निदेशक प्रशासन सह चिकित्सा अधीक्षक, आईजीआईएमएस पटना ने अपने विचार व्यक्त किए ।

निदेशक एम्स ने कहा की रोलिंग विज्ञापन के माध्यम से संकाय भर्ती दो चरणों में की गयी .नवंबर 2022 से अबतक 305 स्वीकृत पदों में से कुल 223 संकाय वर्तमान में एम्स पटना में है। अब केवल 82 फैकल्टी की कमी है। जो सभी एम्स में से फैकल्टी की सबसे कम कमी है ।अब 20 ऑपरेशन थियेटर चालू कर दिये गये हैं। इसलिए विभिन्न विभागों की सर्जरी के लिए प्रतीक्षा समय काफी कम हो जाता है ।पंजीकरण काउंटरों की संख्या बढ़ाने से मरीजों पंजीकरण कराने में सुविधा हो रही है । एबीएचए-लिंक पंजीकरण को बढ़ाकर काउंटर में मरीजों के पंजीकरण की सुविधा प्रदान की गई है। एम्स पटना देश का दूसरा सबसे अच्छा एम्स है जिसके पास सबसे ज्यादा एबीएचए-लिंक रिकॉर्ड हैं और एबीडीएम-लिंक्ड स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए यह देश के सर्वश्रेष्ठ 7 अस्पतालों में से एक है ।नर्सों की संख्या में वृद्धि के साथ, डॉक्टर-रोगी अनुपात और नर्स-रोगी अनुपात में काफी सुधार हुआ है। अस्पताल में समग्र स्वास्थ्य प्रबंधन सुविधाओं में भारी वृद्धि हुई है।

इसलिए एम्स पटना को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अस्पताल 2023 में शीर्ष 90 अस्पतालों में से एक के रूप में स्थान दिया गया है। यह एक अमेरिकी आधारित समाचार एजेंसी न्यूजविक स्टैटिस्टा द्वारा आयोजित एक स्वतंत्र विश्लेषण है। चिकित्सा शिक्षा विभाग शुरू हो गया है, जो विशेष रूप से अस्पताल में पेशे और नैतिक अभ्यास के विभिन्न पहलुओं में डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के प्रशिक्षण के लिए है ।छात्रों के लिए आउटडोर स्टेडियम के रूप में एक आउटडोर खेल परिसर स्वीकृत किया गया है और निर्माण कार्य शुरू हो गया है, जो एक साल में पूरा हो जाएगा ।खेल स्टेडियम में क्रिकेट, वॉलीबॉल, फुटबॉल, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस सहित कई अन्य खेल गतिविधियों की व्यवस्था होगी ।योग चिकित्सा की सुविधाओं के साथ योग विभाग प्रक्रिया में है, जो गैर-संकाय भर्ती के माध्यम से योग चिकित्सा अधिकारी और योग प्रशिक्षक की भर्ती होने के बाद अक्टूबर महीने से काम करना शुरू कर देगा ।बर्न हॉस्पिटल का काम पूरा होने वाला है और सितंबर महीने में इसका उद्घाटन किया जाएगा.लगभग 280 उच्च स्तरीय आईसीयू बेड वाला क्रिटिकल केयर अस्पताल निर्माण की प्रक्रिया में है.यह 2 साल में पूरा कर लिया जाएगा ।न्यूरोलॉजी और कार्डियोलॉजी विभाग जो संकाय की अनुपलब्धता के कारण बंद हो गए थे। उन्होंने पूरी तरह से काम करना शुरू कर दिया है। नेफ्रोलॉजी एवं नियोनेटोलॉजी विभाग डीएम प्रोग्राम के साथ पूरी तरह से

विद्या बालन काफी मजाकिया इंसान हैं, किसी को बुलाकर कह देती हैं मैंने नहीं बुलाया

फिल्म नीयत 7 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। एक्ट्रेस शहाना गोस्वामी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म नीयत को लेकर काफी चर्चा में हैं। हाल ही में दैनिक भास्कर ने शहाना गोस्वामी से फिल्म को लेकर खास बातचीत की। फिल्म में विद्या बलान, राम कपूर. नीरज काबी, राहुल बोस, अमृता पूरी और निकी वालिया भी हैं।

फिल्म में आपको लिसा का कैरेक्टर कैसे मिला?

फिल्म के बारे में बात करते हुए शहाना ने बताया– नीयत के लिए डायरेक्टर अनु मेनन ने मुझसे कांटेक्ट किया था। इसमें जिस किरदार के लिए मुझे अप्रोच किया था वो इंटरेस्टिंग था। लेकिन, लोग जिस तरह से मुझसे उम्मीद करते हैं, वो उसी तरह का कैरेक्टर था। मैं स्क्रिप्ट पढ़ रही थी। पहले मुझे किसी और किरदार के लिए अप्रोच किया था। लेकिन, बाद में स्क्रिप्ट में थोड़ा चेंज किया गया। तब किरदार भी बदल दिया गया। मैंने डायरेक्टर से कहा कि कुछ हटकर करते हैं। स्क्रिप्ट पढ़ते समय लिसा के कैरेक्टर के बारे में ऐसा लगा कि शायद लोग सोचेंगे नहीं कि इस तरह का किरदार कभी मैं प्ले करूंगी। फिर मैंने अनु से पूछा और उन्होंने कहा कि जरूर कीजिए। लिसा मजाकिया अंदाज की लड़की है। तो ऐसे मुझे कैरेक्टर लिसा का कैरेक्टर मिला।

नीयत कैसी फिल्म है? इस बारे में कुछ बताइए?

'नीयत' मर्डर–मिस्ट्री जोनर की फिल्म है, इसलिए इसके बारे में ज्यादा बता नहीं सकती। एक पार्टी होती है, जिसमें सब लोग साथ आते हैं। वहां एक मर्डर होता है। इसमें शक की सुई सबके ऊपर जाती है। मर्डर की इन्वेस्टिगेशन शुरू होती है, उसमें सारे कैरेक्टर अनफोल्ड होते हैं। यह पूरी कहानी एक ही शाम की है। फिल्म में मेरा किरदार लिसा राम कपूर की गर्लफ्रेंड है, जो उम्र में उनसे काफी छोटी है। बाकी लोग दोस्त, रिश्तेदार या फिर उनके एम्प्लॉई हैं। फिल्म की कहानी किसी रियल इंसान पर बेस्ड नहीं हैं। यह पूरी तरह काल्पनिक कहानी है।

फिल्म की शूटिंग लंदन में हुई है। इससे जुड़ा कोई दिलचस्प किस्सा बताइए ?

फिल्म के इंटीरियर पार्ट की शूटिंग लंदन और उसके आसपास हुई जबकि एक्सटीरियर पार्ट स्कॉटलैंड में किया गया। मेरे ख्याल से शूटिंग के लिए हम लोग लंदन में 40 से 50 दिन ठहरे थे। सेट पर हम 14 एक्टर साथ होते थे। सब एक–दूसरे के साथ कुछ न कुछ प्रैंक करते रहते थे। विद्या बालन सबसे आगे होती थीं। वह किसी को बुलवाती थी और सामने आने पर कहती थीं कि मैंने को बुलाया ही नहीं। किसी बात का अलग मतलब निकालना तो हमेशा चलता रहता था। विदेश में थे इसलिए साथ में रहना और खाना होता था।

विद्या बालन के साथ काम करने का एक्सपीरिएंस कैसा रहा ?

विद्या बालन बहुत रियल और ग्राउंडेड इंसान हैं। खुशमिजाज स्वभाव की हैं। एक बार मेरे एक दोस्त लंदन सेट पर विजिट करने आए थे। विद्या ने कहा कि चलो मैं यह दिखावा करूंगी कि मुझे अंग्रेजी नहीं आती है। मैंने कहा कि शायद वह विश्वास नहीं करेंगे कि आपको अंग्रेजी नहीं आती। खैर, दोनों मिले तब काफी देर तक विद्या उनसे शुद्ध हिंदी में बात करती रहीं और वे अंग्रेजी में जवाब देते गए। काफी देर तक कुछ बात नहीं बनी जिसे देखने के लिए हम लोग एक्साइटेड थे। एक हद के बाद विद्या को लगा कि हिंदी में बात करना उनके लिए मुश्किल है, तब उन्होंने कहा कि मुझे अंग्रेजी आती है। इस पर मेरे दोस्त ने हिंदी में जवाब देते हुए कहा कि मुझे पता है कि आपको अंग्रेजी आती है और आप मुझसे मजाक कर रही हैं। इसके बाद जब दोनों मिलते थे, तब हिंदी में बात करते थे।

लंदन में ठंड बहुत रही होगी ? वहां शूटिंग करने में किस तरह की परेशानियां आईं ?

हमने पिछले साल मई–जून के महीने में इंग्लैंड में शूट किया। उस समय वहां पर ज्यादा सर्दी और ज्यादा गर्मी नहीं थी। मौसम बहुत अच्छा था। हां, स्कॉटलैंड में आउटडोर शूट कर रहे थे, तब तेज हवा के चलते काफी ठंड थी। हमने जो कपड़े पहने थे, वह ठंड बर्दाश्त करने के लिए काफी नहीं थे, इसलिए सबने हेयर माक्स, ग्लव्स, चादर, कम्बल लपेट कर बैठते रहते थे। आखिरी के दिनों में जो शूट किया, वह बहुत मुश्किल थे। कभी–कभी तो हमें छिपने के लिए जगह ही नहीं मिलती थी। ठंड से सभी कांप रहे थे। उन दिनों कुछ–कुछ दिन तो 7 से 8 डिग्री तापमान होता था। मल्टी स्टारर फिल्म की शूटिंग में वक्त ज्यादा जाया होता है, क्योंकि हर कैरेक्टर को इंपोर्टेंस देना है। एक मिस्ट्री है, तब सबका रिएक्शन लेना इंपोर्टेंट है। हर सीन के लिए शार्ट होते थे। कुछ सीन के शार्ट तो काफी लंबे–लंबे होते थे। उनको रिहर्स करके शूट करने में बहुत वक्त लगता था। शायद इतना वक्त हमेशा हमारे हाथ में नहीं होता है। हम सोचते थे कि काश! हमें शूट करने के लिए 20 दिन और मिल जाते, पर वह रियलिटी मुश्किल है। शूट से पहले हम सबको साथ में रिहर्सल करने का वक्त नहीं मिला था, क्योंकि वीजा के चलते कोई इंग्लैंड पहले तो कोई बाद में गया। जैसे सब लोग इकट्ठा हुए, वैसे हम लोग शूट में घुस गए। हमने शूट से जाने से पहले थोड़ा–बहुत अनु के साथ ऑनलाइन रिहर्स किया था। लेकिन इस फिल्म में जिस तरह के एक्टर थे, हमने सब कुछ बड़ी आसानी से कर लिया।

पहली बार ऑनस्क्रीन साथ नजर आएंगी करीना कपूर-तब्बू, कृति सेनन

करीना कपूर, कृति सेनन और तब्बू स्टारर फिल्म द क्रू की रिलीज डेट अनाउंस हो चुकी है। ये फिल्म 22 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। एकता कपूर और रिया कपूर फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। फिल्म वीरे दी वेडिंग के बाद दूसरी बार ये डुओ साथ काम कर रहा है। फिल्म के डायरेक्टर राजेश कृष्णन हैं। फिल्म में दिलजीत दोसांझ और कपिल शर्मा भी लीड रोल में दिखेंगे।

एकता–रिया एक्सपेरिमेंट्स करना पसंद करते हैं

करीना कपूर ने फिल्म में काम करने के एक्सपीरिएंस के बारे में बात करते हुए बताया था कि वो पहली बार तब्बू के साथ काम कर रही हैं। करीना ने बताया कि वो इस प्रोजेक्ट के लिए काफी एक्साइटेड हैं। उन्होंने कहा– हमारी फिल्म में हर रोल में सिर्फ महिलाएं हैं। फिल्म की प्रोड्यूसर भी फीमेल हैं। रिया और एकता की ये चीज मुझे बहुत पसंद है। वो एक्सपेरिमेंट्स करना काफी पसंद करती हैं। मुझे इस फिल्म का इंतजार है। मुझे उम्मीद है कि ऑडियंस को ये फिल्म पसंद आएगी।

आज हर कोई अच्छी फिल्में करना चाहता है

जब करीना से ये पूछा गया कि फीमेल स्टार्स के साथ काम के बीच क्या अक्सर मनमुटाव होता है तो उन्होंने बताया कि वो पहले भी कई फीमेल सेंट्रिक फिल्मों और फीमेल एक्टर्स के साथ काम कर चुकी हैं। मुझे लगता है कि अब सिर्फ ये मायने रखता है कि आप अच्छी फिल्में करें। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि फिल्म में आप किसके साथ काम कर रहे हैं।

एक्ट्रेस श्रीजिता ने बॉयफ्रेंड माइकल पेप से की शादी

बिग बॉस 16 कंटेस्टेंट और टेलीविजन एक्ट्रेस श्रीजिता डे ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड माइकल ब्लोम पेप से शादी कर ली है। श्रीजिता ने सोशल मीडिया पर अपनी क्रिश्चियन वेडिंग की तस्वीरें शेयर की हैं।

तस्वीरें शेयर करते हुए श्रीजिता ने बताया कि उन्होंने जर्मनी के ब्रोस्टेल के चर्च में क्रिश्चियन रीति–रिवाज में शादी की। ये जन्मों–जन्मों के साथ की शुरुआत है शादी की फोटोज में श्रीजिता गॉर्जियस व्हाइट गाउन पहनी दिखीं जबकि माइकल ने ब्लैक का सूट पहना हुआ है। फोटोज शेयर करते हुए उन्होंने लिखा– आज हम एक–दूसरे का हाथ पकड़कर जन्मों–जन्मों के साथ की शुरुआत कर रहे हैं। इस फोटो पर सोशल मीडिया पर यूजर्स लगातार कमेंट कर रहे हैं। बिग बॉस 15 कंटेस्टेंट शिव ठाकरे ने एक्ट्रेस की फोटो पर लिखा– बधाई हो! एक्ट्रेस मोनालिसा, शालीन मल्होत्रा और नारायणी शास्त्री ने भी फोटो पर कमेंट कर कपल को बधाई दी।

शादी के लिए खास तैयारी कर रही थीं श्रीजिता

शादी से पहले इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया था कि वो क्रिश्चियन वेडिंग में व्हाइट गाउन पहनने वाली हैं। उन्होंने कहा था– मैं शादी के लिए अपना खास ख्याल रख रही हूं। मैंने पिछले कुछ दिनों से अपने बाल कलर नहीं किए हैं। हम वेस्टर्न रीति–रिवाज से शादी करने वाले हैं। मैंने अपना गाउन भी फाइनल कर लिया है।

17 जुलाई को मुंबई में देंगे जॉइंट रिसेप्शन पार्टी

जर्मनी में शादी के बाद श्रीजिता और माइकल मुंबई में 17 जुलाई को जॉइंट रिसेप्शन पार्टी देंगे। इसके बाद कपल गोवा में बंगाली रीति–रिवाज में भी शादी कर सकता है। श्रीजिता और माइकल 2019 से डेट कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों मुंबई के एक रेस्तरां में पहली बार मिले थे। माइकल किसी फर्म में बिजनेस डेवलपमेंट का काम करते हैं। 2021 में माइकल ने श्रीजिता को प्रपोज किया था।

शाहरुख की जवान को लेकर आया अपडेट

पठान के बाद शाहरुख खान जल्द ही जवान में नजर आने वाले हैं। फिल्म में उनके साथ नयनतारा और विजय सेतुपति भी हैं। फैंस को इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार है। एटली के निर्देशन में बनी यह फिल्म देश में बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर में से एक है। काफी समय से प्रशंसक जवान के बारे में अपडेट मांग रहे हैं। इस बीच फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है।

अपडेट के मुताबिक जवान के टीजर में लोगों को वह सबकुछ मिलने वाला है जिसकी उन्होंने उम्मीद लगाई है। कोईमोई की एक रिपोर्ट के मुताबिक जवान का टीजर देखने वाले सूत्र का कहना है कि जवान के टीजर में हर वो मसाला है जिसकी रईस में किसी न किसी तरह से कमी थी। एटली की फिल्म में शाहरुख खान अपने टॉप फॉर्म में हैं।

कायम रहेगा लोगों में उत्साह

सूत्र का कहना है कि एटली के विजन के तहत शाहरुख खान जवान के लिए मॉन्स्टर बन गए हैं। यह फिल्म बड़े पर्दे पर अद्भुत दिखने वाली है। सूत्र ने आगे खुलासा किया कि जवान के टीजर से सब कुछ या बहुत कुछ नहीं पता चल सकेगा, लेकिन इतना जरूर है कि इसे देखने के बाद लोगों में उत्साह कायम रहेगा। सूत्र का कहना है कि जवान का टीजर ऐसा है कि इसे ट्रेलर की तरह भी लिया जा सकता है, जो फिल्म रिलीज होने तक चर्चा में बना रहेगा।

जवान के बाद इस फिल्म में दिखेंगे शाहरुख

सूत्र के दावे के मुताबिक जवान का टीजर न केवल शाहरुख खान के प्रशंसकों को बल्कि हर मसाला फिल्म प्रेमी को भी पसंद आएगा। बता दें कि हाल ही में शाहरुख खान ने जवान के टीजर पर आस्क एसआरके सेशन के दौरान अपडेट दिया था। उन्होंने कहा था कि सब कुछ तैयार हो रहा है और समय पर सामने आएगा। वर्क फ्रंट की बात करें तो जवान के बाद शाहरुख जल्द ही डंकी में दिखने वाले हैं। इसका निर्देशन राजकुमार हिरानी ने किया है।

प्रोजेक्ट के से टकराने को तैयार जॉन अब्राहम स्टारर द डिप्लोमैट

जॉन अब्राहम आगामी वर्ष एक बार फिर से दर्शकों को अपना दीवाना बनाने आ रहे हैं। इस बार वे बिना किसी हथियार को उठाए दुश्मनों का खात्मा करते नजर आएंगे। जॉन अब्राहम देश को झकझोर देने वाली सच्ची कहानी पर आधारित द डिप्लोमैट का किरदार निभाने के लिए तैयार हैं। एक उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी की भूमिका निभाते हुए, द डिप्लोमैट आपको एक रोलर कोस्टर की सवारी और एक रोमांचक नाटक पर ले जाता है, जो अंत तक आपकी इंद्रियों को बांधे रखने का वादा करता है। यह हाई–ऑक्टेन फिल्म 11 जनवरी 2024 को दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है। यह फिल्म अगले साल प्रभास अभिनीत प्रोजेक्ट के से टकराएगी, जिसमें अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन भी हैं। डिप्लोमैट का निर्देशन प्रशंसित निर्देशक शिवम नायर ने किया है। फिल्म की पटकथा प्रतिभाशाली रितेश शाह द्वारा लिखी गई है। फिल्म का निर्माण टी–सीरीज़, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार, जेए एंटरटेनमेंट के जॉन अब्राहम; वाकाऊ फिल्म्स के विपुल डी शाह, अश्विन वर्दे और राजेश बहल; फॉर्च्यून पिक्चर्स के समीर दीक्षित और जतीश वर्मा, सीता फिल्म्स के राकेश डांग द्वारा किया गया है। डिप्लोमैट 11 जनवरी 2024 को रिलीज़ होने वाली है।

जैकलीन फर्नांडीज ने मुंबई में खरीदा नया घर!

एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज ने मुंबई के बांद्रा वेस्ट में एक नया आलीशान घर खरीदा है। यह घर पाली हिल के एक पॉश इलाके में है, जहां कई बॉलीवुड सितारे रहते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जैकलीन के इस नए घर की बिल्डिंग में पूल, जिम और खूबसूरत लाउंज है। सोशल मीडिया पर रविवार को एक वीडियो सामने आया है, जिसमें जैकलीन के घर की बिल्डिंग नजर आ रही है। हालांकि अपने नए घर के बारे में एक्ट्रेस ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। साथ ही अभी तक यह जानकारी नहीं है कि एक्ट्रेस उस घर में शिफ्ट हुई हैं या नहीं। रणबीर–आलिया और करीना–सैफ जैसे स्टार्स हैं जैकलीन के पड़ोसी

जैकलीन के घर के करीब रणबीर कपूर–आलिया भट्ट, करीना कपूर–सैफ अली खान जैसे स्टार्स रहते हैं। जैकलीन के घर से कुछ मिनट की दूरी पर सलमान खान और शाहरुख खान का अपार्टमेंट भी है। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह जल्द ही इस इलाके में शिफ्ट होने वाले हैं, हालांकि अभी तक उनका घर अंडर कंस्ट्रक्शन है।

12 करोड़ रुपए है घर की कीमत

एक रियल एस्टेट साइज के मुताबिक जैकलीन का नया घर पाली हिल के नवरोज बिल्डिंग में है। इस बिल्डिंग में सभी घर 1119 स्क्वायर फुट 2557 स्क्वायर फुट कारपेट एरिया में बने हैं। घर के अलावा अन्य सुविधाओं की बात करें तो यहां क्लब हाउस, स्वीमिंग पूल और जिम की फैसिलिटी भी है। प्रियंका चोपड़ा के में रहती थीं जैकलीन बता दें कि इससे पहले साल 2021 में जैकलीन एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा के जूहु वाले घर में रह रही थीं, जिसमें लिविंग एरिया और एक बड़ी बालकनी शामिल है। जैकलीन ने प्रियंका से यह बिल्डिंग 7 करोड़ रुपए में खरीदा था, जिसका नाम कर्मयोग है। इससे पहले जैकलीन बांद्र में एक किराए के घर में रहती थीं।

सरकार कर रही बिना बैटरी के ईवी बेचने की तैयारी! सस्ते हो सकते हैं दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग ऐसी नीति पर बात कर रहे हैं, जिसमें वाहन बिना बैटरी के बिकेंगे और ग्राहक बाद में उनमें बैटरी लगा सकेंगे। साथ ही बैटरी चार्ज करने के बजाय खाली बैटरी देकर चार्ज की हुई बैटरी भी ले सकेंगे। सूत्रों ने बताया कि बैटरी की अदला-बदली के लिए पूरे देश में ढांचा तैयार करने पर भी बात चल रही है। 2024 में फेम 2 सब्सिडी खत्म हो जाएगी। ऐसे में इस कदम से लोगों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन सस्ते हो सकते हैं। उद्योग से जुड़े लोगों का मानना है कि इससे ईवी के इस्तेमाल को भी बढ़ावा मिलेगा।

कुछ लोगों का कहना है कि 2025 तक भारत में बैटरी रहित ईवी की बिक्री शुरु होने और बैटरी की अदला-बदली (स्वैपिंग) के लिए ढांचे पर एक राष्ट्रीय नीति तैयार हो जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहन की कीमत का 40-50 प्रतिशत हिस्सा बैटरी का ही होता है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि पिछले एक साल से इस विषय पर बैठक हो रही हैं। अधिकारी ने कहा कि फिलहाल ईवी में इस्तेमाल होने वाली बैटरी के लिए मानक तैयार करने पर काम चल रहा है।

नाम नहीं छापने की शर्त पर अधिकारी ने बताया, 'संबंधित पक्षों की एक बैठक जनवरी और मार्च के दरम्यान हुई थी। नीति आयोग ने बैटरी स्वैपिंग नीति का

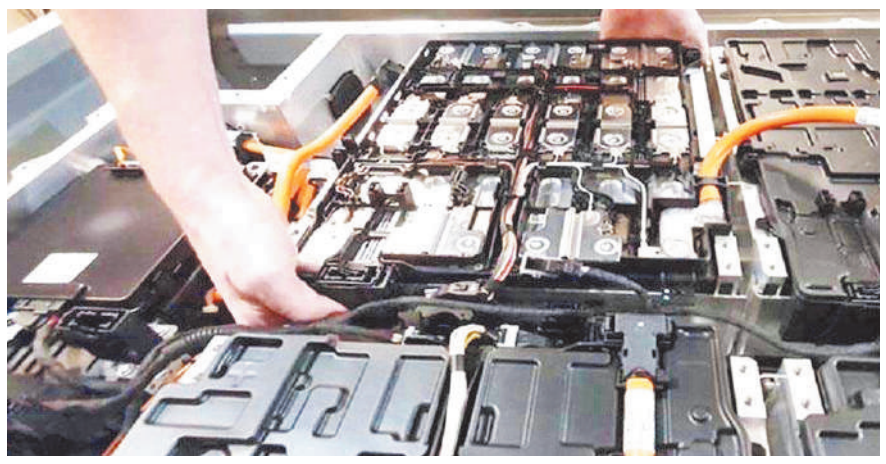

मसौदा पिछले साल ही सौंप दिया था। अब बैटरी के लिए मानक तैयार करने का काम चल रहा है। यह काम उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अधीन भारतीय मानक ब्यूरो की देखरेख में होगा।' उन्होंने कहा कि मानक तैयार होने के बाद संबंधित पक्षों की और बैठकें होंगी।

ईवी उद्योग भी बदलाव के लिए खुद को तैयार कर रहा है। लोहिया ऑटो के मुख्य कार्याधिकारी आयुष लोहिया ने कहा कि लागत कम करने और बाजार में ईवी की पैठ बढ़ाने के लिहाज से यह कदम महत्त्वपूर्ण है। लोहिया सरकार और ईवी वाहन उद्योग के बीच हो रही चर्चा का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'भारत में ईवी उद्योग में इलेक्ट्रिक दोपहिया की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत रही है। इनकी कीमत करने का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ईवी पर सब्सिडी घटाने का असर भी इस क्षेत्र पर पड़ रहा है। ऐसे में लोग इलेक्ट्रिक दोपहिया खरीदने से कतरा सकते हैं और पेट्रोल से चलने वाले दोपहिया पसंद कर सकते हैं।'

नई नीति लागू हुई तो ग्राहक ईवी के साथ बैटरी नहीं खरीदेंगे, जिससे वाहन बहुत सस्ता पड़ेगा। वे बैटरी अलग से लेंगे और डिस्चार्ज होने पर उसे देकर किराये पर दूसरी बैटरी ले लेंगे। इसे बैटरी ऐज अ सर्विस (बास) कहा जाता है। नीति आयोग ने पिछले साल नीति के मसौदे में कहा है कि बास में ग्राहक बैटरी के बगैर ईवी खरीद सकते हैं। इससे उन्हें ईवी सस्ते पड़ते हैं और वे अपनी सहूलियत के अनुसार वे बैटरी सेवा प्रदाताओं से दैनिक, साप्ताहिक, मासिक आधार पर बैटरी बदलने का प्लान खरीद सकते हैं।

लोहिया ने कहा कि केंद्र को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का भी ध्यान रखना चाहे। ईवी 5 प्रतिशत कर दायरे में आते हैं जबकि बैटरियां देने वाले सेवा प्रदाता अलग श्रेणी में आएंगे। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं के संगठन (एसएमईवी) के महानिदेशक एवं हीरो इलेक्ट्रिक के मुख्य कार्याधिकारी सोहिंदर गिल ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया कि योजना सही तरीके से लागू हुई तो पूरा बाजार ही बदल जाएगा क्योंकि भारत में वाहन या अन्य वस्तुएं खरीदते समय लोग कीमत का बहुत ध्यान रखते हैं।

अच्छे स्टार्टअप के लिए कोष की कोई कमी नहीं: अमिताभ कांत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने सोमवार को कहा कि नवोन्मेष और स्टार्टअप परिवेश आज दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए मजबूत स्थिति में है। उन्होंने यह भी कहा कि अच्छे स्टार्टअप के लिए कोष की कोई कमी नहीं है। कांत ने स्टार्टअप20 शिखर कार्यक्रम में एक मजबूत स्टार्टअप परिवेश के लिए 'फंड ऑफ फंड (ऐसा कोष जो दूसरे कोष में निवेश करता है), कर्ज सुलभ होने से जुड़ी योजनाएं और बेहतर संचालन व्यवस्था पर ध्यान देने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टार्टअप ने कम लागत पर स्तरीय समाधान सफलतापूर्वक सुलभ कराया है।

कांत ने कहा कि स्टार्टअप क्षेत्र में कोष की कोई कमी नहीं है और अच्छे स्टार्टअप के लिए पूंजी हमेशा उपलब्ध हैं। दुनिया में कोष पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और उनकी नजर हमेशा अच्छी परियोजनाओं पर होती है। कांत ने भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे ... बायोमेट्रिक आईडी, डिजिटल भुगतान और इस संदर्भ में स्टार्टअप परिवेश की मजबूत सफलता के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि देश ने डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा, भारत में 1,00,000 से अधिक स्टार्टअप और 108 यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले स्टार्टअप) हैं। कांत ने स्टार्टअप और उद्यमियों के लिए स्व-नियमन और बेहतर संचालन व्यवस्था की जरूरत भी बताई। उन्होंने कहा, ''...आज का स्टार्टअप कल फॉर्च्यून 500 कंपनी होगी। इसलिए वित्तीय स्तर पर सूझ-बूझ के साथ कदम और संचालन व्यवस्था का मुद्दा महत्वपूर्ण है।

महंगी हो जाएंगी टाटा की कारें, कंपनी ने किया कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की दिग्गज कमर्शियल और पैसेंजर व्हीकल बनाने वाली कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी प्रीमियम से लेकर सामान्य कार की कीमतों में इजाफा करने का ऐलान किया है। टाटा मोटर्स ने ऐलान किया है कि 17 जुलाई से टाटा मोटर्स की सभी मॉडल की कीमतों में इजाफा कर दिया जाएगा। कंपनी ने अपने सभी मॉडल्स पर 0.6 प्रतिशत की औसत बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है।

यह वृद्धि इलेक्ट्रिक वाहन समेत सभी मॉडल और संस्करणों पर लागू होगी। बयान के अनुसार कीमत में वृद्धि कच्चे माल की लागत में वृद्धि के प्रभाव से निपटने के लिए की जा रही है। कंपनी ने कहा कि 16 जुलाई, 2023 तक होने वाले वाहनों की बुकिंग और 31 जुलाई, 2023 तक होने वाली डिलिवरी पर कीमत वृद्धि का प्रभाव नहीं होगा। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों में पंच, नेक्सन और हैरियर शामिल हैं।

टाटा मोटर्स की गाड़ियों की सेल में भी इजाफा देखने को मिला है। बता दें कि एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीते जून महीने में टाटा मोटर्स की गाड़ियों की जमकर बिक्री हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जून में टाटा मोटर्स की कुल घरेलू बिक्री सालाना आधार पर एक फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 80,383 इकाई हो गई है। जून 2022 में कंपनी ने 79606 वाहनों की बिक्री की थी।

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण रिकॉर्ड 297.94 लाख रुपए पर

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में तेजी के साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सोमवार को रिकॉर्ड 297.94 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 514.08 अंक उछलकर 65,232.64 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह लगातार चौथा दिन है जब सेंसेक्स में तेजी दर्ज की गई है। घरेलू शेयर बाजार में बढ़त के साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण शुरूआती कारोबार में उछलकर 2,97,94,780.47 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। शुक्रवार को बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण अबतक के रिकॉर्ड स्तर 296.48 लाख करोड़ रुपए रहा था।

जीएसटी में 12000 से ज्यादा फर्जी कंपनियां, अन्य लोगों के पैन-आधार का कर रहे दुरुपयोग

नई दिल्ली, एजेंसी। धोखेबाज कंपनियों पर नकेल कसने के लिए सीबीआईसी नए तरीके आजमाने की योजना बना रहा है। 12,000 से ज्यादा फर्जी कंपनियां जीएसटी में पंजीकृत हैं। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन विवेक जौहरी ने कहा कि जीएसटी के तहत जोखिम भरी संस्थाओं के बॉयोमीट्रिक प्रमाणीकरण पर काम हो रहा है। यह उन धोखेबाजों पर नकेल कसने की तैयारी है, जो जीएसटी पंजीकरण प्राप्त करने के लिए अन्य लोगों के पैन और आधार का दुरुपयोग कर रहे हैं।

विवेक जौहरी ने कहा, कर अधिकारी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दावा के दायरे को सीमित करने के लिए जीएसटी रिटर्न फाइलिंग प्रणाली में कुछ और सख्ती पर भी चर्चा कर रहे हैं। ऐसा देखा जा रहा है कि आपूर्ति श्रृंखला में बहुत सारे आपूर्तिकर्ताओं ने करों का भुगतान नहीं किया है।

मरेंगो सिम्स अस्पताल ने विविध स्पाइन रोगों के इलाज के लिए समर्पित स्पाइन और न्यूरो सुपर-विशेषज्ञों की सबसे बड़ी टीमों में से एक के साथ स्पाइन क्लिनिक लॉन्च किया

अहमदाबाद , एजेंसी। मरेंगो सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद हर आयु वर्ग में बढ़ती रीढ़ की समस्याओं के इलाज में एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में एक स्पाइन क्लिनिक शुरू कर रहा है। 33 हड्डियाँ जिन्हें वर्टेब्रा भी कहा जाता है, संपूर्ण रीढ़ की हड्डी का निर्माण करती हैं। ये रीढ़ की हड्डी और तंत्रिकाओं की रक्षा और समर्थन करते हैं। चोटें, गिरना या दुर्घटनाएं, जीवनशैली की आदतें, मुद्राएं और रीढ़ की हड्डी के रोग वर्टेब्रा को नुकसान पहुंचा सकते हैं और गंभीर दर्द का कारण बन सकते हैं। इससे व्यक्ति की गतिशीलता सीमित हो सकती है और शरीर का आकार और कार्यक्षमता तेजी से बिगड़ सकती है। रीढ़ की हड्डी में असामान्यताएं रीढ़ की सीधी वक्रता को भी प्रभावित कर सकती हैं, जिससे प्राकृतिक वक्र खो जाता है। युवा आबादी में रीढ़ की हड्डी संबंधी विकारों में तेज वृद्धि के साथ, रीढ़ की हड्डी की अनेक महत्वपूर्ण समस्याओं के इलाज के लिए नैदानिक उत्कृष्टता के दायरे को बढ़ाना जरूरी था। मरेंगो सिम्स अस्पताल रोगी विकास पर केंद्रित है और इस पहल के माध्यम से मौजूदा उपचारों के पूरक के लिए नए उपचार समाधान लाता है। गुजरात के न्यूरो स्पाइन सर्जनों की सबसे बड़ी और विशेषज्ञ टीम इस यूनिट का नेतृत्व करती है, जिसका नेतृत्व डॉ. वाई. सी. शाह, डॉ. तुषार शाह और डॉ. टी के बी गणपति करते हैं। टीम को डॉ. परिमल त्रिपाठी, डॉ. देवेन जवेरी, डॉ. संदीप शाह, डॉ. जयुन शाह, डॉ.हार्दिक दरजी और डॉ.दीपक बेटाई का भी समर्थन प्राप्त है।

मरेंगो सिम्स अस्पताल के न्यूरो स्पाइन सर्जन डॉ. वाई सी शाह, डॉ. टी के बी गणपति और डॉ. तुषार शाह का मानना है कि रीढ़ की हड्डी की बीमारी रीढ़ की हड्डी को नुकसान पहुंचाने वाली स्थिति को संदर्भित करती है। रीढ़ की हड्डी की कई मान्यता प्राप्त बीमारियाँ हैं, कुछ दूसरों की तुलना में अधिक सामान्य हैं। रीढ़ की हड्डी की बीमारी में सर्वाइकल स्पाइन की बीमारियाँ भी शामिल हैं, जो गर्दन की वर्टेब्रा में होने वाली बीमारियाँ हैं। वर्तमान समय में, हम हर आयु वर्ग में और पुरुष और महिला दोनों आबादी में रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को देखते हैं।

मरेंगो सिम्स अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. केयूर परीख ने बताया कि, एक स्वास्थ्य सेवा प्रदाता के रूप में मरेंगो सिम्स अस्पताल ने विभिन्न विशिष्टताओं में पहल के साथ उद्योग में अग्रणी के रूप में उभरने के लिए बड़े कदम उठाए हैं। हमने अपने मरीजों को प्रदान की जाने वाली नैदानिक उत्कृष्टता को मजबूत करने के लिए कई सुपर-स्पेशलाईज्ड पहल शुरू की हैं। हमारा नया स्पाइन क्लिनिक सर्वश्रेष्ठ अत्याधुनिक स्पाइन क्लीनिकों में से एक के साथ वैश्विक मानकों के अनुरूप खड़ा है।

सोने की कीमतों में आई गिरावट

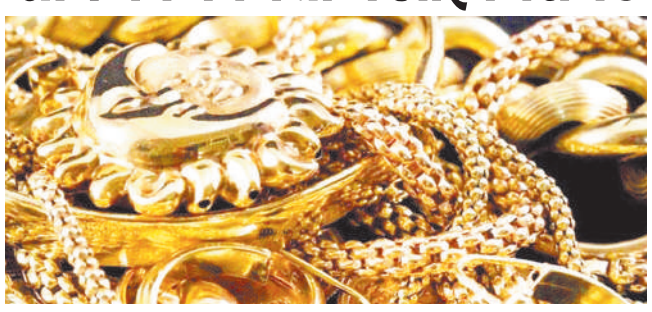

नई दिल्ली, एजेंसी। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। हालांकि चांदी के भाव बढ़ गए हैं। सोना गिरावट के साथ 58 हजार रुपए के करीब आ गया है। सोने के घरेलू वायदा भाव गिरावट के साथ ट्रेड करते दिखे हैं। एमसीएक्स एक्सचेंज पर शुक्रवार सुबह 4 अगस्त 2023 की डिलीवरी वाला सोना 0.22 फीसदी या 130 रुपए की गिरावट के साथ 58,081 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, 5 अक्टूबर 2023 की डिलीवरी वाला सोना 0.16 फीसदी या 93 रुपए की गिरावट के साथ 58,383 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा। वैश्विक स्तर पर भी सोने की कीमतों में शुक्रवार सुबह गिरावट देखने को मिली।

चांदी की कीमतों में सोमवार को तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर 5 सितंबर 2023 की डिलीवरी वाली चांदी का भाव 30 रुपए की बढ़त के साथ 70060 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला है। वहीं 5 दिसंबर 2023 को डिलीवरी वाली चांदी का भाव भी बढ़त के साथ 71467 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला है। हालांकि इसके बाद चांदी के भाव में गिरावट देखी जा रही है।

सोने का वैश्विक भाव- सोने की वैश्विक कीमतों में सोमवार को गिरावट देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.16 फीसदी या 3.00 डॉलर की गिरावट के साथ 1926.40 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव 0.05 फीसदी या 0.88 डॉलर की गिरावट के साथ 1918.47 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।

चांदी का वैश्विक भाव- कॉमेक्स पर चांदी का वैश्विक वायदा भाव में सोमवार को तेजी देखने को मिल रही है। सोमवार सुबह 0.09 फीसदी या 0.02 डॉलर की बढ़त के साथ 23.04 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, चांदी की वैश्विक हाजिर कीमत 0.22 फीसदी या 0.05 डॉलर की गिरावट के साथ 22.82 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी।

किआ इंडिया 4 जुलाई को करेगी अपनी बहुप्रतीक्षित नई सेल्टो स का अनावरण

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की प्रीमियम और तेजी से आगे बढ़ने वाली कार निर्माता कंपनी, किआ इंडिया ने 4 जुलाई को नई सेल्टोलस का अनावरण करने की घोषणा की है। अपने नए अवतार में सेल्टो स एक नए डिजाइन और सेगमेंट के उन्नईत सेगमेंट-अग्रणी फीचर्स से सुसज्जित होगी। ब्रांड सेल्टोटस ने अपने सेगमेंट-लीडिंग फीचर्स और डिजाइन लीडरशिप के साथ ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में एक नई क्रांति की शुरुआत की है। नई सेल्टोस एक बार फ?र इस सेगमेंट को एक नया रूप देने के लिए तैयार है। किआ नई सेल्टो स का टीजर भी 30 जून 2023 को जारी करेगी। किआ ने अगस्त 2019 में सेल्टो स को लॉन्चट करने के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश किया था और भारत के नए युग के उपभोक्ताकओं का दिल जीता लिया। 46 महीने की छोटी से उल्ले खनीय अवधि में, सेल्टोऔस 5 लाख बिक्री का आंकड़ा तेजी से पार करने वाली एसयूवी बन गई। वर्तमान में, 3.78 लाख सेल्टोखस भारतीय सड़कों पर चल रही हैं, जो किआ इंडिया की कुल घरेलू संख्याव का 53 प्रतिशत है। कंपनी ने दुनियाभर के करीब 90 से ज्याहदा बाजारों में 1.39 लाख सेल्टोरस का निर्यात भी किया है।

किआ इंडिया के बारे में- किआ, इंडिया ने अप्रैल, 2017 में अनंतपुर जिले में एक नई विनिर्माण इकाई स्था पित करने के लिए आंध्र प्रदेश, भारतके साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। किआ ने अगस्त 2019 में बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू किया और इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता लगभग 300,000 यूनिट्सहै। अप्रैल 2021 में, किआ इंडिया ने अपनी नई ब्रांड पहचान, ÷मूवमेंट दैट इंस्पायर÷ के अनुरूप खुद को फिर से परिभाषित किया, जिसका मकसदग्राहकों को अभिनव उत्पादों और सेवाओं द्वारा शानदारअनुभव प्रदान करना था।

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन हुआ गतिशील

भोपाल, एजेंसी। प्रधानमंत्री जी के द्वारा 1 जुलाई, 2023 को शुरू किए गए राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के लिए, मध्य प्रदेश के विभिन्न केन्द्रों में अग्रिमपंती स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, महिला समूहों और स्वास्थ्य अधिकारियों के सहयोग से प्रभावशाली गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। मध्य प्रदेश के शहडोल में आयोजित यह जनजातिय मामलों के मंत्रालय और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की एक संयुक्त पहल है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की एक रिपोर्ट ने सिकल सेल रोग को भारत के आदिवासी स्वास्थ्य में 10 समस्याओं में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया है जिसमें मध्य प्रदेश में सबसे अधिक प्रसार है। अनुमानित 961,492 मध्य प्रदेश निवासियों को सिकल सेल वाहक होने की सूचना है, जबकि 67,861 को सिकल सेल रोग है।

सिकल-सेल एनीमिया भ्रूण के विकास के दौरान प्राप्त एनीमिया का एक जन्मजात रूप है। अर्धचंद्राकार लाल रक्त कोशिकाओं और हीमोग्लोबिन के असामान्य रूपी विशेषता, विकार विभिन्न स्वास्थ्य जटिलताओं को जन्म दे सकता है, जिसमें गंभीर दर्द, अंग क्षति और कम जीवन प्रत्याशा के भाग सम्मिलित हैं। ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया (टीआरआई), एक जमीनी संगठन है जो कि हाशिए पर ग्रामीण समुदायों के सामने आने वाले मुद्दों के समाधान तैयार करने की दिशा में कार्य कर रहा है। मध्य प्रदेश में इस बीमारी के इलाज के प्रबंधन व इसे कम करने और आदिवासी आबादी के स्वास्थ्य में सुधार के लिए सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभा रहे है।

ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया में पब्लिक हेल्थ एंड न्यूट्रिशन के असोसिएट डायरेक्टर श्री श्यामल संत्रा जी के द्वारा कहा गया है कि - इन गतिविधियों का उद्देश्य आदिवासी समुदाय के भीतर बीमारी के बारे में जागरूकता पैदा करना है। इस आशय के लिए हम एससरए स्क्रीनिंग शिविर आयोजित करने में सहायता कर रहे हैं। राज्य हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन और जिला प्रशासन को तकनीकी सहायता भी प्रदान कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के 20 आदिवासी बहुल जिलों में सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग के लिए स्वास्थ्य शिविर सफलतापूर्वक लगाए गए हैं। रक्त के नमूनों का विश्लेषण करने के लिए उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी) परीक्षण किए गए हैं। जबकि सकारात्मक मामलों का अतिरिक्त मूल्यांकन किया गया है।

एकत्र किए गए डेटा का दैनिक विश्लेषण किया गया है। जिससे कई जिलों में बीमारी की अवधि में मूल्यवान आत्म चिन्तन मिला है । श्यामल जी कहते हैं कि हमारी टीम के सदस्यों द्वारा भी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को समर्थन दिया गया और स्क्रीनिंग प्रक्रिया को अनुकूलित करने में मदद की। इस प्रक्रिया को जिस वस्तु ने चुनौतीपूर्ण बना दिया वह थी आदिवासी आबादी के भीतर जागरूकता की कमी।

शीर्ष आठ शहरों में अप्रैल-जून में कार्यालय स्थल को पट्टे पर देने में 22 प्रतिशत गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के शीर्ष आठ शहरों में कार्यालय स्थलों को पट्टे पर देने में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून, 2023) में सालाना आधार पर 22 प्रतिशत गिरावट आई है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी कुशमैन एंड वेकफील्ड ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए बताया कि बड़ी कंपनियां अभी भी विस्तार योजनाओं को लेकर सतर्क बनी हुई हैं।

कंपनी के आंकड़ों के अनुसार कार्यालय स्थलों को पट्टे पर देने का कुल आंकड़ा अप्रैल-जून, 2023 में सालाना आधार पर घटकर 1.74 करोड़ वर्ग फुट रह गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 2.24 करोड़ वर्ग फुट था। कंपनियां बड़े कार्यस्थलों को

पट्टे पर लेने के बारे में फैसला करने के लिए समय ले रही हैं। एपीएसी टेनेंट रीप्रजेंटेशन के प्रमुख और भारत एवं दक्षिण-पूर्वी एशिया के प्रबंध निदेशक अंशुल जैन ने कहा, भारत का कार्यालय स्थल बाजार लगातार वृद्धि कर रहा है। विदेशी बाजारों में मंदी के बावजूद इसमें तेजी के पीछे बड़ा कारण घरेलू बाजार में मांग है। मुंबई में अप्रैल-जून में कार्यालय स्थल को पट्टे पर लेने का सकल आंकड़ा सालाना आधार पर नौ प्रतिशत गिरकर 27.3 लाख वर्गफुट रह गया। दूसरी ओर दिल्ली-एनसीआर में कार्यालय स्थल को पट्टे पर लेने का सकल आंकड़ा पांच प्रतिशत बढ़कर 35.9 लाख वर्गफुट हो गया।

बांग्लादेश दौरे के लिए हुआ महिला टीम इंडिया का ऐलान

तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और विकेटकीपर ऋचा घोष बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने नौ जुलाई से मीरपुर में शुरू होने वाले बांग्लादेश के लिमिटेड ओवरों के दौरे के लिए 18 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा की, जिसमें दाएं हाथ की तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और विकेटकीपर ऋचा घोष को बाहर रखा गया। इन दोनों के अलावा युवा ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल को नजरअंदाज किया गया। भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे मैच खेलने हैं।

श्रेयंका पाटिल को हाल ही में महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग के लिए ड्राफ्ट किया किया है। वहीं श्रेयंका पाटिल भारत की पहली महिला प्लेयर हैं जो महिला सीपीएल में खेलती हुई नजर आएंगी। श्रेयंका के प्रदर्शन को देखें

तो हाल ही में उन्होंने बहुत अच्छा किया लेकिन उसके बावजूद उन्हें टीम में शामिल नहीं किया जाना काफी हैरान करने वाला है। सभी छह मैच मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम (एसबीएनसीएस) में खेले जाएंगे। हरमनप्रीत कौर टीम का नेतृत्व करेंगी, जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान है। विकेटकीपर बल्लेबाज घोष को बाहर किया जाना आश्चर्यजनक है। इसके लिए कोई कारण भी नहीं बताया गया है।

भारतीय टी20 टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, देविका वैद्य, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, एस मेघना, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, अंजलि सरवानी, मोनिका पटेल, राशि कनौजिया, अनुषा बारेड्डी, मिन्नू मणि।

भारतीय एकदिवसीय टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, देविका वैद्य, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, प्रिया पुनिया, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह , अंजलि सरवानी, मोनिका पटेल, राशि कनौजिया, अनुषा बारेड्डी, स्नेह राणा।

बेयरस्टो स्टंपिंग विवाद पर मैकुलम की प्रतिक्रिया से ऑस्ट्रेलिया के कोच मैकडोनल्ड निराश

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनल्ड को जॉनी बेयरस्टो की विवादास्पद स्टंपिंग को लेकर इंग्लैंड के कोच ब्रैंडन मैकुलम की टिप्पणियों से 'निराशा' हुई है। एशेज श्रृंखला के दूसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड पर 43 रन की रोमांचक जीत दर्ज कर श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली। मैकुलम में मैच के बाद बेयरस्टो की स्टंपिंग को लेकर हुए विवाद पर कहा कि इससे दोनों टीमों के संबंधों पर असर पड़ेगा।

लंच से आधे घंटे पहले कैमरून ग्रीन के बाउंसर पर बेयरस्टो झुक गए और दूसरे छोर पर कप्तान बेन स्टोक्स से मिलने के लिए क्रीज से बाहर आ गए। उन्हें लगा कि गेंद 'डेड' हो गई है। विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने हालांकि गेंद विकेटों पर मार दी और ऑस्ट्रेलिया जश्न मनाने लगा। तीसरे अंपायर ने बेयरस्टो को आउट दिया गया। उन्होंने 10 रन बनाए। इसमें कोई संदेह नहीं कि नियमों के तहत बेयरस्टो आउट थे लेकिन मैकुलम और स्टोक्स का मानना है कि उनका आउट होना खेल भावना के तहत नहीं था।

इस घटना के बाद स्टेडियम में मौजूद दर्शक ऑस्ट्रेलिया की टीम के लिए 'चीटर-चीटर (बेईमान) का नारा लगाने लगे तो वहीं लंच के समय पवेलियन जाने के रास्ते में मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के कुछ सदस्य 'लॉन्ग रूम' में ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों के साथ बहस करने लगे। टेलीविजन फुटेज में दिखा कि सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और डेविड वार्नर की 'लॉन्ग रूम' में दर्शकों के साथ तीखी बहस हुई। स्टेडियम का यह हिस्सा एमसीसी सदस्यों और उनके मेहमानों के लिए आरक्षित होता है। इंग्लैंड के टेस्ट कोच मैकुलम ने मैच के बाद कहा था, 'मैं इस बात की कल्पना नहीं कर सकता कि हम आने वाले समय में एक साथ बीयर पी सकेंगे। हमारे दृष्टिकोण से, हमारे पास तीन टेस्ट मैच (बचे हुए) हैं जिनमें प्रतिद्वंद्वी टीम को कुछ झटके देने होंगे और एशेज जीतने की कोशिश करनी है। हमारा ध्यान इसी पर होगा। मैकडोनल्ड हालांकि न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान के रवैये से खुश नहीं दिखे। उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे बात नहीं की है। मैंने यह टिप्पणी पहली बार सुनी है और मैं इससे कुछ हद तक निराश हूं। मैकडोनल्ड ने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि जब खिलाड़ी एक समय के अंदर क्रीज या मैदान से बाहर निकलता है तो आप अपने मौका का फायदा उठायेंगे।

नीरज चोपड़ा ने कहा- विश्व चैम्पियनशिप से पहले शारीरिक और मानसिक फिटनेस पर फोकस रहेगा

- **90 मीटर की बाधा पार करने का कोई दबाव नहीं**

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले सप्ताह लुसाने डायमंड लीग जीतने वाले ओलंपिक भालाफेंक चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने सोमवार को कहा कि अगस्त में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप से पहले शारीरिक और मानसिक फिटनेस पर फोकस रहेगा लेकिन 90 मीटर की बाधा पार करने का कोई दबाव नहीं है। मांसपेशियों में खिंचाव के कारण तीन शीर्ष स्पर्धाओं में भाग नहीं लेने वाले चोपड़ा ने डायमंड लीग के लुसाने चरण में वापसी करते हुए पिछले सप्ताह 87.66 मीटर की दूरी के साथ लगातार दूसरी बार शीर्ष स्थान हासिल किया।

उन्होंने पांच मई को दोहा में अपने करियर के चौथे सर्वश्रेष्ठ 88.67 मीटर के थ्रो के साथ सत्र की शुरुआती डायमंड लीग जीती थी। उन्होंने भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा कराई गई वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'शारीरिक और मानसिक रूप से दोहा की तुलना में लुसाने में काफी कठिन था क्योंकि बीच में चोटिल होने के कारण पूरा फोकस उस पर रह गया था। सत्र के बीच में चोट लग जाने पर रिकवरी पर फोकस चला जाता है। उन्होंने कहा, 'बीच में मैंने तीन कांटिनेंटल गोल्ड स्तर के टूर्नामेंट छोड़े जहां मौसम अच्छा था और मैं 90 मीटर की बाधा पार कर सकता था लेकिन इसका कोई दबाव नहीं है। अभी एशियाई खेल और विश्व चैम्पियनशिप होनी है तो जिस दिन परिस्थितियां बनेंगी, 90 मीटर का थ्रो लग जायेगा। लुसाने के मौसम को देखते हुए प्रदर्शन अच्छा रहा।

उन्होंने कहा कि अब उनका फोकस 19 से 27 अगस्त

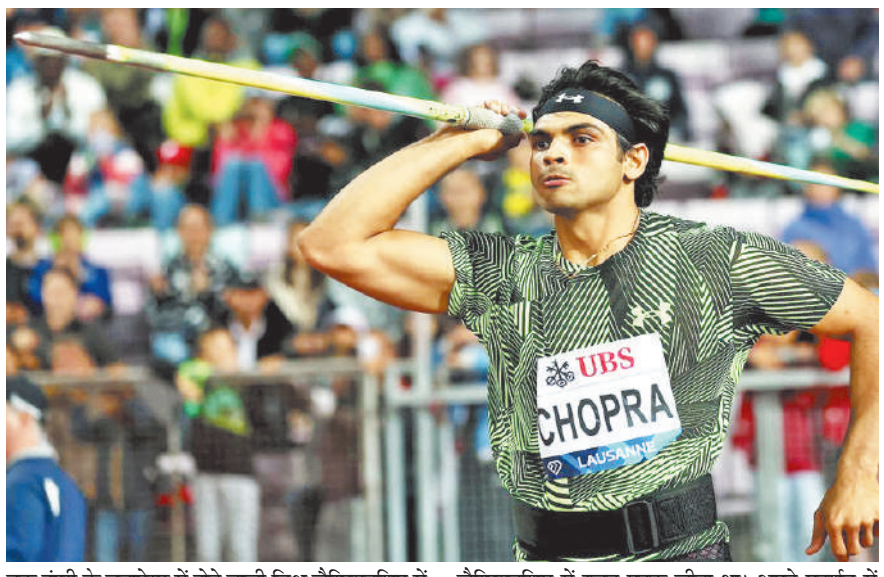

तक हंगरी के बुडापेस्ट में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में 100 प्रतिशत फिट रहकर उतरने पर होगा। चोपड़ा ने कहा, 'अभी तक मैने विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण नहीं जीता है और इस बार इस कमी को पूरी करने के लिये काफी मेहनत करनी है। फोकस शारीरिक फिटनेस और मानसिक दृढता पर रहेगा। उससे पहले टूर्नामेंटों का चयन भी काफी सोच समझकर करना है ताकि चोटमुक्त रहूं और फिटनेस भी बरकरार रहे।

चोपड़ा ने 2022 में अमेरिका के यूजीन में विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था। अपने प्रदर्शन में निरंतरता का श्रेय आत्मविश्वास को देते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे इतना तो यकीन रहता ही है कि छठे थ्रो तक मैं हार नहीं मानूंगा और कई बार आखिरी थ्रो में बाजी पलट जाती है। यह आत्मविश्वास फिटनेस और अभ्यास से आता है और इसी की वजह से दबाव महसूस नहीं होता।

चोपड़ा आमतौर पर शुरुआती दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं लेकिन शुक्रवार को शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए उन्हें पांचवें प्रयास का इंतजार करना पड़ा। चौथे दौर की समाप्ति तक वह दूसरे स्थान पर थे। इस बारे में उन्होंने कहा, 'जितने भी शीर्ष खिलाड़ी हैं, वे सभी आखिरी थ्रो तक खुद को तैयार रखते हैं। मैने भुवनेश्वर में एशियाई चैम्पियनशिप में छठे थ्रो पर स्वर्ण पदक जीता था। मुझे इतना यकीन रहता है कि पहले थ्रो अच्छे नहीं भी गए तो आखिर में तो भरपाई कर ही लूंगा।

चोपड़ा अपनी तकनीक में बहुत बदलाव के समर्थक नहीं है लेकिन सुधार के प्रयास जारी रखते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं तकनीक में बदलाव नहीं करता क्योंकि मेरा शरीर उसके अनुरूप ढल चुका होता है। सुधार की कोशिश लगातार करता रहता हूं बाकि तो सारा माइंड गेम है। बस सकारात्मक सोच रखना जरूरी है। डायमंड लीग फाइनल सितंबर के बीच में होना है और उसके बाद चोपड़ा को एशियाई खेलों में भाग लेना है लिहाजा वह चुनकर ही टूर्नामेंट खेलेंगे। उन्होंने कहा, 'अभी मैने तय नहीं किया है कि मोनाको में खेलूंगा या नहीं। वैसे मुझे डायमंड लीग के 16 अंक (दोहा और लुसाने दोनों में आठ) मिल चुके हैं जो फाइनल के लिए काफी होंगे। अभी लगातार खेलता रहा तो विश्व चैम्पियनशिप तक फिटनेस पर असर पड़ सकता है।

उन्होंने कहा, 'एशियाई खेलों के बाद पेरिस ओलंपिक में आठ से दस महीने का समय ही है तो अभ्यास जल्दी शुरू करना होगा। टोक्यो ओलंपिक के बाद मैने लंबा ब्रेक ले लिया था लेकिन वह गलती अब नहीं दोहरानी है। एशियाई खेलों में पाकिस्तान के अरशद नदीम से मुकाबले के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, 'मैं इसे भारत-पाकिस्तान के नजरिये से नहीं देखता। मेरा फोकस अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रहता है और मैं उम्मीद करता हूं कि प्रतिस्पर्धा अच्छी रहेगी ताकि हम एक दूसरे को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर सकें।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के साथ 'लॉन्ग रूम' की घटना पर एमसीसी सख्त, तीन सदस्य निलंबित

लंदन (एजेंसी)। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट के अंतिम दिन जॉनी बेयरस्टो की विवादास्पद स्टंपिंग के बाद लार्ड्स के 'लॉन्ग रूम' में ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ बहस के बाद तीन सदस्यों को निलंबित किया है। एमसीसी ने इससे पहले अपने कुछ सदस्यों के बर्ताव के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम से 'बिना शर्त माफी' मांगी थी जिन्होंने रविवार को लंच के लिए ड्रेसिंग रूम में जाने के दौरान मेहमान टीम के कई खिलाड़ियों को कथित तौर पर अपशब्द कहे थे।

टेलीविजन फुटेज में दिखा कि सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और डेविड वार्नर की लॉन्ग रूम में दर्शकों के साथ तीखी बहस हुई। स्टेडियम का यह हिस्सा एमसीसी सदस्यों और उनके मेहमानों के लिए आरक्षित होता है। ख्वाजा को सुरक्षाकर्मियों ने पीछे हटाया। वार्नर को भी कुछ सदस्यों पर टिप्पणी करते हुए देखा गया जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने मामले के शांत कराया।

एमसीसी ने रविवार देर रात जारी बयान में कहा, 'एमसीसी पुष्टि कर सकता है कि उसने आज की घटना को देखते हुए तीन सदस्यों की पहचान करके उन्हें निलंबित किया है। जांच चलने तक उन्हें लॉर्ड्स में वापस आने की अनुमति नहीं दी जाएगी और एमसीसी के मुख्य कार्यकारी गाय लैवेंडर ने आज शाम इसकी जानकारी दी।

लंच से आधे घंटे पहले बेयरस्टो के आउट होने के बाद यह घटना हुई। बेयरस्टो धीमी बाउंसर पर झुक गए और दूसरे छोर पर कप्तान बेन स्टोक्स से मिलने के लिए क्रीज से बाहर आ गए। उन्हें लगा कि गेंद 'डेड' हो गई है। हालांकि विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने गेंद स्टंप्स पर मार दी और ऑस्ट्रेलिया जश्न मनाने लगे। रिव्यू के बाद बेयरस्टो को आउट दिया गया। उन्होंने 10 रन बनाए। इसमें कोई संदेह नहीं कि नियमों के तहत बेयरस्टो आउट थे लेकिन इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम और स्टोक्स का मानना है कि उनका आउट होना खेल भावना के तहत नहीं था।

बेयरस्टो के आउट होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम की दर्शकों ने हूटिंग की और लार्ड्स पर 'वही पुराने ऑस्ट्रेलियाई, हमेशा धोखाधड़ी करने वाले' के नारे लगाए। ऑस्ट्रेलिया ने अंततः 43 रन से मैच जीतकर पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बनाई। इस बीच ख्वाजा ने 'अपमानजनक' बर्ताव की निंदा की है। मैच के बाद चैनल नाइन से बात करते हुए 'निराश' ने अपनी टीम के प्रति अपमानजनक बर्ताव के लिए फटकार लगाई।

ख्वाजा ने कहा, 'लार्ड्स मेरे पसंदीदा स्थलों में से एक है। लार्ड्स में हमेशा सम्मान दिखाया जाता है, विशेषकर लॉन्ग रूम की मेंबर्स पवेलियन में लेकिन आज ऐसा नहीं था। यह बेहद निराशाजनक थ। उन्होंने कहा, 'अगर कोई मुझसे पूछता है कि खेलने के लिए सबसे अच्छी जगह कहां है तो मैं हमेशा कहता हूं लॉर्ड्स। यहां के दर्शक बहुत अच्छे हैं, विशेषकर यहां के सदस्य बहुत अच्छे हैं लेकिन सदस्यों के मुंह से जो बातें निकली वह वास्तव में निराशाजनक हैं और मैं बस चुपचाप खड़ा होकर इसे नहीं सुनना चाहता था। इसलिए मैंने बस उनमें से कुछ से बात की।

ऑस्ट्रेलिया को लगा बड़ा झटका, एशेज से बाहर हुआ दिग्गज खिलाड़ी

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर नाथन लायन दाएं पैर की पिंडली की चोट के कारण सोमवार को बाकी बची एशेज श्रृंखला से बाहर हो गए। ऑस्ट्रेलिया के लिए लगातार 100वां टेस्ट खेल रहे 36 साल के ऑफ स्पिनर लायन को दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन क्षेत्ररक्षण के दौरान पिंडली में चोट लगी थी। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा टेस्ट 43 रन से जीतकर पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली है। चोट के बाद लायन तुरंत मैच से चले गए और उन्होंने इसके बाद गेंदबाजी या क्षेत्ररक्षण नहीं किया। वह हालांकि ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरे और अंतिम विकेट के लिए 15 रन की साझेदारी की। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने किसी विकल्प की घोषणा नहीं की है और ऐसे में साथी ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी के तीसरे टेस्ट में उनकी जगह लेने की उम्मीद है। लायन सुनिश्चित नहीं है कि वह रिहैबिलिटेशन के लिए ऑस्ट्रेलिया लौटेंगे या इग्लैंड में ही रहेंगे।

इस अनुभवी स्पिनर ने कहा कि वह मर्फी का मार्गदर्शन करने के लिए उपलब्ध रहेंगे। लायन ने कहा, 'यहां अंतिम सत्र के दौरान (चौथे दिन) मैं टॉड के साथ बैठा और स्पिन गेंदबाजी के बारे में बात की जैसे हम करते हैं। मुझे टॉड पर काफी भरोसा है। वह शानदार खिलाड़ी है। वह सीखने के लिए तैयार रहता है। उन्होंने कहा, 'मैंने उसे कहा है कि मैं ड्रेसिंग रूम में उसके साथ रहूं या बेड पर बैठकर टीवी देख रहा हूं, मैं फोन पर हमेशा उपलब्ध रहूंगा।

तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा, क्रिस वोक्स और मार्क वुड की वापसी

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने तीसरे एशेज टेस्ट के लिए टीम की घोषणा कर दी है। चोट की आशंका के बावजूद ओली पोप को मौजूदा एशेज 2023 के तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम में बरकरार रखा गया है। रविवार 2 जुलाई को लॉर्ड्स टेस्ट में हार के तुरंत बाद इंग्लैंड ने तीसरे गेम के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की जो कि गुरुवार, 6 जुलाई से हेडिंग्ले में खेला जाएगा। विशेष रूप से, पोप ने कंधे की चोट के बावजूद दूसरे टेस्ट की दोनों पारियों में बल्लेबाजी की थी।

कथित तौर पर 25 वर्षीय को स्कैन से गुजरना होगा और यदि परिणाम आशाजनक नहीं रहे तो वह आगामी गेम से चूक सकते हैं। यदि वह चूक जाते हैं, तो इंग्लैंड को डैन लॉरेंस के साथ जाना होगा क्योंकि वह एकमात्र बल्लेबाज हैं जो पोप की जगह ले सकते हैं। मोईन अली को चोट के कारण दूसरे गेम के लिए प्लेइंग

कॉम्बिनेशन से बाहर कर दिया गया था, लेकिन आगामी गेम में उनसे वापसी की उम्मीद की जाएगी।

इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट से पहले रेहान अहमद को टीम में शामिल किया था, लेकिन मोईन की संभावित वापसी का संकेत देते हुए इस युवा खिलाड़ी को तीसरे गेम के लिए बाहर कर दिया गया है। इंग्लैंड ने क्रिस वोक्स और मार्क वुड को टीम में शामिल किया है जो लॉर्ड्स टेस्ट में भाग लेने वाले चार फ्रंटलाइन तेज गेंदबाजों के अलावा सीम-बॉलिंग विकल्प होंगे।

एशेज 2023 सीरीज में इंग्लैंड को भारी झटका लगा है एजबेस्टन में शुरुआती टेस्ट के साथ-साथ लॉर्ड्स में दूसरा टेस्ट भी हार गया है। दोनों खेलों में कड़ा मुकाबला हुआ और मेहमान टीम ने खेल के अंतिम दिन जीत हासिल की। जहां पैट कमिंस की वीरता ने ऑस्ट्रेलिया को बर्मिंघम में जीत दिलाने में मदद की, वहीं गेंदबाजों ने दूसरे गेम में मिलकर काम किया और ऑस्ट्रेलिया को 2-0 की बढ़त दिलाने में मदद की।

एशेज 2023

दूसरा टेस्ट हारा इंगलैंड ,बेन स्टोक्स का शतक बेकार

लंदन (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड को दूसरे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा और महमान टीम सीरीज में 2-0 से आगे है। हालांकि इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट के लिए रविवार का दिन बेहद खास रहा क्योंकि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 1,000 रन पूरे कर लिए हैं।

डकेट ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया। पहली पारी में उन्होंने 134 गेंदों में 98 रन बनाए जिसमें नौ चौके शामिल थे। दूसरी पारी में वह कप्तान बेन स्टोक्स के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी में शामिल थे और 112 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 83 रन बनाए। इसके साथ ही डकेट ने 12 टेस्ट मैचों में 48.19 की औसत से 1,012 रन बनाए हैं। उन्होंने 182 के सर्वश्रेष्ठ

स्कोर के साथ दो शतक और सात अर्द्धशतक बनाए हैं। वह 85.47 की स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं।

डकेट इस साल शानदार फॉर्म में हैं। पांच टेस्ट मैचों में उन्होंने 60.55 की औसत से 545 रन बनाए हैं। उन्होंने 10 पारियों में एक शतक और तीन अर्द्धशतक बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 182 है। डकेट की अब तक एशेज अच्छी रही है। हालांकि उन्होंने लॉर्ड्स टेस्ट की दोनों पारियों में अर्धशतक बनाए लेकिन पहले टेस्ट में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और दोनों पारियों में 20 रन का आंकड़ा छूने में असफल रहे। उन्होंने चार पारियों में 53.00 की औसत से 212 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्द्धशतक भी शामिल हैं। वह स्टोक्स (216 रन) के बाद अब तक सीरीज में इंग्लैंड के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 371 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड 45/4 पर सिमट गई।

पीसीबी ने विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए केन्द्र सरकार से मांगी मंजूरी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की खातिर भारत आने के लिये प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ, गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर आधिकारिक मंजूरी मांगी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पत्र में सलाह मांगी गई है कि पाकिस्तान टीम को भारत की यात्रा करने की अनुमति है या नहीं और क्या पाकिस्तानी सरकार टोह लेने के लिए एक सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल भारत भेजना चाहती है।

पाकिस्तान को अपने 9 लीग मैच पांच आयोजन स्थलों पर खेलने हैं। पीसीबी ने पाकिस्तान सरकार से पूछा है कि उसे इन आयोजन स्थलों से कोई आपत्ति है या नहीं। पीसीबी ने 26 जून को पत्र को एक आवश्यक कदम के रूप में लिखा था क्योंकि किसी भी अन्य देश के दौरे के विपरीत, भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण भारत दौरे के लिए सरकार की अनुमति की आवश्यकता होती है। सरकार के लिए जवाब देने की कोई समय सीमा नहीं है लेकिन पाकिस्तान टीम सरकार की मंजूरी के बिना यात्रा नहीं करेगी।

पीसीबी ने सरकार के साथ पाकिस्तान टीम के 9 लीग मैचों की जानकारी भी साझा की है, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होने वाला मैच भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी ने कहा, पिछले मंगलवार को विश्व कप कार्यक्रम की घोषणा के तुरंत बाद हमने अंतर-प्रांतीय समन्वय (आईपीसी) मंत्रालय के माध्यम से अपने संरक्षक माननीय प्रधानमंत्री मोहम्मद शहबाज शरीफ को लिखा। विदेश मंत्रालय और

आंतरिक मंत्रालय को भी पत्र लिखते हुए विश्व कप में भाग लेने की मंजूरी का अनुरोध किया।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने 2016 पुरुष टी20 विश्व कप के बाद से भारत का दौरा नहीं किया है। दोनों टीमें एक दशक से किसी भी द्विपक्षीय श्रृंखला में भी आमने-सामने नहीं आए हैं और सिर्फ आईसीसी एवं एसीसी आयोजनों में मुकाबला करते हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पहले ही सुझाव दिया था कि वह विश्व कप में टीम की भागीदारी का मूल्यांकन कर रहा है और उचित समय पर पीसीबी को अपने विचार से अवगत कराएगा। भारत को लेकर सरकार के रुख पर कोई स्पष्ट स्थिति नहीं है, लेकिन हाल ही में विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी लगभग 12 वर्षों में दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (साक) शिखर सम्मेलन के लिये भारत का दौरा करने वाले पहले उच्च स्तरीय पाकिस्तानी अधिकारी थे। प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ भी चार जुलाई को भारत की मेजबानी में वीडियो-कॉन्फ्रेंस प्रारूप में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के प्रमुखों की परिषद (सीएचएस) की बैठक में भाग लेने वाले हैं। पाकिस्तान में सत्तारूढ़ सरकार का कार्यकाल अगस्त में समाप्त होने वाला है इसलिए पीसीबी की भारत यात्रा से जुड़ा फैसला अगली सरकार के आने तक टल सकता है। वर्तमान सरकार संभवतः इस स्तर पर औपचारिक घोषणा नहीं करेगी। उल्लेखनीय है कि 2016 में भी नवाज़ शरीफ़ की सरकार ने पीसीबी को भारत दौरे की मंजूरी अंतिम वक्त पर ही दी थी।

समारोह में अचानक मलयालम बोलने लगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी।
केंद्र की सत्ताधारी पार्टी बीजेपी केरल में एक राजनीतिक ताकत बनने के लिए लंबे समय से अथक प्रयास कर रही है। इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मलयाली लोगों को लुभाने की कोशिश में कुछ ऐसा किया कि लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं। दरअसल, रविवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अखिल भारतीय मलयाली एसोसिएशन द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें राजनाथ सिंह बतौर अतिथि शरीक कर रहे थे।

इंडियन एक्सप्रेस के कॉलम दिल्ली कॉन्फिडेंशियल की रिपोर्ट के मुताबिक, राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन की शुरुआत में मलयाली अप्रवासियों का मलयालम में गर्मजोशी से अभिवादन किया। यह देखकर वहां लोग खुशी से झूम उठे। मलयालम में रक्षा मंत्री के अभिवादन और शुभकामनाओं ने बैठक में मौजूद मलयाली समुदाय का दिल जीत लिया।

राजनाथ सिंह ने समारोह में वैश्विक समुदाय के बीच भारत के आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक

विकास के लिए केरलवासियों के योगदान की सराहना की। सिंह ने कहा, दो मलयाली लोगों ने भारत को धार्मिक और राजनीतिक रूप से एकजुट होने में मदद की। बतौर राजनाथ सिंह, आदि शंकराचार्य जी ने भारत को धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से एकजुट किया, जबकि वीपी मेनन ने सरदार वल्लभभाई पटेल के साथ काम किया और देश को राजनीतिक रूप से एकीकृत किया, जिसके लिए वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियां हमेशा उनका ऋणी रहेंगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत विश्व के समक्ष आज एक राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक शक्ति के रूप में खड़ा है। उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने के लिए सभी लोगों की ओर से सहयोगात्मक प्रयास का आह्वान किया। उनके कार्यालय द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में सिंह के हवाले से कहा गया, भारत आज दुनिया के सामने एक आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक शक्ति के रूप में खड़ा है और केरल ने इस उपलब्धि को हासिल करने में बड़ी भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में भारत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लिहाज से अब दुनिया की पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था है। विशेषज्ञों और संस्थानों की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। राजनाथ सिंह ने उम्मीद जताई कि आजादी के 100 साल पूरे होने यानी वर्ष 2047 तक भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

चुनाव से पहले राजस्थान के योगी का बढ़ा कद

भगवाधारी नेता की खूब हो रही चर्चा

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नई टीम का ऐलान किया है राजस्थान भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी ने रविवार को विजय संकल्प टीम की घोषणा की। इसमें 11 उपाध्यक्ष और 5 महामंत्री बनाए गए हैं। टीम में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी वर्ग के नेताओं को प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा संगठन क्षमता और अनुभव को आधार बनाते हुए मजबूत चेहरों को शामिल किया गया है। इनमें सबसे अधिक चर्चा राजस्थान के योगी कहे जाने वाले बाबा बालकनाथ की हो रही है। अलवर के सांसद बालकनाथ को उपाध्यक्ष बनाया गया है। हमेशा भगवा

कपड़ों में दिखने वाले बाब बालक नाथ फायरब्रांड नेता हैं। हिंदुत्ववादी अजेंडे पर आक्रामक तेवरों की वजह से वह सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में वह तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने राजस्थान पुलिस के डीएसपी को थाने में घुसकर धमका दिया था। बीजेपी के कार्यकर्ता को हिरासत में लिए जाने की वजह से क्रोधित सांसद ने डीएसपी से कहा था- मेरा नाम याद रखना। तीन लोग मेरी लिस्ट में हैं। एक यहां का विधायक, पुराना एसएचओ और अब मेरी लिस्ट में आप भी हो। उनका यह वीडियो खूब वायरल हुआ था। बाबा बालकनाथ 2019 में पहली बार सांसद बने। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह को हराकर वह पहली बार संसद पहुंचे। वह नाथ संप्रदाय के महत्वपूर्ण स्थल मस्तनाथ मठ के महंत भी हैं। चांदनाथ योगी ने 2016 में उन्हें अपना उत्तराधिकारी बनाया था। रोहतक स्थित बाबा मस्तनाथ मठ के महंत बालकनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी करीबी हैं। नाथ संप्रदाय की परंपरा के मुताबिक योगी आदित्यनाथ राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं तो रोहतक की गद्दी को उपाध्यक्ष की पदवी हासिल है। 38 साल के बाबा बालकनाथ ने अलवर और आसपास के इलाकों में मजबूत राजनीतिक पकड़ बनाई है। पिछले लोकसभा चुनाव में जिस तरह उन्होंने कांग्रेस के दिग्गज नेता को 3 लाख से अधिक वोटों से हराया था उससे अच्छी धाक जमाई थी। इसके बाद वह लगातार पार्टी में और जनता के बीच सक्रिय रहे हैं। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने भगवाधारी नेता को प्रमोट करके हिंदुत्ववादी अजेंडे को आगे रखने का भी संकेत दिया है। भाजपा को बाबा बालकनाथ के जरिए राजस्थान के अलावा हरियाणा में भी फायदा मिलने की उम्मीद है।

मणिपुर की जीवनरेखा इम्फाल-दीमापुर राजमार्ग 54 दिन बाद फिर से खुला

इंफाल, एजेंसी।
मणिपुर में जातीय हिंसा के मद्देनजर विभिन्न संगठनों द्वारा लगाई गई आर्थिक नाकेबंदी हटने के बाद 54 दिनों के बाद इंफाल-दीमापुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-2) पर जरूरी सामान ले जाने वाले वाहनों की आवाजाही रविवार को फिर से शुरू हो गई। इम्फाल में अधिकारियों ने कहा कि एनएच-2 (नागालैंड के माध्यम से) के फिर से खुलने से, मणिपुर की जीवन रेखा, पूर्वोत्तर राज्य के सभी 16 जिलों में आवश्यक वस्तुओं, खाद्यान्न, परिवहन ईंधन और जीवन रक्षक दवाओं की आपूर्ति आसान हो जाएगी।पिछले महीने की शुरुआत से एनएच-2 की नाकाबंदी के बाद, मणिपुर आवश्यक वस्तुओं, खाद्यान्न, परिवहन ईंधन, जीवन रक्षक दवाओं और अन्य सामग्रियों की खरीद के लिए दक्षिणी असम के माध्यम से इंफाल-जिरीबाम राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-37) पर पूरी तरह से निर्भर था। देश के अन्य राज्य.यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट (यूपीएफ) और कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन (केएनओ) ने एक संयुक्त बयान में कहा कि उन्होंने मणिपुर में आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कांगपोकपी जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग की नाकाबंदी हटाने का फैसला किया है।कुकी-ज़ो समुदाय के लोगों के गुस्से और पीड़ा के बावजूद, राज्य में शांति और सद्भाव बहाल करने और सामान्य रूप से लोगों की दुर्दशा को कम करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चिंता को ध्यान में रखते हुए, यह विकास हुआ है।यूपीएफ के प्रवक्ता आरोन किपगेन और केएनओ के प्रवक्ता सेलेन हाओकिप द्वारा हस्ताक्षरित संयुक्त बयान में कहा गया है कि नाकाबंदी हटाने का निर्णय कई अवसरों पर विभिन्न नागरिक समाज संगठनों, ग्राम प्रधानों, युवाओं और महिला नेताओं के साथ व्यापक परामर्श के बाद लिया गया था।

दिल्ली-नोएडा रोड का जाम होगा खत्म? चिल्ला बॉर्डर से महामाया फ्लाईओवर तक बनेगी 1 और लेन; वाहनों को होगा फायदा

नोएडा एजेंसी।
नोएडा को दिल्ली से जोड़ने वाले चिल्ला बॉर्डर से महामाया फ्लाईओवर तक जाम में कमी लाने के लिए अगस्त अंत तक सड़क को चौड़ा करने का काम शुरू किया जाएगा। डिवाइडर और फुटपाथ के साइज को काफी कम कर दोनों तरफ एक-एक अतिरिक्त लेन बनाई जाएगी। अभी यहां सुबह-शाम लंबा जाम लगता है।

यहां जाम लगने की मुख्य सड़क वाहनों की अधिक संख्या के मुकाबले सड़क का काफी कम चौड़ा होना है। लगातार जाम की समस्या को देखते हुए नोएडा प्राधिकरण ने यहां जाम में कमी लाने के लिए जरूरी उपाय तलाशने के लिए कुछ महीने पहले एक कंपनी का चयन किया था। अब कंपनी ने नोएडा प्राधिकरण को सर्वे कर रिपोर्ट सौंप दी है।

अधिकारियों ने बताया कि डीएनडी और फिल्म सिटी फ्लाईओवर पर चढ़ने और उतरने वाले लूप पर सड़क की चौड़ाई बढ़ाई जाएगी।

सेक्टर-18 की ओर से फ्लाईओवर पर चढ़कर सेक्टर-95 दलित प्रेरणा के सामने उतरते समय लंबा जाम लगता है। यहां पर सेंट्रल वर्ज की चौड़ाई कम करेंगे। डीएनडी पर चढ़ने-उतरने वाले लूप पर ग्रीन बेल्ट कम कर सड़क चौड़ी होगी। चिल्ला बॉर्डर से महामाया फ्लाईओवर आते समय फुटपाथ को कम कर सेक्टर-15ए की दीवार के साथ लाया जाएगा। सेक्टर-15ए के सामने दूसरी तरफ फुटपाथ के साइज को कम कराया जाएगा। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि सर्वे रिपोर्ट फाइनल कर ली गई है। अब 22 जुलाई को सीईओ के समक्ष प्रस्तुतीकरण दिया जाएगा। नए सिरे से कंपनी का चयन करेगा = कंपनी की ओर से जो सर्वे रिपोर्ट नोएडा प्राधिकरण को दी गई है उसमें चौड़ीकरण के काम में करीब 13 करोड़ रुपये का खर्च होने का अनुमान जताया गया है। सुधार से संबंधित काम कराने के लिए प्राधिकरण नए सिरे से कंपनी का चयन करेगा।

एलिवेटेड रोड बनने के बाद जाम पूरी तरह खत्म होगा = चिल्ला रेगुलेटर से महामाया फ्लाईओवर तक एलिवेटेड रोड बनना प्रस्तावित है। इसके लिए शासन ने 100 करोड़ रुपये का बजट भी जारी कर दिया है। उम्मीद है कि दो-तीन महीने में काम शुरू हो जाएगा। काम शुरू होने पर पूरा होने में करीब डेढ़ साल का समय लगेगा। एलिवेटेड रोड बनने पर इस रास्ते पर जाम पूरी तरह खत्म हो जाएगा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर महामाया फ्लाईओवर से परी चौक तक जाम खत्म करने के लिए भी सर्वे करने का कंपनी का चयन करने की योजना तैयार की थी, लेकिन अभी चयन नहीं हुआ है। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि राइट्स कंपनी से बात हुई थी, लेकिन कंपनी की ओर से अधिक पैसे मांगे गए। इस पर प्राधिकरण ने इनकार कर दिया। सड़क चौड़ीकरण में दोनों तरफ पेड़ भी हटाए जाएंगे। अधिकारियों का दावा है कि कोई पेड़ काटा नहीं जाएगा,

पंजाब के सीएम मान व पूर्व सीएम कैप्टन अमरिन्दर के बीच तीखी नोकझोंक

चंडीगढ़, एजेंसी।
पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और भाजपा नेता कैप्टन अमरिन्दर सिंह के बीच उस समय वाकयुद्ध छिड़ गया जब मान ने कहा कि सरकार दुर्दांत अपराधी मुख्तार अंसारी के राज्य की जेलों में रहने के दौरान शानो शौकत पर खर्च हुए 55 लाख रुपये का भुगतान नहीं करेगी। सीएम मान ने कहा, यह पैसा कैप्टन अमरिन्दर सिंह और पूर्व उपप्रधान सुखजिंदर रंधावा से वसूला जाएगा। अगर वे पैसे चुकाने में विफल रहे, तो पैसे की वसूली के लिए उनकी पेंशन और अन्य लाभ रोक दिए जाएंगे। बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने मान को ऐसे बयान जारी करने से पहले कानून और जांच की प्रक्रिया सीखने को कहा, क्योंकि यह केवल शासन के बारे में उनकी अज्ञानता को उजागर करता है। कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने कहा कि उन्होंने साढ़े नौ साल तक मुख्यमंत्री के तौर पर काम किया है, जबकि मान को डेढ़ साल भी पूरा नहीं हुआ है। पूर्व कांग्रेस नेता ने कहा, बेहतर होगा कि शासन की प्रक्रियाओं के बारे में इस तरह के अज्ञानतापूर्ण बयान देने से पहले उन्हें सीखना चाहिए और अनुभव हासिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंसारी को पंजाब लाया गया और जांच के लिए उचित कानूनी प्रक्रिया के तहत यहां हिरासत में लिया गया। उन्होंने मान से पूछा, मुख्यमंत्री या उस मामले में जेल मंत्री (सुखजिंदर रंधावा) इस मामले में कहां से आते हैं? सीएम मान ने कहा कि इतिहास इस बात का गवाह है कि पटियाला के वंशज की स्वघोषित बुद्धिमत्ता ने राज्य को बर्बाद कर दिया है। यहां एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा पंजाब जानता है कि कैप्टन (अमरिंदर सिंह) हमेशा राज्य और इसके लोगों के बजाय अपनी कुर्सी के बारे में चिंतित रहे हैं। सत्ता में रहने के दौरान कैप्टन ने खुद को महलों तक सीमित रखकर राज्य के हितों की अनदेखी की है। यह सच है कि कैप्टन का वंश पंजाब और पंजाबियों की पीठ में छुरा घोंपने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी पंजाबी यह कभी नहीं भूल सकता कि कैप्टन के पूर्वजों ने अपने निहित स्वार्थों के लिए मुगलों और अंग्रेजों का पक्ष लिया था।

दूसरे दिन 10 हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने की अमरनाथ यात्रा

श्रीनगर, एजेंसी। दस हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने दूसरे दिन अमरनाथ यात्रा की, जबकि 4,758 यात्रियों का एक और जत्था सोमवार को जम्मू से घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा कि इस साल की दूसरी तीर्थयात्रा पर रविवार को 10,467 तीर्थयात्रियों ने अमरनाथ गुफा मंदिर के अंदर दर्शन किए, जबकि 4,758 यात्रियों का एक और जत्था आज सुबह सुरक्षा काफिले में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा, इन 4,758 यात्रियों में से 3781 पुरुष, 727 महिलाएं, 19 बच्चे, 198 साधु और 33 साध्वियां हैं। गौरतलब है कि इस वर्ष की 62 दिवसीय अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई को शुरू हुई और 31 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा उत्सव के साथ समाप्त होगी। समुद्र तल से 3888 मीटर ऊपर स्थित, हिमालय गुफा मंदिर में एक बर्फ की संरचना है, इसके बारे में भक्तों का मानना है कि यह भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है। तीर्थयात्री अगर ऐतिहासिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से गुफा मंदिर जाते हैं, तो उन्हें गुफा मंदिर तक पहुंचने तक 43 किलोमीटर की चढ़ाई करनी पड़ती है। यदि यात्री पहलगाम मार्ग का उपयोग करते हैं तो उन्हें गुफा मंदिर तक पहुंचने में 3 से 4 दिन लगते हैं। उत्तरी कश्मीर बालटाल मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए 13 किलोमीटर की कठिन चढ़ाई करनी पड़ती है। बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले तीर्थयात्री दर्शन के बाद उसी दिन बेस कैंप लौट आते हैं। यात्रियों के लिए दोनों मार्गों पर हेलीकॉप्टर सेवाएं उपलब्ध हैं। दो आधार शिविरों के अलावा, तीर्थयात्रियों के लिए दो मुख्य पारगमन शिविर हैं, एक उत्तरी कश्मीर के गांदरबल जिले के हरिपोरा में और दूसरा दक्षिण कुलगाम जिले के मीर बाज़ार में।

संक्षिप्त समाचार

पीलिया के कुल मरीजों का आंकड़ा पहुंचा 90 पर

हमीरपुर, एजेंसी। जिला की पंचायतों में फैले पीलिया के मरीजों की तादाद दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। अब यह 90 तक पहुंच गई है। जिला चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आरके अग्निहोत्री, बीएमओ डॉ अविनीत शर्मा, अभिषेक स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने रविवार को उनके घरों में पहुंचकर दवाइयां बांटी। रविवार को अब तक कुल मरीजों का आंकड़ा 90 पर पहुंच गया। अब तक 46 लोग ठीक भी हो चुके हैं। 7 से ज्यादा नए मरीज पीलिया से सामने आने के बाद 10 मरीज अभी भी भर्ती किए गए हैं उनका उपचार अस्पतालों में चल रहा है। 28 मरीज एक्टिव केस हैं। 9 लोगों को छुट्टी दे दी गई। जिला चिकित्सा अधिकारी का कहना है कि लोगों को उबालकर पानी पीना चाहिए। कर्मचारी भी लोगों को उबालकर पानी पीने की सलाह दे रहे हैं लगातार मरीजों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग ने लोगों के सैंपल लेने में तेजी ला दी है।

यूपी में अवैध धर्मांतरण के आरोप में एटीएस ने तीन को किया गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में अवैध धर्मांतरण कराने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने रविवार रात सहारनपुर जिले के विभिन्न स्थानों से आरोपियों नाज़िम हसन, मोहम्मद सादिक और अज़हर मलिक को गिरफ्तार किया। एटीएस के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस से जुटाए गए सबूतों से साबित हुआ कि ये तीनों जिले में धर्मांतरण को अंजाम देने में शामिल थे। एटीएस ने कहा कि जिले के निवासी गौरव को नाजिम हसन ने फंसाया था।

देश में आज छत्तीसगढ़ भ्रष्टाचार के नाम से जाना जाता है - केजरीवाल

बिलासपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी ने चुनावी शंखनाद कर दिया है, पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस व भाजपा दोनों ही पार्टियों पर जमकर हमला बोलते हुए भूपेश बघेल का नाम लिए बगैर कहा कि देश में आज छत्तीसगढ़ भ्रष्टाचार के नाम से जाना जाता है। छत्तीसगढ़ में बिजली बनती है, फिर भी लोगों को महंगी बिजली मिल रही है, जबकि दिल्ली में 24 घंटे मुफ्त बिजली मिल रही है। साइंस कालेज मैदान में महारैली को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा, साल 2000 में छत्तीसगढ़ बना था तो यहां के लोगों को बड़ी उम्मीद थी कि छत्तीसगढ़ का विकास होगा। भगवान ने छत्तीसगढ़ को छप्पर फाड़कर दिया और यहां जंगल, नदियां, खेती, लोहा, कोयला सबकुछ है, लेकिन एक कमी है, ईमानदार अच्छा नेता व पार्टी छत्तीसगढ़ में नहीं है। यहां भाजपा एवं कांग्रेस के नेताओं ने काम किया होता तो 23 साल में चारों तरफ खुशहाली आ जाती।

टोक्यो के शिंबाशी स्टेशन के पास भयानक विस्फोट, एक इमारत में हुआ जोरदार धमाका; चार लोग घायल

टोक्यो, एजेंसी।
टोक्यो में जेआर शिंबाशी स्टेशन के पश्चिम की ओर एक इमारत में विस्फोट हुआ है। यह क्षेत्र कई कार्यालयों और रेस्तरांओं से घिरा हुआ है। जापान के एनएचके न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, टोक्यो में जेआर शिंबाशी स्टेशन के पश्चिमी किनारे पर एक इमारत में कथित तौर पर विस्फोट हुआ है।

यह घटना कथित तौर पर दोपहर करीब 3=15 बजे हुई। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरों और वीडियो में इमारत की दूसरी मंजिल पर आग लगी हुई है और कांच के टुकड़े सड़क पर बिखरे हुए हैं। टोक्यो मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच कर रही है।

अग्निशमन विभाग के एक प्रवक्ता ने नाम न छापने की शर्त पर एएफपी को बताया कि विस्फोट की जोरदार आवाज भी सुनी गई। कुल 32 दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर हैं।

उन्होंने कहा, चार लोग घायल हैं, जिनमें से तीन होश में हैं, उन्होंने कहा कि चौथे व्यक्ति के बारे में अभी तक कोई विवरण उपलब्ध नहीं है।

नाटो को बढ़ावा देने के लिए बाइडन करेंगे यूरोप के देशों की यात्रा, व्हाइट हाउस ने जारी किया शेड्यूल

वाशिंगटन , एजेंसी।
उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) गठबंधन को मजबूत करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन तीन देशों - यूनाइटेड किंगडम, लिथुआनिया और फिनलैंड - की यात्रा के लिए यूरोप जाएंगे। व्हाइट हाउस ने एक बयान में बताया कि 9-13 जुलाई की अपनी यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति बिडेन हमारे देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों को और मजबूत करने के लिए किंग चार्ल्स और प्रधान मंत्री ऋषि सुनक के साथ बातचीत के लिए सबसे पहले लंदन, यूनाइटेड किंगडम की यात्रा करेंगे। इसके बाद वह 74वें नाटो शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 11 से 12 जुलाई तक विनियस, लिथुआनिया की यात्रा करेंगे। इसके बाद यूएस-नॉर्डिक लीडर्स समिट के लिए हेलसिंकी, फिनलैंड का दौरा किया जाएगा।

बाइडन की यूरोप यात्रा का इरादा रूसी आक्रामकता के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गठबंधन को मजबूत करना है क्योंकि यूक्रेन में युद्ध अपने दूसरे वर्ष तक फैला हुआ है। बाइडन की पांच दिवसीय यात्रा का मुख्य फोकस इस साल लिथुआनिया के विनियस में आयोजित वार्षिक नाटो शिखर सम्मेलन होगा। व्हाइट हाउस ने घोषणा की है कि अप्रैल में 31 देशों के सैन्य

गठबंधन में नॉर्डिक देश के प्रवेश के उपलक्ष्य में हेलसिंकी, फिनलैंड और ब्रिटेन में रुकने की भी योजना बनाई गई है। नाटो बैठक युद्ध के नवीनतम महत्वपूर्ण बिंदु पर आती है।

अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की का कहना है कि रूसी सेना के खिलाफ जवाबी और रक्षात्मक कार्रवाई चल रही है क्योंकि यूक्रेनी सैनिकों ने देश के दक्षिणपूर्वी हिस्से में क्षेत्र पर फिर से कब्जा करना शुरू कर दिया है, जैसा कि अल जज़ीरा ने बताया। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन युद्ध यूक्रेन द्वारा नाटो गठबंधन का हिस्सा बनने की इच्छा जताने के बाद शुरू हुआ था। एक साल से अधिक समय से चल रहे रूसी आक्रमण के बाद भी यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की अपने रुख पर कायम हैं। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ से मुलाकात के बाद उन्होंने ट्विटर पर कहा, मैं नाटो में हमारे आंदोलन के समर्थन के लिए भी आभारी हूं। यह अब स्पष्ट तथ्य है जितना व्यापक नाटो यूरोप में है, शांति का दायरा उतना ही व्यापक है।

नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने 13 जून को व्हाइट हाउस का दौरा किया, जहां उन्होंने और बिडेन ने फिर से जोर दिया कि पश्चिमी गठबंधन यूक्रेन की रक्षा के लिए एकजुट है। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद फ़िनलैंड और स्वीडन ने भी सुरक्षा आश्वासन पाने के लिए नाटो गुट में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की। तुर्की द्वारा इसकी सदस्यता पर अपनी आपत्तियां वापस लेने के बाद फिनलैंड इस साल अप्रैल में इस गुट में शामिल हो गया। हालाँकि, स्वीडन अभी भी इस समूह में शामिल नहीं हो सका है, क्योंकि तुर्की को उसके साथ सुरक्षा चिंताएँ हैं और वह उस पर आतंकवादी समूहों को पनाह देने का भी आरोप लगाता है। इसके अलावा, हंगरी ने भी हंगरी के पीएम ओर्बन की आलोचना पर स्वीडन के ब्लॉक में प्रवेश पर आपत्ति जताई है। 24 फरवरी, 2022 को शुरू हुए रूस-यूक्रेन युद्ध ने कई लोगों की जान ले ली है।

विपक्ष एक साल में लाया 716 ड्राफ्ट बिल, एक पर भी नहीं हुई चर्चा! रबर स्टाम्प बनी तुर्किए की संसद

अंकारा, एजेंसी।
तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैय्यब एर्दोआन को सत्ता पर काबिज हुए 20 साल से ज्यादा का समय बीत चुका है और इस दौरान एर्दोआन ने सत्ता पर इस कदर नियंत्रण कर लिया है कि तुर्किए की संसद अब महज एक रबर स्टाम्प बनकर रह गई है। एक समय तुर्किए से मध्य पूर्व और अरब देशों के लिए रोल मॉडल बनने की उम्मीद की जाती थी लेकिन यह सफर ज्यादा लंबा नहीं चल सका।

16 जुलाई 2016 में एर्दोआन के खिलाफ बगावत हुई। हालांकि यह बगावत असफल रही लेकिन इसने एर्दोआन को वो मौका दे दिया, जिसकी तलाश में वह लंबे समय से थे। दरअसल बगावत के बाद रजब तैय्यब एर्दोआन ने सत्ता में कई बदलाव किए, जिससे एर्दोआन ने तुर्किए के संविधान की उस ताकत को खत्म कर दिया, जिससे सरकार पर नियंत्रण किया जाता था। साथ ही एर्दोआन ने बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों, जजों, शिक्षा जगत के लोगों, स्वास्थ्य कर्मियों और सैन्य अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया। अब रजब तैय्यब एर्दोआन का देश की न्यायपालिका की नियुक्तियों और पूरी व्यवस्था पर पूरा नियंत्रण है। नॉर्डिक रिसर्च मॉनिटरिंग नेटवर्क

चलाने वाले अब्दुल्लाह बोजकुर्त ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि अक्टूबर 2021 से लेकर सितंबर 2022 तक विपक्ष ने 716 ड्राफ्ट बिल तुर्किए की संसद में पेश किए लेकिन उनमें से एक पर भी चर्चा नहीं हुई। यह अपने आप में वर्ल्ड रिकॉर्ड है। वहीं सत्ताधारी पार्टी एकेपी और इसकी सहयोगी एमएचपी ने इस समयअवधि में 80 ड्राफ्ट बिल पेश किए और वह सभी मंजूर कर लिए गए और अंत में कानून बन गए। यह दिखाता है कि तुर्किए में विपक्ष महज बहस करने तक सीमित रह गया है और उससे कानून बनाने की ताकत छीन ली गई है।

एक और चिंताजनक तथ्य ये है कि कई संसदीय समितियों की एक बैठक तक नहीं हुई है और कई समितियों की सिर्फ एक या दो बैठकें ही हुई हैं। लोकतांत्रिक देशों में संसद का काम सरकार के काम की निगरानी करना होता है। इसमें सवाल पूछने की आजादी होती है, जिससे जवाबदेही, पारदर्शिता और बेहतर प्रशासन सुनिश्चित होता है लेकिन तुर्किए की संसद में सवाल पूछने के अधिकार को ही लगभग खत्म कर दिया गया है और जो सवाल पूछे भी जाते हैं, उनमें से अधिकतर के जवाब नहीं दिए जाते।

एक रिपोर्ट के अनुसार, तुर्किए की सरकार से मौखिक तौर पर 15,664 सवाल पूछे गए लेकिन इनमें से महज 1298 सवालों के ही जवाब दिए गए। न्याय मंत्रालय से 2145 सवाल पूछे गए और उनमें से महज तीन के ही जवाब दिए गए। वहीं आंतरिक मंत्रालय से 1597 सवाल पूछे गए और इनमें से सिर्फ छह के जवाब मिले। इन आंकड़ों से पता चलता है कि तुर्किए की संसद में पारदर्शिता, जवाबदेही पूरी तरह से नदारद है। लोकतंत्र में जब सरकारें बजट पेश करती हैं तो उसे बहस के लिए संसद में पेश किया जाता है। जहां उस पर बहस होती है और सरकारें विपक्ष की आपत्ति पर बजट प्रावधानों में बदलाव भी करते हैं लेकिन तुर्किए में एर्दोआन सरकार द्वारा बनाए गए बजट को कुछ संबंधित संसदीय समितियों के पास भेजा जाता है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129